कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

www.ksnewsupdates.com

धनबाद, शुक्रवार 27 जून, 2025, वर्ष : 34, अंक : 92, मूल्य : 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe

Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

डीसीएलआर कार्यालय में पदस्थापित कंप्यूटर ऑपरेटर पंद्रह हज़ार रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार

धनबाद : जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो, धनबाद ने गुरुवार को डीसीएलआर कार्यालय में पदस्थापित कंप्यूटर ऑपरेटर अनीश कुमार को पंद्रह हजार की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।एसीबी की इस कार्रवाई से कार्यालय परिसर में हड़कंप मच गया और अन्य कर्मी सकते में आ गए। एसीबी के पुलिस अधीक्षक बिनोद कुमार ने बताया कि वादी वीर बहादुर सिंह की शिकायत पर कार्रवाई की गई।वादी का म्यूटेशन, दखिल-खारिज आवेदन अंचल कार्यालय से रिजेक्ट हो गया था I जिसके खिलाफ उन्होंने डीसीएलआर कार्यालय में अपील की थी। शिकायत में आरोप था कि अपील से जुड़ी फाइल को आगे बढ़ाने और आदेश पारित कराने के एवज में कंप्यूटर ऑपरेटर अनीश कुमार पंद्रह हजार की रिश्वत की मांग की है।शिकायत के सत्यापन में आरोप सही पाए गए। जिसके बाद एसीबी ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप ऑपरेशन चलाया और आरोपी को उसके कार्यालय में रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। उन्होंने यह भी बताया कि मामले में किसी वरिष्ठ अधिकारी की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार सख्त अभियान जारी है और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

हाईकोर्ट ने जेएसएससी पर लगाया 2 लाख जुर्माना

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने आज गुरुवार को सीजीएल परीक्षा 2020-21 के पेपर लीक मामले में विंसेंट टेक्नोलॉजी को ब्लैकलिस्ट करने के जेएसएससी के आदेश को गलत करार देते हुए रद्द कर दिया है. इसके साथ ही अदालत ने जेएसएससी पर दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है. हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एम.एस. रामचंद्र राव और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई. अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि जेएसएससी कंपनी की 61 लाख की बैंक गारंटी और 2.90 करोड़ के बकाया बिल को 7 प्रतिशत ब्याज के साथ चार सप्ताह में भुगतान करे. सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि सिर्फ पुलिस रिपोर्ट के आधार पर किसी कंपनी को आजीवन ब्लैकलिस्ट नहीं किया जा सकता. विंसेंट टेक्नोलॉजी ने सीजीएल परीक्षा 2020-21 के आयोजन की जिम्मेदारी निभाई थी. 3 जुलाई 2022 को हुई इस परीक्षा का पेपर लीक हो गया था, जिसके बाद जेएसएससी ने परीक्षा रद्द कर दी और कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया.

उधमपुर में एनकाउंटर, 1 आतंकी मारा गया

4 आतंकियों का ग्रुप पिछले साल से इलाके में छिपा

उधमपुर(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बसंतगढ़ इलाके में गुरुवार सुबह से जारी एनकाउंटर में एक आतंकी मारा गया है। इलाके में तीन और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। सेना और पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी है। आईजीपी जम्मू जोन भीम सेन ने बताया कि बसंतगढ़ के बिहाली इलाके में पिछले एक साल से 4 आतंकियों के छिपे होने की खबर थी। गुरुवार सुबह साढ़े 8 बजे इनकी जानकारी मिलने के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान आतंकियों ने सिक्योरिटी फोर्सेज के जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आतंकी मारा गया है। सोर्स के अनुसार, इलाके में 3 और आतंकी हैं। दोनों तरफ से फायरिंग जारी है।

झारखंड में 64 इंस्पेक्टर डीएसपी के पद पर पदोन्नत

रांची : झारखंड में पुलिस विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है. राज्य सरकार ने 64 पुलिस इंस्पेक्टरों को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर पदोन्नत कर दिया है. गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा गुरुवार की शाम अधिसूचना जारी कर दी गयी. गौरतलब है कि पदोन्नति का कारण और रिक्तियों की स्थिति काफी समय से प्रतीक्षित थी, क्योंकि डीएसपी के स्वीकृत पदों में काफी रिक्तियां थीं. झारखंड में डीएसपी के कुल 194 पद स्वीकृत हैं. इनमें से वर्तमान में 130 अधिकारी कार्यरत थे, जिसके कारण 64 पद रिक्त पड़े थे. इन्हीं 64 रिक्त पदों पर अब अनुभवी इंस्पेक्टरों को डीएसपी के रूप में पदोन्नत किया गया है. पदोन्नत किए गए 64 पदों में से अधिकांश अनारक्षित श्रेणी के हैं. कुल 64 पदों में से 61 पद अनारक्षित श्रेणी के हैं. एक पद अनुसूचित जनजाति श्रेणी का है. इसके अलावा दो पद अनुसूचित जाति श्रेणी के हैं. यह पदोन्नति झारखंड पुलिस बल में अधिकारियों की कमी को पूरा करने और पुलिस प्रशासन को और मजबूत करने में सहायक होगी.

ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर टेंपो-ट्रेवलर नदी में गिरा, दो की मौत, कई लापता

ऋषिकेश : रुद्रप्रयाग जनपद में आज गुरुवार सुबह ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर घोलतीर के समीप एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। बदरीनाथ दर्शन के लिए जा रहे यात्रियों का एक टेंपो-ट्रेवलर अनियंत्रित होकर सीधे अलकनंदा नदी में जा गिरा। वाहन में चालक सहित 19 लोग सवार थे। 17 लोग एक परिवार के थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के भी घटनास्थल पर पहुंचने की सूचना है।हादसे की सूचना पर पुलिस, एसडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। राजस्थान के उदयपुर से एक परिवार के 17 लोग इस वाहन चारधाम यात्रा पर निकले थे। जो केदारनाथ दर्शन के बाद आज सुबह बदरीनाथ दर्शन के लिए निकले थे। हादसे की सूचना पर पुलिस, एसडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। तीन गंभीर घायलों को एयर लिफ्ट किया गया है।

जवानों ने 2 वर्दीधारी महिला नक्सली मार गिराए

दोनों के शव और हथियार के साथ गोला, बारूद बरामद

नारायणपुर(ईएमएस)। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके में जवानों ने दो वर्दीधारी महिला नक्सली को मार गिराया है। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। साथ ही 315 बोर राइफल और अन्य हथियार भी बरामद हुए हैं। मामला कोहकामेटा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि कोहकामेटा इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी है। इसी सूचना के आधार पर नारायणपुर से डीआरजी और कोंडागांव से एसटीएफ के जवानों को नक्सल ऑपरेशन पर निकाला गया था। बुधवार की रात जब जवान नक्सलियों के ठिकाने पर पहुंचे तो नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। वहीं सुबह जब जवानों ने सर्च ऑपरेशन चलाया तो 2 नक्सलियों के शव बरामद हुए। आज सुबह भी गोलीबारी हुई है।

झारखंड में दो साल बाद फिर शुरू हुई मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना

4 करोड़ के कृषि यंत्र बांटे गये

रांची : झारखंड में दो वर्षों के इंतजार के बाद एक बार फिर मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना की शुरुआत हो गई है. राजधानी रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने 4 करोड़ रुपए की लागत से खरीदे गए विभिन्न कृषि यंत्रों का वितरण किया. इनमें बड़ा ट्रैक्टर, मिनी ट्रैक्टर, सोलर पंप सेट, नॉर्मल पंप सेट सहित कई यंत्र शामिल हैं.

कार्यक्रम में महिला समूहों की सक्रिय भागीदारी खास चर्चा का विषय रही. महिलाओं को ट्रैक्टर चलाने का विशेष प्रशिक्षण विभाग द्वारा दिया गया है, जो ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है. कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मुख्यमंत्री ट्रैक्टर योजना किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें मजदूर से व्यापारी की दिशा में आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी. उन्होंने बताया कि मंत्री पद संभालने के बाद लगातार ग्रामीण इलाकों से इस योजना को पुनः शुरू करने की मांग मिल रही थी, जिसे अब धरातल पर उतार दिया गया है.

मंत्री ने किसानों को योजनाओं की जानकारी रखने और बिचौलियों से सतर्क रहने की सलाह दी. उन्होंने कहा योजना शुरू होते ही कुछ असामाजिक तत्व किसानों को फोन कर धोखाधड़ी की कोशिश करते है. किसानों को किसी भी अनजान कॉल या ऑनलाइन पेमेंट के झांसे में नहीं आने की अपील की गई.

इस योजना के तहत सरकार बड़े ट्रैक्टर पर 50 प्रतिशत और मिनी ट्रैक्टर पर 80 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है. लाभ पाने के लिए योग्य किसानों को अपने एस्क्रो अकाउंट में निर्धारित अंशदान जमा करना होगा. मौके पर कांके विधायक सुरेश बैठा ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की कृषि मंत्री किसानों के हित में ठोस कार्य कर रही हैं.

इन्होंने कहा कि विभाग मछली पालन, दूध उत्पादन, गाय, मुर्गी और बत्तख वितरण के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है. दो साल से बंद पड़ी ट्रैक्टर योजना को पुनः शुरू कर मंत्री ने किसानों की उम्मीदों को पूरा किया है.

कार्यक्रम में मंच से 32 बड़े ट्रैक्टर, 2 मिनी ट्रैक्टर, 2 सोलर पंप सेट और 55 नॉर्मल पंप सेट लाभुकों को सौंपे गए. कार्यक्रम में भूमि संरक्षण निदेशालय के निदेशक अशोक सम्राट, संयुक्त सचिव रविशंकर विद्यार्थी, समेति निदेशक विकास कुमार, कार्यपालक निदेशक आर. पी. सिंह और विभिन्न जिलों के भूमि संरक्षण पदाधिकारी उपस्थित थे.

राष्ट्रपति मुर्मू ने अस्पताल जाकर शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की ली जानकारी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन भी वहां थे मौजूद

रांची : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन बीते कुछ दिनों से दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं. दिशोम गुरु का हालचाल जानने के लिए कई लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं. इसी क्रम में गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सर गंगाराम अस्पताल पहुंचीं और शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली. राष्ट्रपति ने चिकित्सकों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली. इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन भी वहां मौजूद थे.

तीन से चार दिनों में स्थिति को लेकर दी जा सकेगी जानकारी

अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, शिबू सोरेन की तबीयत फिलहाल स्थिर बनी हुई है. डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है. चिकित्सकों का कहना है कि अगली तीन से चार दिनों तक इंतजार करना होगा, उसके बाद ही उनकी स्थिति को लेकर कोई ठोस जानकारी दी जा सकेगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दो दिन पहले ही दिल्ली पहुंचे हैं. पहले संभावना जताई जा रही थी कि वह गुरुवार शाम रांची लौट सकते हैं, लेकिन गुरुजी की स्थिति को देखते हुए अब उनका रांची लौटना शुक्रवार सुबह संभावित है.

शिबू सोरेन के स्वास्थ्य को लेकर झारखंडवासी काफी चिंतित हैं. समर्थक लगातार उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना कर रहे हैं. बता दें कि शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के सबसे प्रमुख नेताओं में गिने जाते हैं और उन्हें पूरे राज्य में 'गुरुजी' के नाम से जाना जाता है.

उत्तराखंड के वरिष्ठ पीसीएस अफसर के आवास पर ईडी का छापा

बरेली (ईएमएस)। पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के डोईवाला चीनी मिल के अधिशासी निदेशक वरिष्ठ पीसीएस अफसर दिनेश प्रताप सिंह के बरेली इंटरनेशनल सिटी स्थित आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का छापा पड़ा है। उत्तराखंड में भूमि अधिग्रहण घोटाले मामले में इनकी जांच चल रही है। इनकी पत्नी अलका सिंह कांग्रेस के टिकट पर बिथरी चौनपुर सीट से विधायक प्रत्याशी रही हैं। बृहस्पतिवार दोपहर छापा पड़ने की सूचना से अफसर समेत राजनीतिक खेमे में हलचल मच गई।

सुबह करीब नौ बजे ईडी की टीम पांच गाड़ियों से उनके आवास पर पहुंची। घर पर कोई मौजूद नहीं था। टीम ने गेट का ताला तोड़कर प्रवेश किया और मुख्य द्वार का कुंडा भी निकाल दिया। फिर क्रमवार लॉकर को तोड़कर जांच शुरू की। दोपहर तीन बजे तक टीम की जांच जारी रही। अभी तक क्या रहा, इसपर मीडिया से कोई जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। बताते हैं कि मौके से टीम प्राप्त दस्तावेज को साथ लेकर जाएगी।

जानकारी के मुताबिक दिनेश प्रताप सिंह राष्ट्रीय राजमार्ग-74 भूमि अधिग्रहण घोटाले में मुख्य आरोपी रहे हैं। वर्ष 2011 से 2016 के बीच गदरपुर और आसपास की कृषि भूमि को गैर-कृषि दिखाकर करोड़ों के मुआवजे का 240 करोड़ रुपये से अधिक का खेल किया। नवंबर 2017 में एसआईटी ने गिरफ्तार कर जेल भेजा और 15 माह बाद हाईकोर्ट से जमानत पर रिहा हुए। दिनेश प्रताप की पत्नी अलका सिंह ने वर्ष 2022 में बिथरी चैनपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था। इससे पूर्व अलका सिंह भाजपा में भी रहीं। भाजपा से टिकट न मिलने पर कांग्रेस में गईं थीं। इधर, चुनाव खर्च के बजट में भी काली कमाई खपाने का अंदेशा है।

शुभांशु शुक्ला का मिशन स्पेस सक्सेसफुल इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में हुई एंट्री

14 दिन यहीं रहेंगे चारों एस्ट्रोनॉट्स

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला स्पेस स्टेशन पहुंच गए हैं। चारों एस्ट्रोनॉट का स्टेशन पर मौजूद अंतरिक्षयात्रियों ने स्वागत किया। इसके बाद चारों मेहमानों को वेलकम ड्रिंक दी गई। इसी के साथ भारत का स्पेस स्टेशन पहुंचने का सपना पूरा हो गया। पहला भारतीय स्पेस स्टेशन पहुंच चुका है। अब अगले 14 दिन ही ये स्टेशन रहेंगे। शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से तय समय से 20 मिनट पहले डॉक हुआ। इसके बाद 1-2 घंटे की जांच हुई, जिसमें हवा के रिसाव और दबाव की स्थिरता की पुष्टि होगी। इसके बाद क्रू अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश करेगा। यह यान 28,000 किमी/घंटा की रफ्तार से 418 किमी ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है।

लॉन्च के बाद से यह लगभग 26 घंटे की यात्रा पूरी कर चुका है और अब अंतिम चरण में है। इसके लिए यान ने कई कक्षीय मैन्यूवर्स किए हैं ताकि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की कक्षा के साथ अलाइन हो सके।

जेबीवीएनएल ने 39,671 उपभोक्ताओं पर किया सर्टिफिकेट केस

वसूले जाएंगे 806 करोड़

रांची : झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम में राज्य के 39,671 उपभोक्ताओं के खिलाफ सर्टिफिकेट केस किया है. ये सर्टिफिकेट केस वितरण निगम के 41 डिवीजन और सब डिविजन के अंतर्गत आने वाले बिजली उपभोक्ताओं पर किए गए हैं.

राजधानी रांची के 13083 उपभोक्ताओं के खिलाफ सर्टिफिकेट केस किए गए हैं. बिजली वितरण निगम सर्टिफिकेट केस के जरीए 806.19 करोड़ रुपए वसूली करने की तैयारी कर रहा है. बिजली वितरण निगम के 16 डिविजन में 1000 से 5658 उपभोक्ताओं के खिलाफ सर्टिफिकेट केस किए गए हैं. इसमें सबसे अधिक रांची पश्चिमी के 5658 उपभोक्ताओं के खिलाफ सर्टिफिकेट केस किए गए हैं. चाईबासा में 2723, मधुपुर में 2412, न्यू कैपिटल रांची में 2175, रांची पूर्वी में 2058

उपभोक्ताओं के खिलाफ सर्टिफिकेट केस किए गए हैं. इसके अलावा लोयबाद, झरिया, निरसा, देवघर, गोड्डा, हजारीबाग, सरायकेला, घाटशिला, मानगो, डोरंडा और कोकर डिविजन में एक हजार से अधिक उपभोक्ताओं के खिलाफ सर्टिफिकेट केस किए गए हैं.

पुरी रथ यात्रा में 10 हजार पुलिसकर्मी, एनएसजी ड्रोन्स, स्नाइपर्स, एआई देखेगी भीड़ मैनेजमेंट

भुवनेश्वर : ओडिशा के पुरी में 27 जून को होने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. ओडिशा के डीजीपी वाईबी खुरानिया ने बताया कि रथा यात्रा में पहली बार एनएसजी तैनात की जाएगी. ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह फैसला लिया गया है. वहीं भीड़ मैनेजमेंट के लिए एआई का इस्तेमाल किया जाएगा. इतिहास में पहली बार है जब रथ यात्रा में एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है. सीसीटीवी में भी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसके जरिए ये पता लग सकेगा कि कौन कहां जा रहा है या कितनी भीड़ है. उसी के हिसाब से रूट डायवर्जन किए जाएंगे.

रथ यात्रा के लिए बनाया गया चैटबॉट

एक चैट बोट की व्यवस्था की गई है. जिसमें भक्त जो पूरी की तरफ आना चाहते हैं, दर्शन करने के लिए वो देख पाएंगे और जान पाएंगे कि कौन सा रास्ता उनके लिए ठीक है. उसमें

कहीं रुकावट है या नहीं है. अगर रुकावट है तो डायवर्जन क्या उपलब्ध है. जब वो पूरी पहुंच जाते हैं या पूरी के पास पहुंच जाते हैं, तो कहां-कहां पर पार्किंग की व्यवस्था है. उसमें उनके लिए स्पेस है या नहीं. उस हिसाब से वो अपना ट्रिप प्लान कर सकते हैं.

रथयात्रा के लिए सुरक्षा एकदम कड़ी

पहली बार नेशनल सिक्योरिटी गार्ड को डिप्लॉय करा जा रहा है. उनकी क्विक एक्शन टीम मौजूद रहेंगी. उनके स्नाइपर मौजूद रहेंगे.

कंट्रोल की व्यवस्था की गई है, जहां पर सभी एजेंसी के सीनियर ऑफिसर्स राउंड द क्लॉक मौजूद रहेंगे.

अगर कहीं कोई भी असुविधा होती है, कोई प्रॉब्लम दिखती है. उसका तुरंत समाधान करा जाएगा.

सभी इंटेलिजेंस इनपुट्स को ध्यान में रखते हुए विशेष सिक्योरिटी अरेंजमेंट किए गए हैं. रैपिड एक्शन फोर्स, सीआरपीए, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स का डिप्लॉयमेंट होगा.

10 हजार पुलिसकर्मी, ड्रोन्स की होगी तैनाती

ओडिशा के डीजीपी वाईबी खुरानिया ने बताया, सभी इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स को ध्यान में रखते हुए इस बार पहली बार नेशनल सिक्योरिटी गार्ड और उनके स्नाइपर्स, रैपिड एक्शन फोर्स, सीआरपीएफ को रथ यात्रा में तैनात किया जा रहा है. वहीं ड्रोन्स का इस्तेमाल कई गुना ज्यादा किया जा रहा है. किसी भी तरह के ड्रोन को देखकर उसे मार गिराने की भी तैयारी है. इस साल पुलिसकर्मी भी हर साल से कई गुना ज्यादा तैनात किए गए हैं.

महिलाओं और बच्चों के लिए खास इंतजाम

इस साल रथ यात्रा में सुरक्षा-व्यवस्था के लिहाज से 10,000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं. रथ यात्रा में महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है. थोड़ी-थोड़ी दूर पर इस तरह की व्यवस्था की गई है कि बच्चों और महिलाओं को हर तरह की मदद दी जा सके.

संक्षिप्त खबरें

एकांतवास के बाद भगवान जगन्नाथ के पट खुले, रथ यात्रा शुक्रवार को

गढ़वा(ईएमएस)। पंद्रह दिनों के एकांतवास के बाद गुरुवार को भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के पट खुले। पट खुलते ही दर्शन पूजन के लिए भक्त उमड़ पड़े। ठाकुरबाड़ी में अखंड कीर्तन शुरू हो गया है। शुक्रवार को भव्य शोभायात्रा के साथ भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ मौसीबाड़ी जाएंगे। उसकी तैयारी अंतिम चरण में है। पट खुलते ही सुबह से ही भगवान के दर्शन पूजन के लिए लोग ठाकुरबाड़ी पहुंचने लगे थे। हनुमंत पूजा के बाद ध्वज खड़ा किया गया। उसके बाद 24 घंटे का अखंड कीर्तन शुरू किया गया। अखंड कीर्तन से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है।ठाकुरबाड़ी में अखंड कीर्तन के लिए कई मंडलियों को निमंत्रण दिया गया है। शुक्रवार को अनुमंडल मुख्यालय में रथयात्रा का आयोजन किया जाएगा। जिलांतर्गत एक मात्र यह रथ यात्रा होता है। रथ यात्रा में अनुमंडल मुख्यालय के अलावा विभिन्न क्षेत्रों से लोग पहुंचते हैं। यहां यह परंपरा पिछले करीब 330 सालों से चल रहा है। रथ यात्रा को लेकर रंका गढ़ के कुमार गोवर्धन प्रसाद सिंह, कुमार गुलाब सिंह के नेतृत्व में यात्रा की तैयारी जोर-शोर पर चल रही है। रथ यात्रा की तैयारी भी अंतिम चरण में है। कुमार गोवर्धन ने बताया कि यह काफी सालों से परंपरा चल रही है। अखंड कीर्तन समाप्त होने के बाद ठाकुर जी का नगर भ्रमण किया जाएगा। उसके बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा को भव्य और आकर्षक रथ पर बिठाकर मौसीबाड़ी ले जाया जाएगा। उस दौरान रथ खिंचने के लिए भक्तों की होड़ लगी रहती है।

राज्य के चार जिलों के रिक्त सीडब्ल्यूसी चेयरमैन और 37 सदस्यों का चयन

रांची(ईएमएस)।महिला, बाल विकास व सामाजिक सुरक्षा विभाग झारखंड सरकार ने चार जिलों में बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के रिक्त अध्यक्ष पदों के चयन की सूची जारी कर दी है। इसमें बोकारो जिला से लीलावती देवी, चतरा से एन सिंह, गुमला से नेहमंती तिग्गा और पलामू से शैलेंद्र नाथ चर्तुवेद्वी शामिल हैं। इसके अलावा कई जिलों के रिक्त सीडब्ल्यूसी के 37 सदस्यों की भी सूची जारी की गई है। इसमें बोकारो, चतरा, देवघर, धनबाद, दुमका, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, लातेहार, पाकुड़, पलामू, रामगढ़, साहेबगंज, सराईकेला-खरसांवा, सिमडेगा, लोहरदगा जिला शामिल हैं। इसके अलावा किशोर न्याय बोर्ड के सामाजिक सदस्यों के रूप में चतरा, देवघर, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, खूंटी, लातेहार, गुमला, पलामू, रांची व साहेबगंज से 17 सदस्यों का चयन किया है।

नशापान से दूर रहने के लिए करें प्रेरित : डीएसओ

सिमडेगा। नशा मुक्ति अभियान के तहत गुरुवार को जिले के खिलाडियों के द्वारा हस्तारक्षर अभियान चलाया गया। डीएसओ प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि पर्यटन, कला, संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार के निर्देशानुसार गुरुवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके तहत एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खिलाड़ियों ने हस्ताक्षर अभियान चलाया। मौके पर सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल पदाधिकारी ने जिला सहित झारखंड को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लेते हुए शपथ लिया। डीएसओ ने खिलाड़ियों के नशा से नाश होने की जानकारी देते हुए कहा कि जो व्यक्ति मादक पदार्थों, नशा या सेवन करते है उनका पतन होना तय है, नशा सिर्फ किसी एक व्यक्ति को नही वरन पूरे परिवार, समाज और पूरा इलाका का नाश कर देता है।

सड़क हादसे में शिक्षक की पत्नी की दर्दनाक मौत, प्रतापपुर में पसरा मातम

चतरा(ईएमएस)। गुरुवार की सुबह प्रतापपुर प्रखंड में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। प्रखंड मुख्यालय स्थित बलवादोहर प्राथमिक विद्यालय के सहायक अध्यापक राकेश कुमार मिश्रा की पत्नी विमल देवी (46 वर्ष) की सड़क दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गई। यह दुखद घटना जोरी टोल नाका पार करते ही कुछ ही दूरी पर घटी, जब वे पति और बेटे के साथ बाइक से हजारीबाग जा रही थीं। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार की सुबह राकेश मिश्रा अपनी पत्नी विमल देवी और 20 वर्षीय पुत्र अनीश कुमार के साथमोटरसाइकिल पर सवार होकर घर से निकले थे।जोरी टोल नाका से कुछ कदम आगे अचानक चलती बाइक से विमल देवी असंतुलित होकर मुंह के बल सड़क पर गिर गईं। गिरने के तुरंत बाद वे अचेत हो गईं और देखते ही देखते उनकी सांसें थम गयी। संयोगवश, घटना के समय वशिष्ठ नगर जोरी थाना की पुलिस गश्ती टीम पास ही मौजूद थी। पुलिस ने तत्काल मानवीय पहल करते हुए अचेत विमल देवी को अपनी गाड़ी से चतरा सदर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वारंट एवं कुर्की में फरार अभियुक्तों के विरुद्ध हजारीबाग पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हजारीबाग(ईएमएस)।हजारीबाग पुलिस ने हाल के दिनों में सबसे बड़ा अभियान फरार अभियुक्त के खिलाफ जिला में चलाया है। जिसमें हजारीबाग एसपी ने 24 जून की रात्रि से लेकर 26 जून की सुबह 9 बजे तक विशेष अभियान चलाकर 107 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।यह कार्रवाई जिला में विभिन्न थानों में दर्ज मामलों में वारंट एवं कुर्की के आदेशों के अनुपालन के तहत की गई.इस विशेष अभियान के दौरान हजारीबाग जिला अंतर्गत विभिन्न थाना क्षेत्रों में लगातार छापेमारी की गई, जिसके परिणामस्वरूप कुल 107 फरार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।हजारीबाग एसपी अंजनी अंजान ने गुरुवार को बताया कि हजारीबाग पुलिस द्वारा चलाया गया यह अभियान अपराधियों में भय और आम जनता में विश्वास कायम करने की दिशा में एक अहम कदम है।हजारीबाग पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय थाना या पुलिस नियंत्रण कक्ष को दें.आपकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

बोकारो में डेढ़ करोड़ रुपए के जेवरात की लूट कांड का पुलिस ने किया खुलासा, छह लुटेरे गिरफ्तार

बोकारो। बोकारो के व्यस्त बाजार चास स्थित आस्था ज्वेलर्स में दो दिन पूर्व हुई डेढ़ करोड़ रुपए के जेवरात की लूट का बोकारो पुलिस ने खुलासा कर दिया है। चास सीडीपीओ के नेतृत्व में गठित टीम ने पटना एसटीएफ के सहयोग से पुलिस ने पटना से 6 लुटेरों को गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने मीडिया को बताया, की लूट कांड का मास्टरमाइंड पटना के बेऊर जेल में बंद कुख्यात अपराधी अविनाश श्रीवास्तव है जो जेल से ही इस घटना को अंजाम दिलवाया है। उन्होंने बताया, गिरफ्तार प्रिंस कुमार और राहुल पटेल ने 19 जून की शाम पेटरवार थाना क्षेत्र के सरकारी शराब दुकान में भी 50 हजार की लूट की घटना को अंजाम दिया था।एसपी ने बताया कि आस्था ज्वेलर्स से लूटे गए सोने की 23 पीस अंगूठी, 6 गले का हार, एक ब्रेसलेट और लगभग 14 हजार रुपया नकद बरामद किया गया है। साथ ही लूट कांड में इस्तेमाल की गई कार और एक होंडा सिटी मोटरसाइकिल को जप्त किया गया है।

अनगड़ा में आम महोत्सव सह बागवानी मेले का आयोजन

रांची। अनगड़ा प्रखंड मुख्यालय में गुरुवार को आम महोत्सव सह बागवानी मेले का आयोजन किया गया। इसमें प्रखंड की सभी पंचायत से बिरसा हरित ग्राम आम बागवानी योजना से जुड़े लाभुक शामिल हुए।मुख्य अतिथि अनगड़ा बीडीओ जयपाल सोय, विशिष्ट अतिथि प्रखंड प्रमुख दीपा उरांव, जिला परिषद सदस्य राजेंद्र शाही मुंडा और विधायक प्रतिनिधि श्रवण कुमार मुंडा मौजूद थे। लाभुक अपनी बागवानी से उपजे आम आम्रपाली, मल्लिका, मालदा, कृष्णभोग, स्वर्णरेखा, दशहरी, फजली और बीजू आम की प्रदर्शनी लगाई। लाभुकों ने विगत दो साल में बागवानी से मिले आर्थिक लाभ के बारे में बताया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले किसानों को शॉल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।लाभुकों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। पुरानी बागवानी लाभुकों का पोस्ट प्लांटेशन से संबंधित प्रशिक्षण और नए बागवानी लाभुकों को पौधा गड्ढा भराई और रोपण का प्रशिक्षण दिया गया।

झारखंड को नशामुक्त और अपराधमुक्त बनाने की दिशा में एक नई शुरुआत : दीपिका पांडेय

समारोह में ग्रामीण विकास मंत्री ने इसे मुख्यमंत्री की दूरदृष्टि सोच और संवेदनशील नेतृत्व का परिणाम बताया

रांची(ईएमएस)।झारखंड में 10 जून से 26 जून तक आयोजित मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध राज्यव्यापी जागरुकता अभियान का समापन गुरुवार को डोरंडा स्थित शौर्य सभागार में हुआ। समापन समारोह में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने इसे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दूरदृष्टि सोच और संवेदनशील नेतृत्व का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह अभियान का समापन नहीं, बल्कि राज्य को नशामुक्त और अपराधमुक्त बनाने की दिशा में एक नई शुरुआत है। झारखंड विकसित राज्यों की श्रेणी में कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। जहां सभी आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। वहीं, दूसरी ओर झारखंड सामाजिक बुराइयों के खिलाफ भी मुखर होकर खड़ा है।उन्होंने स्पष्ट किया कि नशे के बड़े सौदागरों पर कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है, ताकि समाज के ताने-बाने को नष्ट करने वाले तत्वों पर रोक लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि नशा के खिलाफ जागरुकता अभियान घर-घर तक पहुंचे। नशा एक व्यक्ति करता है, लेकिन इसका दुष्परिणाम पूरे परिवार पर पड़ता है। जो भी ड्रग पीड़ित हैं, वह बीमार हैं। जिला और प्रखंड स्तर पर रिहैब सेंटर बनाए जाएं। प्रखंड स्तर पर रिहैब सेंटर बनने से कई परिवारों को बचाया जा सकेगा। समारोह में जागरुकता अभियान में विशेष भूमिका निभाने वाले विभागों और स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। साथ ही, नशा मुक्ति से जुड़ी जानकारी का पोर्टल व पुस्तक का लोकर्पण किया गया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार, समाज कल्याण के सचिव मनोज कुमार, स्कूली शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह, पर्यटन सचिव मनोज कुमार, उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, आईजी असीम विक्रांत मिंज समेत कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कहा कि अफीम की खेती और नशे के कारोबार ने राज्य के कई हिस्सों को अपनी चपेट में लिया है। इस बार राज्य सरकार ने तकनीक और बहु-विभागीय समन्वय के जरिए अफीम की खेती का बड़े पैमाने पर विनष्टीकरण किया है। अफीम की खेती के खिलाफ चलाए गए व्यापक अभियान को उन्होंने कॉम्प्रिहेंसिव सफलता बताया। राज्य के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने कहा कि 27,000 एकड़ भूमि पर फैली अफीम की खेती को नष्ट किया गया। खूंटी जैसे संवेदनशील जिलों में स्थानीय ग्रामीणों ने भी स्वेच्छा से इस अभियान में भागीदारी की। उन्होंने ब्राउन शुगर को युवाओं के लिए घातक बताते हुए कहा कि अब सप्लाई चेन तोड़ने की दिशा में पुलिस पैडलर्स, डीलर्स और सप्लायरों पर सख्त कार्रवाई करेगी। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने स्कूलों, कॉलेजों और आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से निरंतर जागरुकता कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि नशा उन्मूलन से जुड़े पाठ्यक्रमों को किताबों में शामिल किया जाए और एनएसएस वॉलंटियर की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने बताया कि अफीम की खेती से राज्य की 238 पंचायत प्रभावित हैं, जहां जागरुकता अभियान आगे भी जारी रहेगा।
बीते दो हफ्तों में 12,000 से अधिक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान 3,000 से अधिक स्कूलों में 22 लाख बच्चों को शामिल करते हुए विशेष अभियान चलाया गया।

भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति झारखंड नहीं चलेगी : विनोद कुमार पांडेय

रांची(ईएमएस)।झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि वे अपनी सांप्रदायिक राजनीति को झारखंड की धरती से दूर रखें। इससे झारखंड प्रभावित नहीं होगा। प्रवक्ता पांडेय ने कहा कि झारखंड की जनता ने पिछले चुनावों में भाजपा की साजिशों को करारा जवाब दिया है और अब तुष्टीकरण जैसे निराधार आरोप लगाने का उनका कोई नैतिक आधार नहीं है। उन्होंने भाजपा शासित राज्यों की बदहाल स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि वहां की जनता त्रस्त है, फिर भी भाजपा नेता दूसरों पर उंगली उठाते हैं।विनोद कुमार पांडेय ने आपातकाल को लेकर भाजपा नेताओं की आपत्तिजनक टिप्पणियों को अनुचित बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं को अपनी जेबी संस्था में तब्दील कर दिया है, जिनका उपयोग सत्ता के दुरुपयोग और विरोधियों को दबाने में हो रहा है। उन्होंने कहा, कि देश में अघोषित आपातकाल की स्थिति है, जहां कुछ लोग पूरे सिस्टम को अपने इशारों पर चला रहे हैं। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता जागरूक है और वह भाजपा की विभाजनकारी नीतियों को कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड की संस्कृति और सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करने की कोशिशें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। विनोद कुमार पांडेय ने गिरिराज सिंह से अपील की कि वे अपनी ऊर्जा देश और झारखंड के विकास में लगाएं, न कि सांप्रदायिक तनाव फैलाने में। महासचिव पांडेय ने कहा कि भाजपा की नीतियां और बयानबाजी देश के संवैधानिक मूल्यों और एकता को कमजोर कर रही हैं। झामुमो ने चेतावनी दी कि यदि भाजपा ने अपनी रणनीति नहीं बदली, तो झारखंड की जनता भविष्य में भी उन्हें सबक सिखाने में पीछे नहीं हटेगी।

चोरी के 6 मोटरसाइकिल के साथ एक गिरफ्तार

चतरा। हंटरगंज के जबड़ा और नावाडीह पनारी गांव में थाना प्रभारी के नेतृत्व में छापामारी अभियान चलाकर चोरी के 6 मोटरसाइकिल के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति नावाडीह पनारी गांव के लखन यादव का पुत्र सुनील कुमार है। चतरा एसपी को गुप्त सूचना मिला था कि हंटरगंज के जबड़ा और नवाडीह पनारी गांव में चोरी के कई मोटरसाइकिल छुपा कर रखे गए हैं। इसके बाद एसपी ने थाना प्रभारी को दोनों गांव में कार्रवाई कर मोटरसाइकिल को जब्त करने का निर्देश दिया। एसपी के निर्देश पर थाना प्रभारी के द्वारा एक छापामारी दल गठित कर नवाडीह पनारी और जबड़ा गांव में छापामारी अभियान चलाया गया।इस दौरान दोनों गांव के विभिन्न स्थानों पर छुपा कर रखे गए चोरी के 6 मोटरसाइकिल को जप्त किया गया। साथ ही चोरी का मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करते पाए जाने पर सुनील कुमार को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। इन चोरी के मोटरसाइकिलों से शराब तस्करी का काम सहित अन्य कई अवैध काम तस्कर और आपराधिक तत्वों के द्वारा किया जाता था। मालूम हो कि नवाडीह पनारी और जबड़ा गांव में अवैध महुआ शराब निर्माण और तस्करी का काम जोरों पर चल रहा था।

रातू में पिकअप वाहन से 20 लाख रुपए की शराब जब्त

रांची(ईएमएस)।रातू थाना क्षेत्र के हाजी चौक बिजुलिया रिंग रोड पर गुरुवार को चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान इटकी की ओर से आ रहे पिकअप वाहन से 300 कार्टून में 3600 बोतल शराब जब्त की। इस मामले में चालक जयप्रकाश कुमार रातू थाना क्षेत्र के गोकुलधाम आश्रम कमड़े निवासी को गिरफ्तार का जेल भेज दिया। जब्त शराब की कीमत लगभग 20 लाख रुपये आंकी गई है। यह जानकारी रातू थाना में आयोजित प्रेसवार्ता में डीएसपी मुख्यालय-2 अरविंद कुमार ने दी।

राज्य में अगले चार दिन तक बारिश, 29 को आरेंज अलर्ट

रांची (ईएमएस)। झारखंड में आगामी चार दिन बारिश का पूर्वानुमान जारी किया गया है। इस बीच 29 जून को राज्य के कई हिस्सों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। रांची के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद बताया कि इसके अलावा अन्य दिनों में कहीं-कहीं भारी बारिश के साथ येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान तेज हवा भी चलेगी। अलग-अलग तिथियों में यहां अलर्ट मौसम विभाग के अनुसार राज्य में सामान्य से अधिक बारिश होगी। 29 जून को रांची, रामगढ़, लातेहार, हजारीबाग व चतरा में कुछ जगह भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। बोकारो, पलामू जिलों समेत कोल्हान प्रमंडल के सभी जिलों समेत सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।वहीं, 27 जून को कोल्हान समेत रांची, सिमडेगा और खूंटी में येलो अलर्ट, 28 को पलामू और संताल प्रमंडल को छोड़कर रांची समेत अन्य जिलों के लिए येलो अलर्ट और 30 को पलामू प्रमंडल समेत चतरा, कोडरमा, हजारीबाग के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। निम्न दबाव के चलते होगी बारिश मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी के उत्तर में ओडिसा और बंगाल के तटीय इलाकों में बना साइक्लोनिक सर्कुलेशन निम्न दबाव में बदल गया है। इसके चलते यह ओडिसा के उत्तर भाग से होकर झारखंड, बंगाल के गंगा क्षेत्र से छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ेगा। इससे झारखंड में पानी बरसेगा। 25 दिनों में 89% अधिक बारिश हुई राज्य में पिछले 24 घंटों में हजारीबाग में 79.0 मिमी, रामगढ़ में 71.2, रांची में 68.2, खूंटी में 59.6, सिमडेगा में 57.2, बोकारो में 40.8, पूर्वी सिंहभूम में 39.2, पाकुड़ में 28.0 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। राज्य में एक जून से अभी तक 283.9 मिमी बारिश हो चुकी है। यह इस अवधि की सामान्य बारिश 149.8 मिमी से 89 फीसदी अधिक है। वहीं रांची में 512.7 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य 158.2 मिमी से 224% अधिक है।
सामान्य से छह डिग्री तक नीचे गिरा पारा बारिश के कारण राज्य में तापमान सामान्य से कम है। रांची में गुरुवार को अधिकतम पारा 28.6 डिग्री रहा। यह पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान से करीब दो डिग्री कम रहा। वहीं, सरायकेला खरसांवा का अधिकतम तापमान राज्य में सबसे अधिक 33.9 डिग्री रहा। राज्य में तापमान सामान्य से तीन से छह डिग्री तक नीचे गिर गया है।

कार्यालय : चास नगर निगम, चास (बोकारो)
आई.टी.आई. मोड़, चास - 827013
E-mail Id – chasmunicipalcouncil@gmail.com

अति अल्पकालीन इच्छा की अभिव्यक्ति
EOI – UDD/CMC/06/2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि चास नगर निगम अन्तर्गत कार्यालय एवं अन्य स्थानों में लगाये गये फूल, पौधों को सुव्यवस्थित एवं वैज्ञानिक तरीके से कीट, खरपतवार आदि से संरक्षित करने हेतु कार्यालय प्रयोग हेतु सामग्रियों की आवश्यकता है, जो निम्नलिखित प्रकार है :–

क्रं0	सामग्री / संयंत्र का नाम	संख्या
1	कैंची (स्टेनलेस स्टील, गार्डन कैंची, साईज 8 ईंच)	01 अदद्
2	टाँगी (टाटा क्राफ्ट 7.5 * 5 साईज)	01 अदद्
3	लॉन मावर (हस्तचालित स्टील, साईज 12 ईंच, ग्रास कटाई 10 मिली.मी.)	01 अदद्
4	लॉन मावर (पेट्रोल चालित 4 स्ट्रॉक ईजन, 3 HP, कटाई साईज 15 ईंच, 10 मिली.मी., स्टेनलेस ब्लेड)	01 अदद्
5	फफुद्नाश्क (Systemic & Contact)	05 किग्रा0
6	खरपतवार नाशक (Weedicides, ISO Certified)	05 लीटर
7	स्पयेर मशीन (हस्तचालित, 15 लीटर, प्लास्टिक फाईबर युक्त)	01 अदद्
8	टैगिंग प्लेट (साईज 12 ईंच * 5, ब्लेक लोह युक्त)	50 अदद्

उपरोक्त सामग्रियों को उपलब्ध कराने हेतु चास नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत एजेन्सी एवं प्रतिश्ठान से अनुरोध है कि बन्द लिफाफे में अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना प्राप्त किया जाएगा जिसकी तिथि एवं समय निम्न प्रकार है :–

क्रं0	विवरणी	दिनांक / समय
1	अति अल्पकालीन इच्छा की अभिव्यक्ति प्राप्त करने की तिथि	08.07.2025 को 2.30 बजे अप0 तक
2	अति अल्पकालीन इच्छा की अभिव्यक्ति खोलने की तिथि	08.07.2025 को 3.30 बजे अप0

•अधिक जानकारी के लिए मोबाईल संख्या–9905751376 पर सम्पर्क किया जा सकता है। ह0/–
प्रशासक–सह–अपर नगर आयुक्त,
चास नगर निगम, चास

PR 356026 (Urban Development)25-26*D

न्यायालय प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, बोकारो वन प्रमंडल, बोकारो

–: सूचना :–

एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में निम्न जप्त वाहनों एवं उस पर लदे सामग्री के विरूद्ध राजसात वाद विचाराधीन है। न्यायालय द्वारा निर्धारित तिथि को जप्त वाहन/वन पदार्थ के स्वामी स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक–04.07.2025 अपराह्न 12:30 बजे उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। यदि उक्त तिथि को वाहन स्वामी कारण पृच्छा समर्पित नहीं करते है तथा उपस्थित नहीं होते है तो एकतरफा कार्रवाई की जाएगी।

क्र0 सं0	जप्त वाहन की विवरणी	थाना काण्ड संख्या / वनवाद संख्या	बोकारो वन प्रमंडल का राजसात वाद संख्या	निर्धारित तिथि
1	2	3	4	5
1	टाटा मोटर–709-EX, पंजीयन सं0–JH02AS-5086, चेचिस नं0–18618, Engine No.-31591 एवं इस पर लदा ईंट–2500 लगभग।	वन प्रक्षेत्र गोमिया का OR. No. 153, दिनांक–31.10.2020	15 / 2020	04.07.2025
2	जप्त ट्रक, पंजीयन सं0–JH-02J-0151, (जप्ती के समय ट्रक पर लगा पंजीयन सं0–NL-0814-3864) चेचिस नं0–444026DSZ211360, ईंजन नं0–697TC57DSZ124542 एवं उस पर लदा 07 टन कच्चा कोयला	महुआटाँड़ थाना काण्ड सं0–14 / 2019 दिनांक–02.04.2019	03 / 2020	04.07.2025
3	जप्त करीब 42.530 टन कच्चा कोयला	पेंक नारायणपुर थाना काण्ड संख्या 142 / 2015 दिनांक 19.06.2015	02 / 2020	04.07.2025
4	जप्त हाईवा पंजीयन संख्या–JH09AJ7593 एवं उस पर लदा करीब 15 टन कोयला	चन्द्रपुरा थाना काण्ड सं0–39 / 2019 दिनांक–19.06.2019	01 / 2020	04.07.2025
5	जप्त स्वराज, रंग–ब्लू, Model-735 FE, Engine No.-CJ. 1354/SH09635, Chasis No. MBNA J4 8AFKTH 17329, Max PTO-Power KW-24.1, इसका डाला एवं डाले पर लदे करीब–03 टन कोयला	तेनुघाट वन प्रक्षेत्र के अपराध प्रतिवेदन सं0–826 दिनांक–21.10. 2020	14 / 2020	04.07.2025
6	जप्त ऑटो वाहन संख्या–JH10AE-0341 एवं उसपर लदा अवैध पोड़ा कोयला	पिण्ड्राजोरा थाना काण्ड संख्या 130 / 2020, दिनांक–23.12.2019	16 / 2020	04.07.2025
7	जप्त 09 टन कच्चा कोयला	पेंक नारायणपुर थाना काण्ड संख्या–25 / 2019 दिनांक–25.05.2019	05 / 2020	04.07.2025
8	जप्त TATA -709-EX, वाहन संख्या JH01DL-3405 एवं उस पर लदे 6 टन कच्चा कोयला	महुआटाँड़ थाना काण्ड संख्या 36 / 2019, दिनांक– 28.09.2019	12 / 2020	04.07.2025
9	जप्त ब्लू रंग ट्रैक्टर जिसका इंजन नं0–3100FLU8317 68434F18, चेचिस नं0–DYASG776633S3, Model-DI-35RX, Year 2018 एवं ट्रैक्टर के साथ लगे ट्राली (डाला) तथा उस पर लदे 4 टन कच्चा कोयला	चतरोचट्टी थाना काण्ड संख्या 13 / 2020 दिनांक–27.08.2020	10 / 2020	04.07.2025
10	जप्त निला रंग का महिन्द्रा ट्रैक्टर, ईंजन सं0–E3410890, चेचिस न0 T053366070KG, इसका डाला (पंजीयन सं0 JH09E 7328) एवं उसपर लदा 80 cft बोल्डर पत्थर	बेरमो वन प्रक्षेत्र के जुर्म प्रतिवेदन सं0–103 दिनांक–02.06.2020	11 / 2020	04.07.2025
11	जप्त ट्रैक्टर, मॉडल नं0–3511, बिना रजिस्ट्रेशन नं0, ईंजन नं0 एवं चेचिस नं0 के तथा इसके डाला में लदा करीब 3 टन कच्चा कोयला	पेंक नारायणपुर, थाना काण्ड सं0–08 / 2020 दिनांक–19.01.2020	08 / 2020	04.07.2025
12	जप्त 31.220 टन कच्चा कोयला	महुआटाँड़ थाना काण्ड संख्या 42 / 2019, दिनांक– 16.11.2019	07 / 2020	04.07.2025
13	जप्त ट्रैक्टर HMT EDI 3522, ईंजन सं0–38966 एवं उसपर लदा पत्थर	तेनुघाट वन प्रक्षेत्र के अपराध प्रतिवेदन सं0–804 दिनांक–09.02.2020	06 / 2020	04.07.2025
14	जप्त लाल रंग का महिन्द्रा ट्रैक्टर B275DI, इंजन नं0–C-05557367 RI, K-5250, चेचिस नं0–005558519 RI, MAHENDRA 10K-03 एवं बिना नं0 का हरा रंग का डाला एवं उस पर लदा करीब 2 टन अवैध कोयला	महुआटाँड़ थाना कांड संख्या–05 / 2020, दिनांक 23.01. 2020	17 / 2020	04.07.2025
15	जप्त ट्रक 10 चक्का, पंजीयन सं0–BR25A-7939 एवं उस पर लदे 20 टन कोयला	बोकारो थर्मल थाना काण्ड सं0–80 / 2011 दिनांक–08.09.2011	33 / 2011	04.07.2025
16	जप्त ट्रैक्टर, ईंजन सं0–K038018001, चेचिस नं0–10727 एवं उस पर लदा 02 टन कोयला	बोकारो थर्मल थाना काण्ड सं0–23 / 2010 दिनांक–21.02.2010	03 / 2011	04.07.2025
17	जप्त (1) HMT Tractor 3522 EDI, बिना रजिस्ट्रेशन नं0 ईजन नं0–32519 के डाला पर लदा करीब 03 (तीन) टन अवैध कच्चा कोयला (2) HMT Tractor 3522 Fx, बिना रजिस्ट्रेशन नं0 का इंजन नं0–46419 के डाला में करीब 2.5 टन कच्चा कोयला (3) खाली चौदह चक्का ट्रक जिसका रजि0 नं0–JH02AQ-8072	पेंक नारायणपुर थाना काण्ड सं0–63 / 2019 दिनांक–23.12.2019	13 / 2020	04.07.2025
18	जप्त Supro Mini Truck पंजीयन सं0–JH 09 AK 5785 एवं उस पर लदे सागवान के 02 बोटे (32.94 cft)	पेटरवार वन प्रक्षेत्र के जुर्म प्रतिवेदन सं0–656, दिनांक–03.01.2021	33 / 2021	04.07.2025
19	जब्त Swaraj Tractor, ब्लू सफेद रंग जिसका पंजियन सं0–JH24J-5762 (Chasis No.-MBNAK48ACMTL49082) एवं उस पर लदा करीब 03 (तीन) टन अवैध कोयला	जगेश्वन थाना काण्ड सं0–10 / 2024, दिनांक–28.04.2024	05 / 2024	04.07.2025

प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–
वन प्रमंडल पदाधिकारी
बोकारो वन प्रमण्डल, बोकारो

PR 356030 Forest, Environment and Climate Changes(25-26)#D

ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में इस्पात संयंत्र के विद्युत् प्रणाली के बारे में लियो कार्यशाला का आयोजन

बोकारो : 26 जून को सेल की विभिन्न इकाईयों तथा इस्पात उत्पादन से जुड़ी निजी संगठन के द्वारा विद्युत् प्रणाली के बारे में अपनी जानकारी को एक दूसरे के साथ साझाकरने के उद्देश्य से "स्टील प्लांट में पावर सिस्टम पर लियो कार्यशाला" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है. कार्यशाला के उद्घटान सत्र में बीएस एल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) पी के बैसाखिया, मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (विद्युत्) डी सरकार, मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) बी के सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक (पावर) डी के भांजा, मुख्य महाप्रबंधक (टेक्निकल) लक्ष्मी दास तथा मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा उपस्थित थी.कार्यशाला के प्रारम्भ में सभी ने निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ सुरक्षा शपथ ली, तत्पश्चात महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) श्रीमती डी आर टोप्पो ने सभी अतिथियों एव प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा इसप्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी. इसके बाद मुख्य महाप्रबंधक (पावर) डी के भांजा ने कार्यक्रम की विस्तृत रुपरेखा प्रस्तुत की. इस कार्यशाला में बोकारो स्टील प्लांट के विभिन्न विभागों सहित भिलाई स्टील प्लांट, दुर्गापुर स्टील प्लांट,राउरकेला स्टील प्लांट, इस्को, मेकॉन, टाटा मैटेलिक, ए बी बी इंडिया लिमिटेड, सीमेंस, एम एन दस्तूर लिमिटेड,स्नाइडर लिमिटेड के प्रतिभागियों ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विद्युत् प्रणाली के बारे में जानकारी साझा की. अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस कार्यशाला को उपयोगी बनाने के लिए यह आवश्यक है कि कार्यशाला से निकले परिणाम को हम अपने संयंत्र में आवश्यकतानुसार अमल में लायें. निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने इस कार्यशाला की उपयोगिता और महत्व के बारे में कहा कि स्टील उत्पादन एक ऊर्जा गहन प्रक्रिया है और विद्युत् ऊर्जा प्रणाली के बिना ब्लास्ट फर्नेस से लेकर रोलिंग मिल, क्रेन और अन्य सभी यूनिट्स अर्थात इस्पात उत्पादन की प्रक्रिया संभव नहीं है. इस्पात संयंत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए विद्युत ऊर्जा का इष्टतम उपयोग और नियंत्रण की आवश्यकता है.कार्यशाला के सुचारु संचालन में महाप्रबंधक(डी एन डब्लू) संजय कुमार, ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग की महाप्रबंधक श्रीमती डी आर टोप्पो, सहायक महाप्रबंधक श्रीमती मंजरी श्रीवास्तव, प्रबंधक जय नारायण यादव एव कनीय प्रबंधक एस के डी भौमिक,राकेश कुमार सिंह, अर्जुन बाउरी, कौशल प्रताप सिंह, नवनीत कुमार सिंह तथा भीम प्रसाद का सराहनीय योगदान रहा तथा धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (डी एन डब्लू) संजय कुमार के द्वारा किया गया.

बेसिक ऑफ़ इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रो-हाइड्रोलिक्स विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो : मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में "बेसिक ऑफ़ इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रो-हाइड्रोलिक्स" विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र के विशेषज्ञ और अनुभवी फ़ैकल्टी के सपोर्ट द्वारा किया जा रहा है. कार्यक्रम के उदघाटन सत्र मे मुख्य महाप्रबंधक (दुकानें एवं फ़ाउंड्री), जे वी शेखर , मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास), सुश्री नीता बा, महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) श्रीमती देवश्री रानी टोप्पो, तथा संकाय के रूप में सी आर एम-III विभाग के विशांत कुमार (वरीय प्रबंधक) उपस्थित थे. सर्वप्रथम प्रबन्धक (ज्ञानार्जन एवं विकास) जय नारायण यादव ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी.मुख्य महाप्रबंधक (शॉप्स &फॉउन्ड्री), जे वी शेखर ने इस कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि रेक्सरोथ हाइड्रोलिक्स प्रशिक्षण किट ऊर्जा कुशल हाइड्रोलिक प्रणाली है जो शक्ति को अनुकूलित करने के लिए सिंट्रोनिक्स परिवर्तनीय गति ड्राइव और गतिज बफरिंग को नियोजित करती है. यह ऊर्जा के उपयोग को 50-70% तक कम करती है और ध्वनि प्रदूषण भी कम करती है. उन्होंने सभी प्रतिभगियो से इस कार्यक्रम को अन्तः क्रियात्मक बनाकर अधिकतम ज्ञान अर्जित करने तथा अपने अर्जित ज्ञान को विभाग के लोगों के साथ साझा करने का अनुरोध किया.मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास), सुश्री नीता बा ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डिजिटल नियंत्रण और कनेक्टिविटी, दूरस्थ निदान, स्थिति निगरानी और प्रक्रिया अंतर्दृष्टि के साथ उद्योग 4.0 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक है. महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) श्रीमती देवश्री रानी टोप्पो ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम मे प्रतिभागियो को सैधांतिक ज्ञान के अलावा हाइड्रोलिक ट्रेनिंग किट और सिम्युलेटर के माध्यम से प्रयोगात्मक अध्ययन करने का अवसर मिलेगा. कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के प्रबंधक जय नारायण यादव ने किया. कार्यक्रम के आयोजन मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ऑपरेटर नवनीत कुमार सिंह तथा ओ सी टी टी भीम प्रसाद का सराहनीय योगदान रहा.

संक्षिप्त ख़बरें

उपायुक्त ने मानवाधिकार से संबंधित बैठक की, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

गिरिडीह : आज समाहरणालय सभागार में जिला उपायुक्त, रामनिवास यादव की अध्यक्षता में सामान्य/विधि/उच्च न्यायालय/मानवाधिकार से संबंधित बैठक संपन्न हुई। बैठक में सभी विभागों से संबंधित लंबित वादों की विस्तृत समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के क्रम में जिला उपायुक्त ने विभागवार बारी-बारी समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त ने लंबित वादों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि वे मामलों का ससमय निष्पादन कराने हेतु शपथ पत्र दायर करके त्वरित रूप से कार्रवाई करें। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि उच्च न्यायालय के मामलों को प्राथमिकता देते हुए निष्पादन के कार्य में तेजी लाई जाये। न्यायालय के लंबित मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने गंभीर और जटिल मामलों को अविलंब संज्ञान में देने की बात कही, ताकि तत्वरित तरीके से उसका हल निकाला जा सके। इसके अलावा, बैठक में उच्च न्यायालय और विधि से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अदालती मामलों में प्रभावी ढंग से सहयोग करें। मौके पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, खोरीमहुआ, निदेशक डीआरडीए, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, यातायात, जिला उप रजिस्ट्रार, सभी अंचलाधिकारी, गिरिडीह जिला, खनन इंस्पेक्टर, सामान्य शाखा, विधि शाखा के प्रधान सहायक समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में निर्वाचन से संबंधित बैठक संपन्न

गिरिडीह : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रामनिवास यादव की अध्यक्षता में निर्वाचन संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने (बी.एल.ओ और बी.एल.ओ सुपरवाइजर को दिए गए प्रशिक्षण कार्यों की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। बैठक में सभी ईआरओ को निर्वाचन से जुड़े हरेक महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में बताया गया। जिसमें मतदान केंद्रों के मैप एवं जियो फेसिंग आदि के बिंदुओं पर चर्चा हुई। इसके लिए मतदान केंद्रों के लिए नजरी नक्शा, गुगल अर्थ व्यू मैप एवं की मैप भी तैयार करा लेने की बात कही गई। कहा गया कि त्रुटि रहित मतदाता सूची बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए ससमय कार्यों का निष्पादन किया जाए। बताया गया कि मतदाताओं की सुविधा हेतु जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों की सीमाओं को जिओ फेसिंग के माध्यम से चिन्हित एवं ऑनलाइन किया जा रहा है। इससे बी.एल.ओ को अपने क्षेत्र के मतदाताओं एवं उनके घरों तक पहुंचने में आसानी होगी। इस प्रक्रिया के संपन्न होने के पश्चात सभी बीएलओ के अपने-अपने क्षेत्र निर्धारित होंगे एवं ऑनलाइन ऐप के माध्यम से मतदाता अपने लोकेशन से ही अपने मतदान केंद्र, उसका लोकेशन एवं अपने बीएलओ को जान पाएंगे। इसके अलावा मतदाताओं को अपने नजदीकी मैदान केंद्र पर सूचीबद्ध करने की बात कही गई। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रातू के पाली में आम उत्सव का आयोजन

रांची(ईएमएस)।रातू प्रखंड की पाली पंचायत के चितरकोटा में गुरुवार को मनरेगा की बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत एक दिनी आम उत्सव सह बागवानी मेले का आयोजन किया गया। मेले में प्रखंड की विभिन्न पंचायतों के किसान अपने बगीचे से उत्पादित आमों की प्रदर्शनी लगाई। इस दौरान आम बागवानी में उत्कृष्ट काम करनेवाले किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख संगीता देवी और बीडीओ शैलेंद्र कुमार चौरसिया मौजूद थे। बीडीओ ने कहा कि आम उत्सव सह बागवानी मेले का मुख्य उद्देश्य पौधरोपण के साथ इस योजना के प्रति लोगों को जागरूक करना है। कार्यक्रम में पंचायत के मुखिया, उपमुखिया, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी नीरज त्रिपाठी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनिता कुमारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, मीनू कुमारी, सभी जेई, पंचायत सचिव धर्मेंद्र कुमार, रोजगार सेवक और ग्रामीण मौजूद थे।

मादक पदार्थों के विरुद्ध व्यापक जन जागरूकता लाने के उद्देश्य से रन फॉर मैराथन दौड़ का किया गया आयोजन

गिरिडीह : गिरिडीह जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध व्यापक जन जागरूकता अभियान को लेकर कई कार्यक्रमों का आयोजन कर आमजनों को नशा मुक्ति के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला उपायुक्त, रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक, पूर्वी वन प्रमंडल पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी और जिला खेल पदाधिकारी के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रन फॉर मैराथन की शुरुआत की। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस मैराथन दौड़ में बड़ी संख्या में लोग शमिल हुए। साथ ही यह संकल्प लिया गया कि नशा करने से स्वयं को रोकने एवं अन्य को भी नशा नहीं करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान आमजनों से नशा मुक्ति अभियान में जिला प्रशासन की सहयोग की बात कही गई। तथा युवा वर्ग तथा अगली पीढ़ी को नशा की चपेट में जाने से रोका जाय। लोगों से अपील किया गया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को मादक पदार्थों के सेवन के दुरुपयोग से अवगत करवाया जा सकें। यह दौड़ गिरिडीह स्टेडियम से शुरू होकर महेशलुंडी होते हुए वापस गिरिडीह स्टेडियम तक संपन्न हुई, जिसमें सैकड़ों बालक-बालिका धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं आम नागरिकों को मादक पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराना और समाज में एक स्वस्थ एवं जागरूक वातावरण का निर्माण करना है।मौके पर मीडिया को संबोधित करते हुए जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने कहा कि गिरिडीह जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से आज का यह मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया है ताकि इस अभियान के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जाय और लोगों को नशे की चपेट में आने से बचाया जा सके। इस दौरान उपायुक्त ने नशा से होने वाले दुष्परिणाम की विस्तृत जानकारी दी। नशा से सिर्फ एक व्यक्ति ही नहीं बल्कि उसका पूरा परिवार प्रभावित होते हैं। समाज में फैल रहे नशे को हमसभी को मिलकर रोकना होगा ताकि आने वाली पीढ़ी को नशा के सेवन से दूर किया जा सकें। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति अभियान में समाज के हर वर्ग की भूमिका अहम है। सबको मिलकर इस अभियान को सफल बनाने में जिला प्रशासन का सहयोग करना होगा तभी हमलोग नशे के विरुद्ध इस अभियान में सफल होंगे।मौके पर पुलिस अधीक्षक, डॉ बिमल कुमार ने कहा कि युवाओं के इस उत्साह की सराहना की और कहा कि खेलों के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक दिशा में जोड़ना नशे से दूर रखने का एक सशक्त जरिया है। मादक पदार्थों के रोकथाम हेतु जनभागीदारी की आवश्यकता है। इसके साथ ही वर्तमान में सबसे जरूरी है जागरूकता। जागरूकता एक ऐसा माध्यम है, जिसके जरिए आमजनों को नशा छोड़ने के उपाय, इससे दूर रहने से संबंधित सलाह आदि भी दी जा सकती है। वर्तमान समय में युवा सबसे ज्यादा नशा में चपेट में आ रहे है, इससे बचने की आवश्यकता है। उन्होंने आशा जताई कि जिला प्रशासन और युवाओं के सहयोग से झारखंड जल्द ही नशा मुक्त राज्य बनेगा। इस अवसर पर वन प्रमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह (पूर्वी) ने भी युवाओं को संबोधित किया। समापन सत्र में उपायुक्त, गिरिडीह, पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह तथा वन प्रमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह (पूर्वी), द्वारा विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। विजेता खिलाड़ियों को मेडल,ट्रॉफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त , गिरिडीह ने सभी खिलाड़ियों, नगर वासियों से अपील कि वे अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए नियमित व्यायाम, जॉगिंग, वॉकिंग करें तथा नशे से दूर रहें तदोपरांत उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। यह मिनी मैराथन आयोजन नशा मुक्त समाज की स्थापना की दिशा में एक प्रेरक प्रयास रहा, जिसमें युवाओं, खिलाड़ियों एवं नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम की सफलता में जिला प्रशासन, गिरिडीह की अहम भूमिका रही।

पति ने पत्नी को चाकू घोंपकर मार डाला

गिरिडीह : गिरिडीह जिले के मुफस्सिल थाना अंतर्गत लुकैया गांव में बुधवार की देर रात छोटेलाल हांसदा ने अपनी पत्नी मीणा हांसदा को चाकू घोंपकर मार डाला। इस घटना से आक्रोशित मृतक महिला के मायके वालों ने घटना को अंजाम देकर भाग रहे उसके पति को पकड़कर पीट-पीटकर मार डाला। सूचना पाते ही एसडीपीओ जीतवाहन उरावं मौके पर पहुंचे। मुफस्सिल थाना की पुलिस भी तब तक पहुंच गई। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के निवासी छोटेलाल हांसदा की शादी लगभग आठ वर्ष पूर्व लुकैया गांव निवासी मीणा हांसदा के साथ हुई थी। मीणा अभी मायके में थी। छोटेलाल भी लुकैया स्थित अपने ससुराल पहुंचा था। बुधवार की रात घर के अंदर दोनों पति- पत्नी में कहासुनी हुई। बात बढ़ी तो छोटेलाल ने मीणा की हत्या चाकू घोंपकर कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद छोटेलाल भागने लगा। घटना की जानकारी मृतका के मायकेवालों को लगी। मायके के लोग भड़क गए और भाग रहे छोटेलाल को पकड़ लिया। पकड़ में आए छोटेलाल की जमकर पिटाई की गई। छोटेलाल को इतना पीटा गया कि उसने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मुफ्फसिल थाना प्रभारी को मिली। थानेदार ने घटना से एसपी डॉ बिमल कुमार के साथ साथ एसडीपीओ जीतवाहन उरांव को दी। एसडीपीओ जीतवाहन उरांव ने बताया कि पत्नी की हत्या कर भाग रहे पति को उसके ससुरालवालों ने ही मार डाला है। इस घटना में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गुस्से में गजराज : फसलें रौंदी, घर ढ़ाहे एक की दौड़ा कर ली जान

बोकारो । जिले के उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र गोमिया से सटे महुआटांड़ क्षेत्र में जंगली हाथियों का उत्पात कम होने का नाम नहीं ले रहा है । पिछले एक सप्ताह से यहां के जंगली इलाकों में हाथियों ने यहां के लोगों के घरों और फसलों को रौंदने के साथ ही कल देर रात 11:30 बजे के करीब एक कंस्ट्रक्शन साइट पर एक कमरे में सो रहे चार लोगों में से एक की दौड़ा कर जान ले ली । जबकि उसके साथ सो रहे तीन अन्य कर्मियों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचायी ।बताया जा रहा है कि कल देर रात वहां के एक कंस्ट्रक्शन साइट पर 12 हाथियों के झुंड ने अचानक धावा बोल दिया । और वहां एक एस्बेस्टस से बने कमरे को क्षतिग्रस्त करने के साथ उसमें रखे सामानों को क्षतिग्रस्त करने के साथ वहां सो रहे चार लोगों पर हमला बोल दिया । इसमें से तीन लोग तो किसी तरह अपनी जान बचाकर निकलने में कामयाब रहे मगर 49 वर्षीय मो कलाम आजाद को हाथियों ने दौड़ाकर उसकी जान ले ली । वन विभाग के अधिकारियों को इसकी तत्काल सूचना दी गई । मगर कोई अधिकारी या वन रक्षी वहां नही पहुंचा । सुबह में वन विभाग के अधिकारी कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया । हालांकि मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने इस पर कड़ा एतराज जताते हुए मृतक के आश्रित को प्रावधान के मुताबिक मुआवजा राशि देने की मांग की । जिसके बाद विभाग के अधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से मृतक के आश्रित को मुआवजे के तौर पर मिलने वाले 4 लाख रूपये की राशि में से 25 हजार रूपया तत्काल दिया गया । इसके साथ ही विभाग के अधिकारियों ने जंगली हाथियों के उत्पात की रोक थाम की दिशा में भी सार्थक प्रयास करने की प्रतिबद्धता दुहरायी ।

डॉ आभा कुमारी की पुस्तक मोहन राकेश के नाटकों के स्त्री पात्रों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन का लोकार्पण

रांची। रांची विश्वविद्यालय की शोधार्थी डॉ आभा कुमारी द्वारा लिखित पुस्तक मोहन राकेश के नाटकों के स्त्री पात्रों का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन का गुरुवार को लोकार्पण हुआ। पुस्तक डॉ आभा कुमारी द्वारा रांची वीमेंस कॉलेज के पुस्तकालय अध्यक्ष को समर्पित किया गया। पुस्तक में प्रसिद्ध नाटककार मोहन राकेश के नाटकों में उभरे स्त्री पात्रों के भाव-जगत, संघर्ष, द्वंद्व और अस्तित्व को मनोविश्लेषणात्मक दृष्टिकोण से गहराई से विश्लेषित किया गया है।कॉलेज की सहायक प्राध्यापिका डॉ कुमारी उर्वशी ने कहा कि डॉ आभा कुमारी की यह पुस्तक शोध और स्त्री अध्ययन के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय प्रयास है। कॉलेज की प्राचार्या, शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने डॉ आभा को शुभकामनाएं दीं।

जन्मदिवस पर अवश्य लगाएँ एक पेड़ माँ के नाम : शालिनी बैसखियार

महिला चौपाल ने सर जेसी बोस गर्ल्स स्कूल में किया पौधारोपण, छात्राओं को तुलसी का पौधा देकर वृक्षारोपण के प्रति किया प्रेरित

गिरिडीह। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरुआत की गई। इसी क्रम में महिला चौपाल के द्वारा गुरुवार को सर. जेसी बॉस स्कूल में भाजपा जिला मंत्री सह महिला चौपाल अध्यक्ष शालिनी बैसखियार के नेतृत्व में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शालिनी बैसखियार, मोनिका देवी, रूबी गुप्ता, स्वाति सिन्हा, स्वर्णा गुप्ता के अलावे ने उप प्रधानाचार्या पापिया सरकार, शिक्षिका कुसुम कुमारी व सहित अन्य शिक्षकों ने स्कूल परिसर में पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण व मातृत्व के सम्मान का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के बीच तुलसी पौधों का वितरण भी किया गया। जिसे अपने घरों में लगाने व उसकी देखभाल करने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया गया। इस क्रम में सभी छात्राओं ने भी प्रतिज्ञा ली कि वे अपने-अपने जन्मदिवस पर एक पेड़ माँ के नाम का अवश्य लगायेंगी और वे पेड़ की सुरक्षा भी करेंगी। मौके पर शालिनी बैसखियार ने कहा कि भारत की संस्कृति जंगलों में प्रकृति के बीच पुष्पित पल्लवित और विकसित हुई है। सनातन संस्कृति के व्यवहार संस्कार सभी प्रकृति से जुड़े हैं। सनातन में प्रकृति श्मांश् जैसी पूजनीय है। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक सुरक्षा पर्यावरण की सुरक्षा से ही संभव है।

आख़िरकार बिहार में मिली किराए की कोख को कानूनी मंजूरी

पटना, (ईएमएस)। आख़िरकार बिहार में लंबे इंतजार के बाद अब किराए की कोख यानी सरोगेसी को कानूनी मंजूरी मिल गई है। राज्य सरकार ने सरोगेसी प्रक्रिया की निगरानी और संचालन के लिए दो दर्जन सदस्यीय मॉनिटरिंग बोर्ड का गठन कर दिया है, जिसमें चिकित्सक, एमएलए और महिला समाजसेवी शामिल है। बोर्ड का नाम रखा गया है एआरटी (सहायक प्रजनन तकनीक) एंड सरोगेसी मॉनिटरिंग बोर्ड। राज्य सरकार का यह निर्णय उन दंपतियों के लिए राहत लेकर आया है जो संतान सुख की चाह में सालों से जूझ रहे थे। अब प्रक्रिया पूरी करने के लिए उन्हें झारखंड, पश्चिम बंगाल या अन्य राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। इन राज्यों में न केवल खर्च अधिक होता

था, बल्कि कानूनी और चिकित्सा जटिलताओं से भी गुजरना पड़ता था। अब बिहार में ही इस पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुरक्षित रूप में पूरा किया जा सकेगा।

क्या होता है सरोगेसी (किराए की कोख)?

सरोगेसी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें कोई महिला किसी अन्य दंपति के लिए गर्भ धारण करती है। वो बच्चे को जन्म देती है। भारत में इसे किराए की कोख के नाम से भी जाना जाता है, लेकिन यह शब्द कई बार नकारात्मक भाव पैदा करता है, इसलिए इसे चिकित्सा जगत में सरोगेसी कहा जाता है। वर्ष 2021 के कानून के तहत भारत में सरोगेसी का व्यवसायीकरण प्रतिबंधित है और सरोगेसी एक परोपकारी प्रक्रिया है, इसलिए सरोगेट मदर भी इच्छुक दंपति से कोई अतिरिक्त पैसे की डिमांड नहीं कर सकती। कंसेंट फॉर्म में यह सब कुछ होता है जिस पर दोनों की सहमति होती है।सरोगेसी की प्रक्रिया में सरोगेट मदर बच्चे की बायोलॉजिकल मां नहीं होती है, बल्कि वह सिर्फ बच्चे को जन्म देती है। इस प्रक्रिया में संतान प्राप्ति को इच्छुक दंपत्ति में पिता का शुक्राणु और माता का अंडाणु लेकर आईवीएफ तकनीक से टेस्ट ट्यूब में निषेचन किया जाता है। निषेचन के बाद भ्रूण को सरोगेट मदर के गर्भाशय में ट्रांसप्लांट किया जाता है। भारत में सरोगेसी कानून के अनुसार, जब किसी महिला को गर्भधारण में शारीरिक या चिकित्सकीय कठिनाई होती है, तभी वह सरोगेसी के माध्यम से संतान सुख की प्राप्ति कर सकते हैं। सरोगेसी के लिए विवाहित जोड़े में पुरुष की उम्र 26 साल से 55 साल के बीच और महिला की उम्र 23 से 50 साल के बीच होनी चाहिए। इसके अलावा महिला यदि विधवा अथवा तलाकशुदा है तो उसकी उम्र 35 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए, ऐसी महिलाओं के अंडाणु से स्पर्म के निषेचन के लिए डोनर पुरुष का सहारा लिया जाता है। भारत में कानून के मुताबिक कुंवारी महिला जो पहले से ना तो शादीशुदा है ना ही विधवा है, वह सरोगेसी के तहत मां बनने के योग्य नहीं है। इसके अलावा लिविंग में रहने वाले जोड़े, समलैंगिक कपल और एकल पुरूष भी सरोगेसी के तहत संतान सुख प्राप्त करने के योग्य नहीं है।

बिहार में फिर पुलिस और अपराधियों के बीच एनकाउंटर, दो अपराधी को लगी गोली

मुजफ्फरपुर, (ईएमएस)। बिहार में अपराध पर नकेल कसने की दिशा में मुजफ्फरपुर पुलिस ने भी जब दो और अपराधियों को पकड़ने की कोशिश की तो पुलिस की अपराधियों के साथ मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में दो अपराधी घायल हुए हैं। बताया गया है कि पारू थाना क्षेत्र में पुलिस ने दो कुख्यात अपराधियों को पकड़ने की कोशिश की, जिसमें दोनों अपराधियों को गोली लगी है। उन्हें गंभीर हालत में इलाज के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसकेएमसीएच) में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से कई हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं। इनमें एक पिस्तौल, कुछ जिंदा कारतूस और अन्य आपराधिक सामग्री शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि बरामद हथियारों की फॉरेंसिक जांच की जाएगी ताकि इनका उपयोग पहले की वारदातों में हुआ है या नहीं, इसकी पुष्टि हो सके। इसके अलावा, पुलिस ने अपराधियों के पास से एक बाइक और कुछ अन्य सामान भी जब्त किया है, जो उनकी गतिविधियों की जांच में सहायक हो सकता है। बताया गया है कि मुजफ्फरपुर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पारू थाना क्षेत्र में कुछ कुख्यात अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इस सूचना के आधार पर ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने पारू क्षेत्र में छापेमारी शुरू की। जैसे ही पुलिस ने संदिग्धों को घेरने की कोशिश की, अपराधियों ने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें अपराधियों के पैरों में गोली लगी। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, घायल अपराधी कथैया थाना क्षेत्र के निवासी हैं और इनका आपराधिक रिकॉर्ड लंबा है। ये दोनों दो दर्जन से अधिक लूटकांडों में शामिल रहे हैं, जिनमें बैंक लूट, दुकान लूट और व्यक्तिगत छिनतई की घटनाएं शामिल हैं। इनके खिलाफ मुजफ्फरपुर के विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज हैं. पुलिस का कहना है कि ये अपराधी लंबे समय से फरार थे और इनकी गिरफ्तारी से कई लंबित मामलों का खुलासा हो सकता है। मुठभेड़ के बाद दोनों घायल अपराधियों को तत्काल पुलिस अभिरक्षा में एसकेएमसीएच ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

बिहार में छठ-दिवाली पर चलेंगी करीब 300 अंतर्राज्यीय बसें

पटना, (ईएमएस)। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश सरकार राज्य के नागरिकों को एक के बाद एक सौगात देने में जुट गई है। अब सरकार ने पर्व-त्योहारों के दौरान घर लौटने वाले प्रवासी बिहारियों की सुविधा के लिए बड़ा फैसला लिया है। नीतीश कुमार ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी साझा की है। मुख्यामंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा है कि बिहार के लोग विभिन्न पर्व-त्योहारों खासकर छठ, होली, दीपावली एवं दुर्गा पूजा के अवसर पर काफी संख्या में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पश्चिम बंगाल से घर आते हैं। पर्व-त्योहारों के अवसर पर बिहार आने में लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बिहार आने वाले लोगों की यात्रा को सुगम बनाने तथा उनकी सहूलियत के लिए हमारी सरकार लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में बिहार से जुड़े अंतर्राज्यीय मार्गों पर राज्य सरकार 299 एसी एवं नॉन एसी बसों का परिचालन कराने जा रही है। 24 जून को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में इसे स्वीकृति दे दी गई है। राज्य सरकार 75 वातानुकूलित और 74 डीलक्स बसों की खरीद पर 105.82 करोड़ रुपए खर्च करेगी। साथ ही लोक निजी भागीदारी के अन्तर्गत भी 150 अतिरिक्त ए०सी० बसों का परिचालन कराया जाएगा। राज्य सरकार पर्व-त्योहारों खासकर छठ, होली, दीपावली एवं दुर्गा पूजा के अवसर पर केंद्र सरकार से भी और अधिक विशेष ट्रेन चलाने का अनुरोध करेगी। इससे पर्व-त्योहारों के समय लोगों को अब बिहार आने में सहूलियत होगी और वे सुविधापूर्वक अपने घर पहुंच सकेंगे।

जन सुराज पार्टी को चुनाव चिन्ह स्कूल बैग आवंटित

पटना, (ईएमएस)। बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग ने जन सुराज पार्टी को आधिकारिक तौर पर चुनाव चिन्ह स्कूल बैग आवंटित किया है। पार्टी के सभी 243 उम्मीदवार अब इस नए चिन्ह के तहत चुनाव लड़ेंगे। आपको बता दें कि राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर ने 2 अक्टूबर, 2024 को अपने राजनीतिक संगठन जन सुराज पार्टी के शुभारंभ की घोषणा की थी और लगभग आठ महीने बाद उनकी पार्टी को चुनाव आयोग द्वारा चुनाव चिन्ह स्कूल बैग आवंटित किया गया है। प्रशांत किशोर ने पार्टी का शुभारंभ बिहार की राजधानी पटना के वेटनरी कॉलेज ग्राउंड में कई प्रसिद्ध हस्तियों की मौजूदगी में किया था। पार्टी का गठन प्रशांत किशोर द्वारा राज्य की 3,000 किलोमीटर से अधिक लंबी पदयात्रा शुरू करने के ठीक दो साल बाद हुआ था। पदयात्रा चंपारण से शुरू हुई थी, जहां महात्मा गांधी ने देश में पहला सत्याग्रह शुरू किया था। इस पदयात्रा का उद्देश्य लोगों को एक नए राजनीतिक विकल्प के लिए संगठित करना था, जो बिहार को उसके दीर्घकालिक पिछड़ेपन से मुक्ति दिला सके। पिछले महीने प्रशांत किशोर ने घोषणा की थी कि पूर्व भाजपा सांसद उदय सिंह को सर्वसम्मति से पार्टी का पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा था कि अब वह जन संपर्क पर ध्यान केंद्रित करेंगे और संगठन चलाने की जिम्मेदारी उदय सिंह और आरसीपी सिंह जैसे लोगों को सौंपेंगे।

तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूल बस में मारी टक्कर, 8 बच्चे हुए घायल

गोपालगंज, (ईएमएस)। बिहार के गोपालगंज जिले के नगर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ़्तार ट्रक ने स्कूल बस को जोरदार टक्कर मार दी जिससे बस ड्राइवर समेत 9 बच्चे घायल हुए हैं। सभी घायलों को सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है। यह घटना गुरुवार सुबह कोन्हवा एनएच 27 पर घटी। बस में कुल 20 बच्चे सवार थे। बताया जा रहा है कि नगर थाना क्षेत्र के एक स्कूल का बस ड्राइवर सुबह बच्चों को थावे विदेशी टोला और कोन्हवा से बस पर बैठा कर ले जा रहा था। इसी बीच वह जैसे ही कोन्हवा के पास पहुंचकर सड़क के दूसरे तरफ जाने के लिए आगे बढ़ा तो तेज रफ्तार ट्रक सामने से आ रहा था और ट्रक ड्राइवर ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। वहीं खतरा देख बस ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगाई, लेकिन बस रुकती इससे पहले ही अनियंत्रित ट्रक ने उसमे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस में सवार ड्राइवर और आठ बच्चे घायल हो गए। इस हादसे के बाद घटनास्थल पर हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने बस के अंदर फंसे बच्चों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस एवं एम्बुलेंस वहां पहुंची। पुलिस ने घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया।

जब शादी में डांस के दौरान हुआ विवाद, युवकों ने दूल्हे और उसकी माँ को जमकर पीटा

भागलपुर, (ईएमएस)। भागलपुर के नवगछिया थाना क्षेत्र के नगरह नवटोलिया मोहल्ले में बुधवार शाम एक शादी समारोह के दौरान डीजे पर डांस को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान दूल्हा नीतीश कुमार मंडल और उनकी मां नंदिनी देवी की कुछ स्थानीय युवकों ने बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे दोनों को गंभीर चोटें आईं हैं। दोनों को नवगछिया अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है और पुलिस जांच कर रही है। बताया गया है कि नीतीश कुमार मंडल नगरह नवगछिया के निवासी हैं। उनकी शादी रंगरा थाना क्षेत्र के साधोपुर गांव की एक लड़की से तय हुई थी। शादी का आयोजन तेतरी दुर्गा मंदिर परिसर में होना था। शादी से पहले की रस्में काली मंदिर में पूरी की गईं और उसके बाद परिवारजन डीजे पर पारंपरिक संगीत के साथ नृत्य करते हुए घर लौट रहे थे। इस दौरान महिलाएं और पुरुष अलग-अलग समूहों में नाच रहे थे। विवाद तब शुरू हुआ जब बारात घर के पास पहुंची और कुछ स्थानीय युवक जबरन महिलाओं के बीच घुसकर डांस करने लगे। परिवार वालों ने इसका विरोध किया, जिसके बाद विवाद हो गया और मोहल्ले के युवकों ने दूल्हे नीतीश को खींचकर बेरहमी से पीट दिया। जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं हैं। वहीं उनकी मां नंदिनी देवी को भी धक्का-मुक्की में बुरी तरह घायल किया गया है। इस घटना से उक्त क्षेत्र में तनाव का माहौल है। पुलिस ने उन युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान के लिए जांच चल रही है। उधर इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों के बीच भारी गुस्सा है और वे दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

बिहार की सियासत में फिर मच सकता है हड़कंप, ईओयू की जांच में हुआ खुलासा

नीतीश सरकार को गिराने हेतु बालू माफियाओं से मिलने वाले पैसों का होने वाला था इस्तेमाल

पटना, (ईएमएस)। बिहार की सियासत में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की जांच से एक बार फिर हड़कंप मच सकता है। दरअसल, ईओयू की जांच में खुलासा हुआ है कि राजद से जुड़े इंजीनियर सुनील कुमार उर्फ सुनील सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुआई वाली एनडीए सरकार को गिराने के लिए विधायकों की खरीद-फरोख्त की साजिश रची थी। सूत्रों के मुताबिक बिहार में अवैध बालू खनन से होने वाली मोटी कमाई का एक हिस्सा इस सियासी साजिश में लगाया जा रहा था। बीते मंगलवार को ईओयू ने इंजीनियर सुनील कुमार से करीब तीन घंटे तक पूछताछ की थी। इस दौरान कई सवालों का सामना सुनील कुमार को करना पड़ा। कई सवालों के जवाब भी उसने नहीं दिए। ईओयू के पास जो सबूत मौजूद थे उसका सत्यापन भी हुआ। विधायकों के खरीद-फरोख्त में बालू माफियाओं से मिलने वाले पैसों के इस्तेमाल की बात भी सामने आ रही

है। सूत्रों के अनुसार ईओयू ने जो सबूत पूर्व में जमा किए थे, उसका सत्यापन सुनील कुमार से कराया गया। सूत्रों के अनुसार जांच में यह भी पता चला है कि विधायकों को प्रभावित करने के लिए जो पैसे जमा किए जाने थे, वो बालू माफियाओं समेत कई अन्य संगठित नेटवर्क से आना था। ईओयू की टीम ने बालू माफिया समेत अन्य संगठित नेटवर्क से होने वाली फंडिंग से जुड़े सवाल भी सुनील से विस्तार से किए। सूत्र बताते हैं कि इंजीनियर सुनील ने माफियाओं से अपने संबंध होने की बात को स्वीकार कर लिया है। दरअसल, ईओयू के पास वो तमाम सबूत मौजूद थे, जिससे पता चल सके कि सुनील का कनेक्शन माफिया नेटवर्क से था। बता दें कि विधायक खरीद-फरोख्त प्रकरण में इंजीनियर को नामजद अभियुक्त बनाया गया। जिसके बाद सुनील ने कोर्ट की शरण ली थी। ईओयू के सूत्र बताते हैं कि जांच आगे बढ़ने के साथ ही इंजीनियर सुनील को दोबारा नोटिस भी भेजा जा सकता है।

क्या है मामला ?

यह मामला जदयू विधायक सुधांशु शेखर की शिकायत के बाद सुर्खियों में आया। उन्होंने आरोप लगाया कि राजद से जुड़े इंजीनियर सुनील ने उनके रिश्तेदार रणजीत कुमार के जरिए उनसे संपर्क किया और महागठबंधन के पक्ष में फ्लोर टेस्ट में वोट देने के लिए 10 करोड़ रुपये और मंत्री पद का प्रलोभन दिया। यह साजिश 12 फरवरी 2024 को नीतीश कुमार की सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले रची गई थी। इसी दौरान पटना के कोतवाली थाने में केस दर्ज किया गया। बाद में मामला ईओयू को ट्रांसफर कर दिया गया। इसी प्रकरण में इंजीनियर सुनील कुमार का नाम उछला और इओयू ने दबिश तेज की। सूत्रों के मुताबिक सुनील ने माफियाओं से अपने संबंध स्वीकार किए हैं, जिससे उनकी मुश्किलें आगे बढ़ सकती हैं। ईओयू ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड और नेपाल में सक्रिय लोगों के जरिए विधायकों को लुभाने की कोशिश के सबूत भी जुटाए हैं। ईओयू ने सुनील से बालू माफिया और अन्य अपराध नेटवर्क से फंडिंग से जुड़े विस्तृत सवाल पूछे हैं। ईओयू ने पहले ही 52 कुख्यात अपराधियों की 56.95 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त करने का प्रस्ताव प्रवर्तन निदेशालय को भेजा है। जिनमें कई बालू माफिया भी शामिल हैं।

कौन हैं सुनील सिंह ?

इंजीनियर सुनील कुमार उर्फ सुनील सिंह राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के करीबी माने जाते हैं। ईओयू ने शनिवार को उनके पटना के किदवईपुरी और वैशाली के सैदुल्लाहपुर स्थित आवासों पर नोटिस चस्पा किया था। सुनील ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, लेकिन ईओयू के पास मौजूद सबूत उनकी कानूनी मुश्किलें बढ़ा सकते हैं।

बिहार में मेगा जॉब फेयर का आयोजन करेगी कांग्रेस, टाटा से लेकर विप्रो देगी नौकरी

पटना (ईएमएस)। बिहार में रोजगार की बहार आने वाली है। बिहार यूथ कांग्रेस की ओर से मेगा जॉब फेयर का आयोजन हो रहा है। यह जॉब फेयर 19 जुलाई को ज्ञान भवन में लगेगा। 3,000 युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य है।इसके लिए हर जिले में कैंप लगाया जाएगा। इस जॉब फेयर में टाटा से लेकर विप्रो कंपनियां शामिल होगी। अभी तक 78 अलग-अलग कंपनियों के आने की सूचना मिल चुकी है, लेकिन यूथ कांग्रेस की कोशिश है कि करीब 125 कंपनी जॉब फेयर में युवाओं को नौकरी देने के लिए पहुंचे। इस जॉब फेयर में रजिस्ट्रेशन के लिए दो दिन के अंदर लिंक जारी कर दिया जाएगा। इसके लिए कंट्रोल रूम भी बनेगा, जो हर एक इंडिविजुअल के क्वालिफिकेशन और स्किल सेट को नोट करेगा, ताकि आगे स्क्रीनिंग करने में दिक्कत ना हो। इस कंट्रोल रूम में 12 लोग की टीम होगी जो सुबह 9 बजे से रात के 8 बजे तक काम करेगी।मेगा जॉब फेयर में कांग्रेस का लक्ष्य करीब 3,000 बिहार के युवाओं को नौकरी देना है। इसमें 10वीं से लेकर ग्रेजुएशन तक के युवाओं का प्लेसमेंट होगा।

आचार संहिता उल्लंघन के मामले में अदालत में पेश हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

मुंगेर, (ईएमएस)। 2014 के लोकसभा चुनाव से जुड़े आचार संहिता उल्लंघन के मामले में गुरुवार को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित कुल पांच आरोपितों के विरुद्ध आरोप गठित किया। इस लेकर उप मुख्यमंत्री सहित सभी पांच आरोपित न्यायालय में उपस्थित हुए।जहां न्यायालय ने बिना प्रशासनिक स्वीकृति के आम सभा आयोजित करने और जुलूस निकालने के मामले में आरोप सभी पांचों के विरुद्ध गठित किया गया।हालांकि, मामले में कुल आठ लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज हुआ था। इसमें से तीन लोग की मृत्यु हुई है। इसमें दो पूर्व विधायक नेता चौधरी और गणेश पासवान सहित एक अन्य

आरोपित शामिल हैं।वहीं, जिन पांच लोगों के खिलाफ आरोप गठित किया गया है उसमें उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उदय नारायण चौधरी, समीर मधुकर, दिवाकर तथा योगेंद्र शामिल हैं।उपमुख्यमंत्री चौधरी के वकील ने बताया कि आचार संहिता उल्लंघन से संबंधित मामले में उपमुख्यमंत्री सहित पांच लोगों के विरुद्ध आरोप गठित किया गया। इस आरोप को सभी आरोपियों ने नकारा दिया। अब आगे साक्ष्य पर बहस होगी।इधर उप मुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि मुंगेर से भागलपुर के बीच गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण पर भी सहमति बनी है। उन्होंने बताया कि बांका होकर हल्दिया तक जाने वाली सड़क जो रक्सौल से हल्दिया तक जाएगी, इस ओर से ही होकर गुजरेगी। इसके अलावा जिले में सभी स्थानों पर छठ घाट का निर्माण होगा। इसके अलावा अगुआनी घाट से सुल्तानगंज के बीच बना रहे सड़क पुल पर पटना उच्च न्यायालय के आदेशानुसार सुपर स्ट्रक्चर तैयार कर निर्माण कराया जाएगा। इस पर शिव भक्तों की सुविधा के लिए आधारभूत सुविधा तैयार की जाएगी। सुल्तानगंज-देवघर सड़क को भी फोरलेन का रूप दिया जाएगा।

पर्व-त्यौहारों के दौरान घर लौटने वाले प्रवासी बिहारियों को नीतीश ने दी सौगात

पटना(ईएमएस)। बिहार में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे है, सीएम नीतीश कुमार बिहारवासियों को खुश करने में जुटे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री नीतीश ने पोस्ट कर बिहारवासियों को एक और सौगात दी है।अब बिहार सरकार ने पर्व-त्यौहारों के दौरान घर लौटने वाले प्रवासी बिहारियों की सुविधा के लिए बड़ा फैसला लिया है। मुख्यामंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा है कि बिहार के लोग विभिन्न पर्व-त्यौहारों खासकर छठ, होली, दीपावली एवं दुर्गा पूजा के मौके पर काफी संख्या में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पश्चिम बंगाल से घर आते हैं। पर्व-त्यौहारों के मौके पर बिहार आने में लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।बिहार आने वाले लोगों की यात्रा को सुगम बनाने और उनकी सुविधा के लिए हमारी सरकार लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में बिहार से जुड़े अंतर्राज्यीय मार्गों पर राज्य सरकार 299 एसी एवं नॉन एसी बसों का परिचालन कराने जा रही है। 24 जून 2025 को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में इस स्वीकृति दे दी गई है।बिहार सरकार 75 वातानुकूलित और 74 डीलक्स बसों की खरीद पर 105.82 करोड़ रुपए खर्च करेगी। साथ ही लोक निजी भागीदारी के तहत भी 150 अतिरिक्त एसी बसों का परिचालन कराया जाएगा।राज्य सरकार पर्व-त्यौहारों खासकर छठ, होली, दीपावली एवं दुर्गा पूजा के मौके पर केंद्र से भी और अधिक विशेष ट्रेन चलाने का अनुरोध करेगी।इससे पर्व-त्यौहारों के समय लोगों को अब बिहार आने में सहूलियत होगी और वे सुविधापूर्वक अपने घर पहुंच सकते है। सरकार के इस फैसले से लोगों को आने-जाने में काफी सहूलियत होगी।

गुजरात में जीत के बाद अब आप विधायक ने दिया पार्टी को झटका

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात की विसावदर सीट पर आप की जीत के बाद पार्टी को बड़ा झटका लगा है। बोटाद से पार्टी के विधायक उमेश मकवाणा ने बतौर विधानसभा में चीफ व्हिप और ज्वांइट सेक्रेटरी के तौर पर इस्तीफा दिया है। उनका कहना है कि कि वह पार्टी में कार्यकर्ता की हैसियत से रहूंगा। उमेश मकवाणा आप के पांच विधायकों में शामिल हैं। मकवाणा ने आप छोड़ने का ऐलान अभी नहीं किया है। उन्होंने कहा है कि वह विधायकी से इस्तीफा नहीं दे रहे है। आप विधायक मकवाणा ने पार्टी पर अपनी विचारधारा को छोड़ने का आरोप लगाया है।2022 के चुनावों में मकवाणा ने बोटाद सीट पर बीजेपी को शिकस्त दी थी। उन्होंने धनश्याम विरानी को 2,779 वोटों के अंतर से हराया था। इस सीट पर बीजेपी नेता और पूर्व मंत्री सौरभ पटेल का प्रभाव माना जाता है। बीजेपी ने जब उन्हें टिकट नहीं दिया था। तब उनकी नाराजगी सामने आई थी। बाद में जब उमेश जीते थे। तब माना गया था कि उमेश की जीत में उनका समर्थन था।

बिहार में शुरु हुआ सीट संग्रामः भाकपा ने 24 सीटों पर दावा ठोककर तेजस्वी की मुश्किलें बढ़ाईं

पटना (ईएमएस)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दल अपनी-अपनी तैयारियों में लगे हैं। महागठबंधन के नेता भी सीट शेयरिंग को लेकर अपने अपने समीकरण बैठा रहे हैं। ऐसे में भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी यानी भाकपा ने 24 से अधिक सीटों पर दावेदारी करके राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने महागठबंधन कोऑर्डिनेशन कमेटी के संयोजक और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात की मांग रखी है, ताकि सीट बंटवारे पर चर्चा हो सके।भाकपा, जो महागठबंधन का हिस्सा है, ने अपनी रणनीति को और आक्रामक करते हुए 24 से अधिक सीटों पर दावा किया है। भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने कहा, हमारी पार्टी बिहार में मजबूत आधार रखती है, खासकर ग्रामीण और मजदूर वर्ग के बीच। इन सीटों पर हमारी जीत की संभावना मजबूत है और हम महागठबंधन के साथ मिलकर एनडीए को कड़ी चुनौती देंगे। उन्होंने तेजस्वी यादव से जल्द मुलाकात की मांग की है, ताकि गठबंधन के साझा एजेंडे और सीट बंटवारे को अंतिम रूप दिया जा सके। भाकपा ने जिन सीटों पर दावा किया है, उनमें तेघड़ा, बखरी, बछवाड़ा, हरलाखी, झंझारपुर, रूपौली, फुलवारीशरीफ, डुमरांव, गोह, बांका, बेलदौर, केसरिया, चनपटिया, मोतिहारी, जाले, बारिसनगर, सिकंदरा, खजौली, और करगहर जैसी विधानसभा सीटें शामिल हैं। बिहार में इस बार का विधानसभा चुनाव बेहद रोचक होने वाला है, क्योंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर की उम्मीद है।सीट बंटवारे को लेकर महागठबंधन में चुनौतियां भी हैं। राजद और कांग्रेस के बीच पहले से ही सीटों की संख्या को लेकर खींचतान की खबरें हैं। राजद, जो महागठबंधन का सबसे बड़ा घटक है, 150 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहता है, जबकि कांग्रेस 50-60 सीटों की मांग कर रही है। भाकपा (माले) ने भी 40-45 सीटों की दावेदारी की है। ऐसे में भाकपा की 24 से अधिक सीटों की मांग गठबंधन के भीतर समीकरण को और जटिल बना सकती है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अगर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनी, तो महागठबंधन को नुकसान हो सकता है, जिसका फायदा एनडीए को मिल सकता है। महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, भाकपा (माले), भाकपा, माकपा, और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं। पिछले विधानसभा चुनाव 2020 में भाकपा (माले) ने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 12 पर जीत हासिल की थी, जो महागठबंधन में तीसरे सबसे बड़े घटक के रूप में उभरा था। इस बार भाकपा भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के मूड में है। भाकपा ने जिन सीटों पर दावा किया है, उनमें तेघड़ा, बखरी, और बछवाड़ा जैसे क्षेत्रों में उसका मजबूत जनाधार रहा है, खासकर अनुसूचित जाति (एससी) और पिछड़े वर्गों के बीच। इसके अलावा, फुलवारीशरीफ और डुमरांव जैसी शहरी और ग्रामीण मिश्रित सीटों पर भी पार्टी अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है।भाकपा की बढ़ती मांग और डी राजा की सक्रियता से यह साफ है कि महागठबंधन में एक साझा रणनीति के लिए तेजस्वी को कठिन संतुलन बनाना होगा। चुनाव आयोग जल्द ही बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है, और सितंबर-अक्टूबर में चुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है। भाकपा की इस दावेदारी ने बिहार की सियासत में नया मोड़ ला दिया है। अब यह देखना होगा कि तेजस्वी यादव और डी राजा की मुलाकात के बाद महागठबंधन का सीट बंटवारा किस दिशा में जाता है और क्या यह गठबंधन एनडीए के डबल इंजन सरकार को चुनौती दे पाएगा। एनडीए की ओर से नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और बीजेपी ने पहले ही कार्यकर्ता सम्मेलनों और रैलियों के जरिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। चिराग पासवान ने दावा किया है कि एनडीए 225 से अधिक सीटें जीतेगा। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव ने 'माई बहन मान योजना' जैसे वादों के साथ मतदाताओं को लुभाने की कोशिश की है।

तिरुवनंतपुरम में खड़ा एफ-15बी, अमेरिकी जेट को करना होगा किराया भुगतान

तिरुवनंतपुरम,(ईएमएस)। केरल के तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 14 जून की रात से खड़े अमेरिका में बने एफ-35बी लड़ाकू विमान पर अब हवाई अड्डा पार्किंग शुल्क लगाएगा। ब्रिटिश रॉयल नेवी का यह अत्याधुनिक स्टील्थ फाइटर जेट हाइड्रोलिक सिस्टम में आई खराबी की वजह से उड़ नहीं पा रहा है। इस फाइटर जेट को ठीक करने की ब्रिटिश और अमेरिकी इंजीनियरों की अबतक की सारी कोशिशें फेल हो चुकी हैं।

एयरपोर्ट ने विदेशी सेना के इस लड़ाकू विमान को फिलहाल बे-4 में रखा है, जो कि वीआईपी विमानों के लिए पार्किंग की जगह है। तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट अभी तक यह नहीं तय कर पाया है कि उससे पार्किंग फीस और अन्य संबंधित शुल्कों के रूप में कितना वसूला जाएगा। इसका निर्धारण एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से निर्धारित शुल्कों के हिसाब से ही होगा, जिसमें पिछले मार्च में ही बदलाव किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में एयरपोर्ट सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि वे अभी तक यह नहीं तय कर पाए हैं कि जेट पर कितना शुल्क लगाया जाए। आमतौर पर, हवाई अड्डा संचालक विमान के वजन के आधार पर पार्किंग शुल्क लेता है। इस एफ-15बी स्टील्थ फाइटर जेट को 14 जून की रात पहले ईंधन की कमी की शिकायत के बाद इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति दी गई थी।

जानकारी के मुताबिक अमेरिका और

ब्रिटेन के एक्सपर्ट इंजीनियरों की एक और टीम जल्द तिरुवनंतपुरम आएगी। अगर अमेरिका में बने इस अत्याधुनिक फाइटर जेट एफ-35बी को इंजीनियर अगर यहां ठीक नहीं कर पाए तो इसे किसी कार्गो प्लेन से ले जाने की कोशिश की जाएगी। ब्रिटिश हाई कमीशन के प्रवक्ता ने कहा कि हम तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यूके के एफ-35बी को जल्द से जल्द ठीक करने के लिए काम कर रहे हैं। हम भारतीय अधिकारियों को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं।

इस बीच विमान की उड़ान में अनिश्चितता देखते हुए इसे हैंगर में ले जाने की बात भी चल रही थी, लेकिन ब्रिटिश नौसेना के अधिकारी इसके पक्ष में नहीं हैं। इससे पहले ब्रिटिश नेवी का जो पायलट लेकर इसे यहां लेकर आया था, वह भी इस विमान को अपनी नजरों से तबतक ओझल होने देने को तैयार नहीं हुआ, जबतक एक ब्रिटिश नेवी के हेलीकॉप्टर से इसके कुछ और स्टाफ और तकनीशियन नहीं आ गए। अमेरिका में बने इस स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35बी का वजन 14,700 किलोग्राम बताया जाता है। अगर तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डा पर एक अंतरराष्ट्रीय विमान पर 2015-16 के एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से निर्धारित पार्किंग शुल्क के हिसाब से देखें तो 100 मीट्रिक टन से कम वजन के कारण इस प्रति घंटे प्रति मीट्रिक टन के लिए 4.10 रुपये की दर से भुगतान करना पड़ता है। इस हिसाब से अगर इस विमान को 15 मीट्रिक टन का भी मानें तो 13 दिनों में गुरुवार तक 19,188 रुपये ही बैठते हैं लेकिन, इसी साल मार्च में मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली एयर पोर्ट पर जो अंतरराष्ट्रीय विमानों के पार्किंग चार्ज बढ़ाए गए थे, उसके हिसाब से दूर-दराज के स्टैंड में भी पार्किंग के लिए 18 रुपये प्रति मीट्रिक टन प्रति घंटे के हिसाब से भुगतान करना होता है।

संक्षिप्त खबरें

गुजरात में जीत के बाद अब आप विधायक ने दिया पार्टी को झटका

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात की विसावदर सीट पर आप की जीत के बाद पार्टी को बड़ा झटका लगा है। बोटाद से पार्टी के विधायक उमेश मकवाणा ने बतौर विधानसभा में चीफ व्हिप और ज्वांइट सेक्रेटरी के तौर पर इस्तीफा दिया है। उनका कहना है कि कि वह पार्टी में कार्यकर्ता की हैसियत से रहूंगा। उमेश मकवाणा आप के पांच विधायकों में शामिल हैं। मकवाणा ने आप छोड़ने का ऐलान अभी नहीं किया है। उन्होंने कहा है कि वह विधायकी से इस्तीफा नहीं दे रहे है। आप विधायक मकवाणा ने पार्टी पर अपनी विचारधारा को छोड़ने का आरोप लगाया है। 2022 के चुनावों में मकवाणा ने बोटाद सीट पर बीजेपी को शिकस्त दी थी। उन्होंने धनश्याम विरानी को 2,779 वोटों के अंतर से हराया था। इस सीट पर बीजेपी नेता और पूर्व मंत्री सौरभ पटेल का प्रभाव माना जाता है। बीजेपी ने जब उन्हें टिकट नहीं दिया था। तब उनकी नाराजगी सामने आई थी। बाद में जब उमेश जीते थे। तब माना गया था कि उमेश की जीत में उनका समर्थन था। सौरभ पटेल बोटाद सीट से चार बार जीत चुके हैं। मकवाणा के एकाएक पार्टी के विचारधारा छोड़ने के पीछे अंदरखाने बड़े सियासी खेल की अटकलें हैं। मकवाणा की बगावत और नाराजगी पर अभी बीजेपी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं मकवाणा के विधानसभा में चीफ व्हिप और पार्टी के ज्वांइट सेक्रेटरी का पद छोड़ने को एक सोची समझी रणनीति माना जा रहा है।

गूगल के वाइस प्रेसिडेंट ने एसवी प्रणदान ट्रस्ट को 1 करोड़ रुपये का दान दिया

तिरुपति (ईएमएस)। गूगल के वाइस प्रेसिडेंट थोटा चंद्रशेखर ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीपी) के अंतर्गत संचालित एसवी प्रणदान ट्रस्ट को 1 करोड़ रुपये का दान दिया है। यह दान गुरुवार को तिरुमला में टीटीपी अध्यक्ष बी. आर. नायडू को चेक सौंपकर किया गया। रिपोर्ट के अनुसार एसवी प्रणदान ट्रस्ट, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम का एक धर्मार्थ ट्रस्ट है। यह ट्रस्ट आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को मुफ्त या रियायती दरों पर मेडिकल सुविधा देता है। गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों की मदद करता है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम यानी टीटीडी ने इस दान के लिए चंद्रशेखर की सराहना की और इसे समाजिक कार्यों के लिए जरूरी बताया। चंद्रशेखर की इस पहल को टीटीडी अधिकारियों ने कृतज्ञता के साथ स्वीकार किया। अध्यक्ष नायडू ने चंद्रशेखर को धन्यवाद देकर कहा कि यह दान न केवल श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि समाज के जरूरतमंदों के प्रति जिम्मेदारी का भी उदाहरण है। तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, जिसे तिरुपति बालाजी मंदिर कहा जाता है, दुनियाभर में हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है।यह मंदिर विश्व के सबसे समृद्ध मंदिरों में से एक है और हर साल करोड़ों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं।

यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीमिंग करने की न्यूनतम आयु सीमा 16 साल

22 जुलाई 2025 से लागू होगा नियम

मुंबई,(ईएमएस)। गूगल अब यूट्यूब पर बच्चों और किशोरों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर एक बड़ा बदलाव करने वाला है। 22 जुलाई 2025 से यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीमिंग करने की न्यूनतम आयु सीमा 13 साल से बढ़ाकर 16 साल हो जाएगी। यानी अब 16 वर्ष से कम उम्र के यूजर्स अकेले लाइव स्ट्रीम नहीं कर सकते है। यूट्यूब का कहना है कि यह बदलाव बच्चों को अनजान और बड़ी ऑनलाइन ऑडियंस के साथ जुड़ने से जुड़े जोखिमों से बचाने के लिए जरूरी है। हालांकि, कुछ विशेष परिस्थितियों में नाबालिग अब भी लाइव स्ट्रीम का हिस्सा बन सकते हैं, लेकिन इसके लिए सख्त शर्तें होंगी। यह नई नीति यूट्यूब की चाइल्ड प्रोटेक्शन पहल का हिस्सा है, इसमें पहले से ही सुपरवाइज्ड अकाउंट, बच्चों के लिए बनाई गई कंटेंट कैटेगरी और चैट मॉडरेशन टूल्स शामिल हैं। कंपनी यूजर्स को लगातार यह सलाह भी देती है कि वे कैमरे पर निजी जानकारी साझा न करें और बातचीत के दौरान सावधानी बरतें। इस साल की शुरुआत में गूगल ने मशीन लर्निंग का सहारा लेकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की थी कि नाबालिग यूजर्स अपनी उम्र को लेकर झूठ न बोल सकें। नए नियम उसी दिशा में एक और कदम माने जा रहे हैं।

पारिवारिक कलह के कारण सबसे ज्यादा युवा कर रहे आत्महत्या

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में सड़क दुर्घटनाओं के बाद सुसाइड सबसे ज्यादा युवाओं की मौत का कारण है। यह खुलासा हाल ही में पेश किए गए सरकारी आंकड़ों से हुआ है। वहीं भारत में सुसाइड की सबसे बड़ी वजह पारिवारिक कलह, प्रेम संबंध और विवाह से जुड़ी समस्याएं हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के डेटा के मुताबिक करीब 50 प्रतिशत यानी 48 फीसदी युवा तीन वजहों से ही आत्महत्या कर रहे हैं। इसमें सबसे बड़ा कारण पारिवारिक कलह का है। करीब 32.4 फीसदी युवा घर की अंदरूनी कलह से परेशान होकर अपनी जान देते हैं। वहीं 8 फीसदी युवा प्रेम संबंधों की वजह से आत्महत्या कर रहे हैं। विवाह से जुड़े मामलों की वजह से भी करीब 7.5 फीसदी युवा सुसाइड करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देश के युवाओं की मौतों में 17 फीसदी हिस्सा आत्महत्या का है।

राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल मामले की सुनवाई अब 28 जुलाई को

हाथरस (ईएमएस)। यूपी के हाथरस के एसीजेएम एमपी-एमएलए कोर्ट में लोकसभा सांसद एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दाखिल हुआ था। न्यायालय में परिवादी की ओर से दो गवाहों के बयान हो चुके हैं। 26 जून को न्यायालय में अधिकारी के अवकाश पर होने की वजह से सुनवाई नहीं हो पाई। न्यायालय में इस मामले में सुनवाई के लिए 28 जुलाई की तिथि नियत की गई है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अधिवक्ता मुन्ना सिंह पुंढीर ने बताया कि थाना चंदपा क्षेत्र के एक गांव निवासी रामकुमार उर्फ रामू की ओर से राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दाखिल किया गया था। परिवाद में कहा गया है कि न्यायालय के निर्णय के बावजूद वोट की राजनीति के लिए जातिगत विद्वेष बढ़ाने के उद्देश्य से अकारण 12 दिसंबर 2024 को राहुल गांधी ने गांव बूलगढ़ी का दौरा किया था। यहां उन्होंने मृत मुद्दे को पुनर्जीवित करने के लिए जानबूझकर परिवादी को समाज में अपमानित किया। चारित्रिक हनन के उद्देश्य से अपने एक्स एकाउंट पर उसके खिलाफ बयान पोस्ट किया। आरोप है कि उन्होंने न्यायालय के निर्णय की जानकारी होने के बावजूद न्यायालय से दोष मुक्त हुए युवकों को सामूहिक दुष्कर्म का आरोपी बताया था। इस मामले में न्यायालय में परिवादी की ओर से दो गवाहों के बयान हो चुके हैं। 26 जून को न्यायालय में पीठासीन अधिकारी के अवकाश पर होने की वजह से सुनवाई नहीं हो पाई। न्यायालय में अब इस मामले में 28 जुलाई की तिथि नियत की गई है।

आज से शुरु हो रही जगन्नाथ रथ यात्रा, 8 जुलाई तक चलेगी

-भगवान जगन्नाथ, भाई और बहन के साथ मौसी के घर गुंडिचा जाएंगे

पुरी,(ईएमएस)। ओडिशा के पुरी में विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर से आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में रथ यात्रा निकाली जाती है। इस साल जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत 27 जून यानी शुक्रवार से होगी। इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अलग-अलग रथों पर सवार होंगे। वे तीनों रथों पर सवार होकर मौसी के घर गुंडिचा जाएंगे। भगवान जगन्नाथ रथ नंदीघोष पर भाई बलभद्र रथ तालध्वज पर और सुभद्रा रथ दर्पदलन पर सवार होंगी। जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून से शुरू होकर 8 जुलाई तक चलेगी। यह यात्रा का कार्यक्रम 12 दिन का है। रथ यात्रा की तैयारी और पहले से ही शुरू हो जाती है। पंचांग के मुताबिक जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि से होती है। इस साल आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 26 जून को दोपहर 1:24 मिनट से लेकर 27 जून को 11:19 मिनट तक है। उदयातिथि के आधार पर आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 27 जून को है। इसलिए जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत 27 जून से होगी।

यात्रा के शुभारंभ के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र होंगे। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 5:25 से 7:22 तक है। उसके बाद से पुष्य नक्षत्र है। इस दिन का शुभ समय यानि अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:56 से दोपहर 12:52 तक है।

राहुल गांधी का चुनाव आयोग से सवाल पूछना कुछ लोगों को नहीं हो रहा हजम

आयोग की भूमिका हमेशा संदेह के घेरे में रही : कांग्रेस सांसद भगत

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने गुरुवार को कहा कि जिस अंदाज में राहुल गांधी चुनाव आयोग से सवाल पूछ रहे हैं वह कुछ लोगों को रास नहीं आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र चुनाव में मैच फिक्सिंग हुई है और राहुल गांधी ने इस मुद्दे की ओर पूरे देश का ध्यान खींचा है। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि चुनाव आयोग की भूमिका हमेशा से ही संदेह के घेरे में रही है। राहुल गांधी भी इस मुद्दे को हमेशा उठाते रहे हैं। कांग्रेस नेता भगत ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मैच फिक्सिंग हुई है, जिसमें चुनाव आयोग की भी भूमिका रही है, और इसी मुद्दे को राहुल गांधी उठा रहे हैं, जिसे कुछ लोग हजम नहीं कर पा रहे हैं। हम इस मुद्दे को लगातार उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में गड़बड़ी हुई। इसे लेकर हमने आयोग

से कई साक्ष्य मांगे थे, लेकिन आयोग ने हमारी मांग नहीं मानी। हम चाहते हैं कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता बरकरार रहे और उसकी गरिमा पर किसी भी प्रकार का कुठाराघात नहीं लगे। अगर ऐसा हुआ, तो हम इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे। वहीं भारत-पाक सीजफायर को लेकर उन्होंने इसे सही नहीं बताया। भगत ने कहा कि आतंकवाद को एक सभ्य समाज में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। आतंकवाद को वैश्विक मोर्चे पर हम सभी को परास्त करने के लिए एकजुट होना ही होगा, तभी जाकर हम सभी को इसमें अपेक्षित सफलता मिल पाएगी और इस दिशा में हमें सफलता मिली भी है। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि चाहे वो इजराइल और ईरान के बीच युद्ध हो या फिर रूस-यूक्रेन, भारत ने दोनों ही स्थिति में अहम भूमिका निभाई। भारत बढ़त की स्थिति में रहा, लेकिन पाकिस्तान के साथ स्थिति बिल्कुल उलट रही। पहले हम पाकिस्तान पर हावी हुए, लेकिन जब मसला सीजफायर का आया, तो कहीं ना कहीं हमारी भूमिका कमतर साबित हुई, जिसे लेकर आज भी केंद्र की मोदी सरकार से देश की जनता सवाल पूछ रही है, लेकिन केंद्र सरकार इस सवाल का जवाब देने से बच रही है।

आप विधायक उमेश मकवाणा का पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा

अहमदाबाद| जूनागढ़ जिले की विसावदर विधानसभा सीट से विजेता आम आदमी पार्टी (आप) के गोपाल इटालिया की जीत का जश्न अभी खत्म नहीं हुआ था कि पार्टी को बड़ा झटका लगा है| बोटाद से आप के विधायक उमेश मकवाणा ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है| हांलाकि उन्होंने यह भी कहा कि वह आप के कार्यकर्ता थे और रहेंगे| विधायक पद से इस्तीफा देने के सवाल पर उमेश मकवाणा ने कहा कि इसका फैसला बोटाद की जनता से राय मशविरा करने के बाद करूंगा| फिलहाल आप ने मुझे जो जिम्मेदारियां सौंपी थी उन सभी पदों से मैं इस्तीफा दे रहा हूं| उल्लेखनीय है कि उमेश मकवाणा गुजरात विधानसभा में दंडक के पद पर थे। अब उन्होंने इस पद से भी इस्तीफा दे दिया है। उमेश मकवाना ने अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर अपना इस्तीफा भेजा है। उमेश मकवाणा ने कहा कि पिछले कई सालों से गुजरात में और गुजरात की राजनीति में जातिवादी विचारधारा वाले लोग हर पार्टी के अंदर बढ़ते जा रहे हैं। चाहे वो बीजेपी हो या कांग्रेस या कोई और राजनीतिक पार्टी। उन्होंने कहा कि 2020 में मैं बीजेपी कार्यकर्ता के तौर पर काम कर रहा था।

थरुर की रुसी यात्रा पर उठे सवाल, यात्रा सरकारी कूटनीति का हिस्सा थी या निजी?

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पीएम मोदी की तारीफ के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सुनाने के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ऐसा काम किया है जिससे कांग्रेस को स्वीकार करना सहज नहीं है। दरअसल शशि थरूर रूस यात्रा पर हैं। उन्होंने वहां के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इससे सियासी हलचल पैदा हो गई है।

बता दें मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को थरूर पर तंज कसते हुए कहा था कि कुछ लोग देश पहले की बजाय मोदी पहले को तरजीह देते हैं। जानकारों का कहना है कि उनकी यह टिप्पणी शशि थरूर को लेकर थी। थरूर बीते कुछ समय से पीएम मोदी और ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ कर रहे हैं। दुनिया में भारत का पक्ष रखने वाली सांसदों की टीम में वह थरूर काफी सक्रिय रहे थे।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच तनातनी ने सियासत को गरमा दिया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब थरूर ने अपने एक लेख में ऑपरेशन सिंदूर के वैश्विक प्रचार के लिए पीएम मोदी की ऊर्जा और गतिशीलता को भारत की अहम संपत्ति बताया था। इसके बाद खड़गे ने थरूर पर तंज कसते हुए कहा था कि मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ सकता, लेकिन उनकी भाषा बहुत अच्छी है, इसलिए उन्हें कार्यसमिति में रखा गया। कुछ लोग देश पहले की बजाय मोदी को पहले तरजीह देते हैं।

जवाब में थरूर ने एक्स पर एक रहस्यमय पोस्ट शेयर किया जिसमें लिखा- उड़ने की अनुमति न मांगो, पंख तुम्हारे हैं, आकाश किसी का नहीं। इसके तुरंत बाद थरूर की रूस यात्रा और वहां विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात ने सवाल खड़े किए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शशि थरूर 24 जून को मॉस्को में प्रिमाकोव रीडिंग्स में अपनी किताब इंग्लोरियस एम्पायर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री के प्रचार के लिए गए थे। इस मुलाकात का समय और संदर्भ खासकर खड़गे की टिप्पणी के बाद इसे कूटनीतिक या निजी हितों से जोड़कर देखा गया। लावरोव को मोदी का करीबी माना जाता है, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या यह यात्रा सरकारी कूटनीति का हिस्सा थी या निजी? थरूर और कांग्रेस के बीच तनाव नया नहीं है। पिछले दिनों थरूर ने स्वीकार किया था कि उनके पार्टी नेतृत्व के कुछ नेताओं से मतभेद हैं, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद।

महिला ने रेलवे ट्रैक पर दौड़ाई कार, वीडियो हुआ वायरल

रंगा रेड्डी जिले के शंकरपल्ली स्टेशन के पास का मामला

हैदराबाद,(ईएमएस)। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में तब अफरा-तफरी मच गई जब उत्तर प्रदेश की 34 साल की महिला ने अपनी कार को रेलवे ट्रैक पर दौड़ दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह चौंकाने वाली घटना शंकरपल्ली स्टेशन के पास हुई। वायरल वीडियो में महिला की कार रेलवे ट्रैक पर तेजी से चलते हुए दिख रही है। रेलवे कर्मचारी, लोग और पुलिस महिला को कार से निकालने की कोशिश करते हुए वीडियो में दिख रहे हैं। एक चश्मदीद ने बताया, करीब 20 लोगों की मदद से महिला को कार से बाहर निकाला। वह बिल्कुल सहयोग नहीं कर रही थी और काफी आक्रामक थी। रेलवे पुलिस ने बताया कि महिला मानसिक रूप से असंतुलित लग रही थी। उन्होंने कहा, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वह हाल ही में एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और उत्तर प्रदेश निवासी है। हम यह जांच कर रहे हैं कि क्या यह आत्महत्या का प्रयास था जिसे वह हत्या का रूप देना चाहती थी। महिला की इस हरकत के कारण 10 से 15 ट्रेनों पर इसका असर पड़ा है। इनके रूट बदलने पड़े हैं।

जोहरान हमदानी को कंगना ने सुना दी खरी-खरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद की उम्मीदवारी की रेस में जीत को लेकर टिप्पणी की है। कंगना ने ट्वीट कर लिखा है कि जोहरान हमदानी, तब भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगते हैं। कंगना ने लिखा, उनकी मां मीरा नायर हैं। वह हमारी इंडस्ट्री की एक शानदार फिल्ममेकर हैं और पद्मश्री से सम्मानित हैं। उन्होंने गुजराती मूल के नामी लेखक महमूद ममदानी से शादी की थी और बेटे का नाम जोहरान है। कंगना अपनी पोस्ट में उनके नाम पर सवाल उठाकर लिखती हैं, जोरहान नाम भारतीय से ज्यादा पाकिस्तानी लगता है।

आईआईटी बॉम्बे में सुरक्षा में गंभीर चूक

बिलाल अहमद नाम का युवक 20 दिनों तक कैंपस में रहा

इस दौरान 21 ईमेल आईडी और कई फोन नंबरों का किया इस्तेमाल

मुंबई,(ईएमएस)। मुंबई स्थित प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे में एक गंभीर सुरक्षा चूक का मामला प्रकाश में आया है। 22 वर्षीय बिलाल अहमद तेली नाम के युवक को पुलिस ने अवैध रूप से कैंपस में जाने और 20 दिनों तक वहां रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस दौरान बिलाल कक्षा में जाकर लेक्चर भी अटेंड करता था। पुलिस के अनुसार, बिलाल ने अपनी पहचान छिपाने के लिए 21 ईमेल आईडी और कई फोन नंबरों का इस्तेमाल किया, इसकारण उसका डिजिटल रिकॉर्ड पूरी तरह साफ रहा। इस मामले की गंभीरता को देखकर जांच मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई है। पुलिस ने बताया कि बिलाल ने खुद को कैंपस के अंदर छात्र बताया। वह दिन में क्लास अटेंड करता था और रात में ग्राउंड फ्लोर पर लगे सोफों पर सोता था। आईआईटी प्रशासन ने 21 जून को पवई पुलिस में शिकायत दी थी, इसके बाद बिलाल के खिलाफ अतिक्रमण, धोखाधड़ी और जालसाजी जैसी धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी। पहले पुलिस ने पूछताछ कर नोटिस देकर बिलाल को जाने दिया था, लेकिन अब दो हफ्तों की पुलिस कस्टडी में भेज कर केस को मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंपा गया है। पुलिस को उसकी यह 'क्लीन डिजिटल हिस्ट्री' संदिग्ध लगी।

कैसे आया पकड़ में

दरअसल बिलाल ने 27 मई को आईआईटी बॉम्बे में एक दिवसीय कोर्स में भाग लेने के बहाने कैंपस में प्रवेश किया। इसके बाद, 2 से 7 जून तक और फिर 10 जून से कैंपस में अवैध रूप से रहा। 4 जून को आईआईटी के क्रेडिट डिपार्टमेंट की एक कर्मचारी ने देखा कि एक अनजान युवक उनके ऑफिस में बिना अनुमति घुसा है। जब छात्र से पहचान पत्र मांगा गया वह भाग गया। उसकी तलाश जारी रही। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी तलाश शुरू की गई। 17 जून को वहीं युवक लेक्चर हॉल में क्लास अटेंड करते हुए दोबारा देखा गया। इसके बाद 21 जून को एक आईआईटी कर्मचारी ने बिलाल को ऑफिस में देखा और संदेह होने पर सुरक्षा अधिकारियों को सूचित किया। इस बार आईआईटी की क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) ने बिलाल को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। बिलाल अहमद कर्नाटक के मंगलुरु निवासी है। बिलाल ने पुलिस को बताया कि उसने सिर्फ 10वीं तक पढ़ाई की है जिसमें 48 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। आगे की पढ़ाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। वह कुछ साल सूरत में काम कर फिर मंगलुरु लौट आया। तकनीक में गहरी रुचि होने के कारण वह आईआईटी आने की योजना बना 27 मई को एक दिन के कोर्स के बहाने परिसर में घुस गया।

कार्यालय उपायुक्त -सह- जिला दण्डाधिकारी, धनबाद
(जिला नजारत शाखा)
दूरभाष संख्या– 0326–2312402 ई०मेल०– ndcdhanbad2017@gmail.com

–: अति अल्पकालीन निविदा :–

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनबाद जिला स्थित समाहरणालय, धनबाद में विभिन्न कार्य हेतु जनता का आवागमन होता रहता है। समाहरणालय भवन से स्थानीय बाजार की दूरी होने के कारण आम जनता के साथ समाहरणालय में कार्यरत कर्मियो को खाद्य सामाग्री एवं पेय पदार्थ के लिए काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

अतएव उक्त के आलोक में समाहरणालय परिसर में उपरोक्त सामाग्रियो को सहज रूप से उपलब्धता कराने हेतु कैंटिन का अधिष्ठापन किया जाना है। इसके लिए समाहरणालय परिसर में एक स्थान उपलब्ध कराया जाएगा।

धनबाद जिला मुख्यालय में अवस्थित समाहरणालय, धनबाद के परिसर में कैंटिन के संचालन हेतु इच्छुक प्रतिष्ठानों/एजेंसीयों/व्यक्तियों से मुहन बन्द निविदा दिनांक–09.07.2025 को समय 2:00 बजे अपराह्न तक द्विलिफाफा प्रणाली के अनुसार तकनिकी बीड एवं वित्तीय बीड का अलग–अलग लिफाफा (मुद्रण सहित) करते हुए जिला नजारत भाखा, धनबाद में जमा करना होगा। समाहरणालय सभागार, धनबाद में उपायुक्त, धनबाद या उपायुक्त, धनबाद के द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी की अध्यक्षता में उसी दिन उक्त निविदा का 4:00 बजे अपराह्न में निस्तारण किया जाएगा, जिसमें निविदादाता या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है।

नोटः– उक्त इच्छा की अभिव्यक्ति की कार्य एवं भार्ते का विस्तृत जानकारी हेतु जिला का Official Website- www.dhanbad.nic.in से डाउनलोड कर देखा जा सकता है।

ह0/–
उपायुक्त, धनबाद।

PR.NO.356072 Dhanbad(25-26):D

कार्यालय :– जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बोकारो

अल्पकालीन बन्दोबस्ती सूचना

एतद् द्वारा बोकारो जिले के सभी प्रखण्ड/पंचायत स्तरीय मत्स्यजीवी सहयोग समितियों/स्वावलंबी समितियों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 से 2027–28 तक के लिए राजस्व जलकरों की बन्दोबस्ती विभागीय पत्रांक 114 दिनांक 18/01/92 एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड के पत्रांक 1410 दिनांक 29/06/2011 तथा मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, रॉची का पत्रांक 22 दिनांक 03.01.2025 के अनुपालन में बोकारो जिला अन्तर्गत स्थित अबन्दोबस्त जलकरो की बन्दोबस्ती वर्ष 2025–26 से 2027–28 तक के लिये की जानी है।

यदि संबंधित समिति जलकरों की बन्दोबस्ती लेने को इच्छुक है, तो निम्नलिखित कागजातों के साथ दिनांक 15/07/2025 तक अपना प्रस्ताव अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में अवश्य जमा कर दें:–

1. जिला सहकारिता पदाधिकारी, बोकारो/सहायक निबन्धक सहयोग समितियॉ, बोकारो के द्वारा (सहकारिता विभाग के पत्रांक 1410 दिनांक 29/06/2014 के कंडिका 7 के अनुरूप) स्वच्छता प्रमाण पत्र।
2. अद्ययतन अंकेक्षण प्रतिवेदन (निबंधक सहयोग समितियॉ, झारखण्ड रॉची के पत्रांक 562 दिनांक 14/03/2012 के अनुरूप)।
3. जलकरो की बन्दोबस्ती हेतु आम सभा की बैठक से पारित प्रस्ताव वाली कार्यवाही, जलकरों की सूची की प्रति।
4. जलकरों के अल्पकालीन बन्दोबस्ती हेतु दिये जा रहे प्रस्ताव में यह स्पष्ट करना है, कि लिये जा रहे बन्दोबस्ती में शामिल जलकरों का वितरण किन–किन सदस्यों के साथ किया जायेगा। यह भी आवश्यक है कि सदस्य उसी गॉव एवं पंचायत का होना चाहिए, जहॉ जलकर स्थित है, यदि उपयुक्त सदस्य नहीं है, तो बगल के पंचायत के सदस्यों के साथ जलकर का वितरण किया जाना है।
5. समिति के पास राजस्व बकाया नहीं होने का प्रमाण पत्र।
6. समिति के सदस्यों की सूची।
7. समिति के आम सभा की बैठक, कार्यकारणी समिति का चुनाव समय पर होने की सम्पुश्टि।
8. पूर्व में समिति के साथ बन्दोबस्त जलकरों का वितरण किन–किन सदस्यों के साथ प्रबंधन हेतु किया गया है, की सूची।

यदि दिनांक 15/07/2025 तक जलकरों की अल्पकालीन बन्दोबस्ती लेने हेतु समिति से प्रस्ताव प्राप्त नहीं होता है, तो यह मानकर की समिति जलकर की बन्दोबस्ती नहीं लेना चाहती है, ऐसी परिस्थिति में सभी अबन्दोबस्त जलकरों की अल्पकालीन बन्दोबस्ती खुले डाक से कर दी जायेगी।

नोटः– संबंधित समिति के अध्यक्ष/सचिव एवं मंत्री कार्यालय के कार्यावधि में वर्श 2025–26 में बन्दोबस्ती हेतु उपलब्ध जलकरों की सूची इच्छुक समिति जिला मत्स्य कार्यालय, बोकारो से प्राप्त कर लें।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बोकारो

PR 356066 (Fish) 25-26 (D)

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

कागजों में घटी गरीबी, बढ़ा रोजगार

सरकार की रिपोर्ट कहती हैं, देश में गरीबी घटी है। रोजगार के अवसर बढ़े हैं। यदि यह सच है, तो यह परिवर्तन देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन में क्यों नहीं दिख रहा है। आंकड़ों की चमकदार प्रस्तुति के बावजूद देश की युवा आबादी बेरोजगारी की मार झेल रही है। रोजगार के मोर्चे पर वास्तविक सुधार तब नजर आएगा जब मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार द्वारा नीति बनाई जाएगी। भारत की कुल खपत का 95 प्रतिशत हिस्सा लघु एवं मध्यम उद्योगों द्वारा उत्पादित वस्तुओं से पूरा होता था। इसके बावजूद इन क्षेत्रों को वह प्रोत्साहन नहीं मिला, जो उन्हें मिलना चाहिए। वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने, निर्यात को बढ़ावा देने और स्थानीय रोजगार सृजन के लिए लघु एवं मध्यम उद्योगों को तकनीकी और वित्तीय सहयोग जो जरूरी था वह नहीं मिला। इन क्षेत्रों में यदि उत्पादन होता तो रोजगार भी यहीं से आता। यही गरीबी उन्मूलन रोजगार और आर्थिक विकास की असली कुंजी बन सकता था। कागजों पर गरीबी घटाना आसान है। आंकड़ों के जरिए मन माफिक तरीके से रिकॉर्ड तैयार कर लिया जाता है। इस रिकॉर्ड के आधार पर दावा भी कर दिया जाता है, लेकिन यह वास्तविक हकीकत से दूर होता है। असली जरूरत तो गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई को जमीनी सच्चाई की हकीकत में बदलना है। यह काम कागजों से नहीं होगा। वास्तविक हकीकत के लिए सिर्फ सेवा क्षेत्र या डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। भारत को उत्पादन प्रधान अर्थव्यवस्था की ओर लौटना होगा। पिछले एक दशक में चीन के उत्पाद भारत में आकर बिक रहे हैं। भारत के लघु और मध्यम उद्योग खत्म होते चले जा रहे हैं। भारत एक ट्रेडिंग का हब बन गया है। बाहर से सामान आता है और यहां बिकता है। ग्रामीण एवं छोटे नगरों में छोटे कारखाने, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग और नवाचार आधारित उत्पादक भारतीय अर्थव्यवस्था की रीड की हड्डी हैं। इसी हड्डी को पिछले 1 साल में कमजोर किया गया है। लघु एवं मध्यम उद्योगों को छोटे-छोटे रोजगार को ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्य सरकार यदि नियम एवं कानून बनाती हैं तो उससे बेरोजगारी और महंगाई से निजात मिलेगी। लोगों की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। 2014 में जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आई है उसके बाद सभी क्षेत्रों में 100 फ़ीसदी विदेशी निवेश को अनुमति दे दी गई है। उसके बाद भारत में लघु एवं मध्यम दर्जे के उद्योग बुरी तरह से चरमरा गए हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने जो नियम और कानून तैयार किए हैं उसके कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में लाखों रोजगार के अवसर हर साल बंद होते जा रहे हैं। अब तो मिठाई की दुकान में भी डिब्बा बंद सामग्री मिलती है। यह सामग्री या तो मशीनों से तैयार होती है या विदेश से आती है। स्थानीय उत्पाद पूरी तरह से खत्म हो गया है। छोटे-छोटे उद्योग धंधे पूरी तरह से खत्म हो गए हैं, जिसके कारण बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। केंद्र सरकार पिछले एक दशक से यह कहती आ रही है कि हमने रोजगार के लिए बैंक से ऋण उपलब्ध कराया है, जिससे रोजगार बढा है। बैंकों से जिन्होंने कर्ज लिया वह कर्ज की किस्त भी नहीं अदा कर पाए। बैंक ने उन्हें डिफाल्टर घोषित कर दिया है। बैंक अब सख्ती से पैसे वसूल कर रहे हैं। वास्तविकता यही है जिसे सरकार देखकर भी अनदेखा कर रही है। आज भारत के पास युवा जनसंख्या है। डिजिटल कौशल और घरेलू मांग भी है। यदि इन तीनों को लघु उद्योगों और निर्माण क्षेत्र से स्थानीय आधार पर जोड़ा जाएगा तो इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा, बल्कि गरीबी भी सही मायने में तेजी के साथ घटेगी। सरकार की नीतियां तब ही सफल मानी जाएंगी, जब नीतियों के लाभ आम जन जिसमें गरीब और मध्यम वर्ग दोनों हों। तभी देश का तेजी के साथ विकास होता है। हर हाथ को काम मिलता है। लोगों की क्रय शक्ति बढ़ती है। वर्तमान स्थिति में सरकार को वास्तविक स्थितियों के साथ नीतियां बनानी होंगी। सरकार अपनी लोकप्रियता को देखते हुए सच से मुंह छुपाती है। आंकड़ों के जरिए अपने चेहरे को चमकाने का प्रयास करती है। लेकिन यह प्रयास ज्यादा समय तक नहीं चलता है। वर्तमान में अमीरों के पास धन बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। गरीब और गरीब होता चला जा रहा है। आम जनता के ऊपर कर्ज का बोझ बढ़ता चला जा रहा है। आम जनता के पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं। गरीबों के पास बच्चों को खिलाने के लिए पोषण आहार नहीं है। छोटे और मध्यम रोजगार पूरे देश भर में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी तेजी के साथ बंद हुए हैं। सरकार को वास्तविकता को समझते हुए नीति बनाने की जरूरत है। शेयर बाजार और बड़े लोगों के ढंग से बड़ी हुई जीडीपी कोई काम नहीं आती है। इसे भी सरकार को ध्यान में रखना होगा।

युद्ध में संयम और धैर्य जरूरी

संजय गोस्वामी

पेंटागन ने हाल ही में घोषणा की कि अमेरिका ने ईरान पर जो अभियान चलाया था, उसका नाम ऑपरेशन मिडनाइट हैमर था। यह 21-22 जून, 2025 की मध्यरात्रि के आसपास ईरान की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका के नेतृत्व में किए गए गुप्त सैन्य हमले का कोडनेम है।इसका उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करना था । जो लगभग सफल रहा है इस समन्वित हमले में 125 से अधिक सैन्य विमान शामिल थे, जिनमें बी-2 स्टील्थ बॉम्बर, 14 जीबीयू-57 बंकर-बस्टर बम की तैनाती और फारस की खाड़ी और अरब सागर में अमेरिकी पनडुब्बियों से लॉन्च की गई 30 से अधिक टॉमहॉक मिसाइलें शामिल थीं। सेटेलाइट इमेज से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि परमाणु सुविधा नष्ट हो गई है, विकिरण बाहर नहीं आ सकता क्योंकि यह बहुत गहरे भूमिगत में था। यह हमला पहली बार था जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने सबसे बड़े बंकर-बस्टिंग बम, जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (एमओपी) का इस्तेमाल किसी ऑपरेशनल संघर्ष में किया था। इस अभियान में फोर्डो और नतांज़ में दो यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं और इस्फ़हान में एक सुविधा को निशाना बनाया गया, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित कई गतिविधियों का संचालन करती है। नतांज़ और फोर्डो ईरान में एकमात्र परिचालन संवर्धन सुविधाएँ हैं। अमेरिका ने नातान्ज़ और फोर्डो पर एमओपी से सुसज्जित बी-2 बमवर्षकों से हमला किया तथा केवल इस्फ़हान पर टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों से हमला किया। फोर्डो इतना महत्वपूर्ण क्यों है? ईरानी शहर क़ोम से 29 किलोमीटर उत्तर में एक पहाड़ के भीतर स्थित, फोर्डो यूरेनियम संवर्धन सुविधा ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भीतर एक अत्यधिक संरक्षित और रणनीतिक रूप से केंद्रीय स्थल है। इसकी भूमिगत स्थिति संभावित हवाई बमबारी के खिलाफ महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करती है, एक डिज़ाइन विकल्प जो इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का संकेत देता है। यह सुविधा लगभग 54,000 वर्ग फीट में फैली हुई है और माना जाता है कि इसमें 3,000 सेंट्रीफ्यूज हैं। 2015 की संयुक्त व्यापक कार्य योजना की शर्तों के तहत, ईरान को फोर्डो में संवर्धन गतिविधियों का संचालन करने से स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया था। बी-2 बमवर्षक विमान जमीन से 200 फीट नीचे तक बहुत ही आक्रामक होता है, चाहे वह स्टील हो या कंक्रीट अब जबसिजफायर की घोषणा हुई है तो शांति से काम लेना चाहिएदूसरे देश ईरान पर युद्ध के लिए दबाव बना रहे हैं कि ईरान को परमाणु बम मिल जाएगा जिससे तनाव का माहौल बन रहा है। ट्रंप ने जो भी कहा है कि इजरायल उसके खिलाफ कभी कुछ नहीं करेगा। ईरान को परमाणु बम मिलने पर पूरी तरह से ईरान आक्रामक पूरी तरह से आक्रामक हो गया हैजिससे आम जनता को नुकसान हो रहा है 1960 के दशक की शुरुआत में, राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी को एक जटिल भू-राजनीतिक स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसने उनके प्रशासन को इजरायल की गुप्त परमाणु महत्वाकांक्षाओं में उलझा दिया। इस संघर्ष के केंद्र में इजरायल का परमाणु हथियार कार्यक्रम था, जिसका जेकेएफ (JFK) ने कड़ा विरोध किया, खासकर यह पता चलने के बाद कि देश अत्यधिक संदिग्ध परिस्थितियों में संयुक्त राज्य अमेरिका से यूरेनियम प्राप्त कर रहा था। इजरायल की परमाणु महत्वाकांक्षाओं और चुराए गए यूरेनियम का मामला दशकों से साज़िश और संदेह का स्रोत रहा है, कुछ विशेषज्ञों ने तो यह भी सुझाव दिया कि इजरायल के परमाणु विकास के प्रति कैनेडी के विरोध ने 1963 में उनकी दुखद हत्या में योगदान दिया हो सकता है। परमाणु प्रसार पर कैनेडी की स्थिति अडिग थी। उन्होंने परमाणु हथियारों के प्रसार को वैश्विक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में देखा, और इजरायल की परमाणु महत्वाकांक्षाएं उनके लिए एक बड़ी चिंता का विषय थीं। राष्ट्रपति ने इजरायल सरकार पर अपने गुप्त परमाणु हथियार कार्यक्रम को छोड़ने के लिए दबाव डालने की कोशिश की, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) द्वारा इजरायल की डिमोना परमाणु सुविधा के संस्थागत, नियमित निरीक्षण के लिए दबाव डाला। यह न केवल एक कूटनीतिक चिंता थी बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला था।

देश की एकता व अखंडता के लिये खतरनाक है भाषाई विवाद

निर्मल रानी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि इस देश में अंग्रेज़ी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफ़ी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेज़ी को रोज़गार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेज़ी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। जबकि कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमज़ोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नज़रों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्रेज़ी बोलते हैं। कई प्रमुख मंत्री हैं तो ऐसे भी हैं जो अंग्रेज़ी में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए ही जाने जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण अंग्रेज़ी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से अर्थशास्त्र की डिग्री धारक है। वित्तीय नीतियों पर वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके अंग्रेज़ी बोलने के कौशल को दर्शाते हैं। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनयिक भी रहे हैं, अंग्रेज़ी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और कूटनीतिक चर्चाओं में प्रायः अंग्रेज़ी का व्यापक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अंग्रेज़ी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेज़ी उनकी क़ाबलियत में चार चाँद लगाती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेज़ी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेज़ी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टैनफ़ोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेज़ी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेज़ी में पूरी तरह से पारंगत हैं। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेज़ी में संवाद करते हैं। ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेज़ी बोलने वालों को शर्म आएगी,इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद ज़रूरी है। क्यों शर्म आयेगी अंग्रेज़ी बोलने वालों को ? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर पर ही सही परन्तु अंग्रेज़ी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं ? कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइये ,यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेज़ी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेज़ी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों,सांसदों व अधिकारियों व राज्य स्तरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमेरिका,ब्रिटेन,ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। ज़ाहिर है राष्ट्रवादियों की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के लिये नहीं गयी हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेज़ी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेज़ी बोलने में शर्म आएगी ?

इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं। परन्तु अदालत से लेकर संसद व दूतावासों तक व मेडिकल व विज्ञान शिक्षा में ख़ासकर प्रयुक्त होने वाली अंग्रेज़ी भाषा को शर्म वाली भाषा तो हरगिज़ नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री के अनुसार यदि शर्म ही आने की संभावना है तो कम से कम अपनी सरकारी योजनाओं का मेक इन इंडिया,डिजिटल इंडिया,स्टार्टअप इंडिया जैसा अंग्रेज़ी नाम तो न रखते ? इस सम्बन्ध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेज़ी सीखना आर्थिक रूप से उपयोगी है और इससे रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं। राहुल गांधी ने शाह के इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता पर हमला बताया। कांग्रेस ने तो इसे सांस्कृतिक आतंकवाद का हिस्सा बताया और कहा कि अंग्रेज़ी वैश्विक संदर्भ में भारत के युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके ने भी शाह के बयान को हिंदी थोपने की एक और कोशिश के रूप में देखा है । डीएमके ने तर्क दिया कि अंग्रेज़ी भारत की भाषाई विविधता को जोड़ने वाली कड़ी है और इसे कमज़ोर करना देश की एकता के लिए हानिकारक हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने अन्नादुरै का हवाला देते हुए कहा कि हिंदी को जबरन थोपना स्वीकार्य नहीं है। इसी तरह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने शाह की टिप्पणी को उनकी संकीर्ण राजनीति का परिचायक बताया और कहा कि अधिक भाषाएं सीखने से ज्ञान में वृद्धि होती है, न कि शर्मिंदगी। भारत में लोग अपनी पसंद की भाषा बोलने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेज़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण सेतु है। यह न केवल रोज़गार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके विपरीत अंग्रेज़ी को हटाने या कम करने से भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित हो सकती है।इसलिये कहा जा सकता है कि अमित शाह का बयान अदूरदर्शी होने के साथ साथ पूर्वाग्रह पूर्ण भी है जोकि भारत की भाषाई विविधता को नज़रअंदाज़ करता है। वैसे भी हमारे समाज में अंग्रेज़ी बोलने वालों को हमेशा इज्ज़त की नज़र से देखा जाता है, इसलिये भी यह बयान सामाजिक समानता के विरुद्ध है। रहा सवाल अंग्रेज़ी को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ने की मानसिकता को औपनिवेशिक सोच से जोड़ने का परिणाम बताना तो हमारा पहनावा,उपयोग की वस्तुयें,क्रॉकरी,मकानों की बनावट वैज्ञानिक सामग्रियों पर बढ़ती निर्भरता यह सब भी पश्चिमी प्रभाव का ही परिणाम है। हम किन किन चीज़ों को पश्चिमी कहकर ठुकराते रहेंगे ? इस तरह के ग़ैरज़िम्मेदाराना बयानों से हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं का भला तो नहीं होगा बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण ज़रूर बढ़ सकता है। ख़ासकर दक्षिणी राज्यों में इसे क्षेत्रीय अस्मिता पर हमले के रूप में भी देखा जा सकता है। इसलिये देश की एकता व अखंडता के लिये भाषाई विवाद खड़ा करना बेहद ख़तरनाक है।

आपातकाल के दौरान नसबंदी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ था

संजय गोस्वामी

जून 1975 में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय (अब प्रयागराज) ने राजनीतिज्ञ राज नारायण द्वारा दायर चुनावी धोखाधड़ी के मामले में गांधी के खिलाफ फैसला सुनाया, जिन्हें गांधी ने 1971 के आम चुनाव में हराया था। अदालत ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र में उनकी चुनावी जीत को रद्द कर दिया और आदेश दिया कि वे छह साल तक राजनीति से दूर रहें। गांधी ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की, लेकिन उन्हें अनुकूल जवाब नहीं मिलाः उन्हें प्रधानमंत्री बने रहने की अनुमति दी गई, लेकिन उनके संसदीय विशेषाधिकार रद्द कर दिए गए और उन्हें वोट देने से रोक दिया गया। जैसे-जैसे उनके इस्तीफे की मांग बढ़ती गई, राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने गांधी की सलाह पर काम करते हुए 25 जून, 1975 को पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। इस अवधि के दौरान, दिल्ली में बिजली काट दी गई, जहां अधिकांश मीडिया आउटलेट स्थित थे। कोई भी समाचार पत्र नहीं छप सका और भारतीयों को अगली सुबह ऑल इंडिया रेडियो के माध्यम से आपातकाल की खबर मिली। यह महीनों तक सख्त प्रेस सेंसरशिप की शुरुआत थी, जिसका मुख्य लक्ष्य गांधी द्वारा आपातकालीन शक्तियों के दावे, उनकी नीतियों और उनके बेटे संजय गांधी की कार्रवाइयों की आलोचना थी - जो कथित तौर पर जबरन नसबंदी जैसे कुछ सबसे बुरे दुर्व्यवहारों के लिए जिम्मेदार थे। सेंसरशिप आपातकाल के सांस्कृतिक चित्रण और उस अवधि के दौरान ली गई तस्वीरों के प्रकाशन तक फैली हुई थी।

निवारक निरोध कानूनों का इस्तेमाल इंदिरा गांधी के विरोधियों को जेल में डालने के लिए किया गया था, जिनमें देसाई, नारायण, फर्नांडीस और नारायण शामिल थे। कैद किए गए अन्य नेताओं में चरण सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी (जो बाद में प्रधानमंत्री बने), लाल कृष्ण आडवाणी और मुलायम सिंह यादव शामिल थे। विपक्ष के हिरासत में होने के साथ, सरकार ने विधायी शक्तियों का विस्तार करने और न्यायपालिका के अधिकार को प्रतिबंधित करने के लिए संविधान में संशोधन किया। इन संशोधनों के परिणामस्वरूप, आपातकाल की न्यायिक समीक्षा समाप्त हो गई और प्रधानमंत्री के चुनाव को अब अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती थी। गांधी ने कई अलोकप्रिय नीतियों को भी लागू किया, जैसे कि सामूहिक नसबंदी - जिनमें से कुछ जबरन की गई थीं - जनसंख्या नियंत्रण के साधन के रूप में गरीब पुरुषों को लक्षित करना (यह पहल उनके बेटे संजय गांधी द्वारा की गई थी)। इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा ट्रेड यूनियनों और मजदूरों के अधिकारों पर एक महत्वपूर्ण दमन किया गया, साथ ही दिल्ली में इमारतों को ध्वस्त किया गया जिससे हज़ारों निवासियों को विस्थापित होना पड़ा। पुलिस ने दो अलग-अलग मौकों पर नागरिक भीड़ पर भी गोलीबारी कीः अप्रैल 1976 में दिल्ली के तुर्कमान गेट पर बर्बरता के खिलाफ़ प्रदर्शन के दौरान, और अक्टूबर 1976 में उत्तर प्रदेश के मुज़फ़्फ़रनगर में नसबंदी विरोधी प्रदर्शन के दौरान। आपातकाल के लगभग 50 साल पूरे हो चुके हैं, जिसमें देश आज़ादी के बाद अपने ही तानाशाही शासन से पीड़ित था। उस समय मेरी उम्र लगभग 5 साल थी।

लोगों में काफ़ी गुस्सा था। कभी गोली से मारे गए किसी व्यक्ति के परिवार की चीखें सुनाई देतीं, तो कभी किसी घायल व्यक्ति के अस्पताल में भर्ती होने की ख़बरें सुनाई देतीं। इसके मुख्य किरदार स्वर्गीय संजय गांधी थे, जो एक तानाशाह थे। उस समय लोग पटना के गोलघर से स्वर्गीय जयप्रकाश नारायण के धरना प्रदर्शनों को देखते थे क्योंकि अगर कोई उनके खिलाफ़ आवाज़ उठाता था, तो वह लोकनायक जयप्रकाश थे। हर दिन छात्र आंदोलन करते थे। कुछ को गोली मार दी जाती और कुछ खून से लथपथ हो जाते। मैं समझ नहीं पाया कि यह क्या था। बाद में मुझे पता चला कि हाईकोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित कर दिया था। उन्हें धांधली और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के लिए सत्ता छोड़ने को कहा गया था। उस समय लोग कहते थे कि देखो हाईकोर्ट का जज कितना ताकतवर है और बाद में उनके सत्ता में बने रहने का विरोध हुआ। बदले में आपातकाल लगा दिया गया। उस समय मेरे पूज्य दादा स्वर्गीय कैलाश नारायण गोस्वामी मुझे पटना के गोलघर पर चढ़ने के लिए ले गए और वहां से बड़ी संख्या में लोग स्वर्गीय लोकनायक जयप्रकाश के साथ दूर से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें जबरन जेलों में डाल दिया। मैं रेडियो पर कुछ सुनता था लेकिन जब मैंने दीवारों पर लिखा पाया कि नसबंदी के तीन एजेंट इंदिरा, संजय बंशी लाल, मुझे उस समय यह भी नहीं पता था कि नसबंदी क्या होती है और मैंने अपने परिवार में सबके सामने पूछा कि नसबंदी क्यों की जाती है रात को शहर में कुछ लोगों के रोने की आवाज सुनी। पता चला कि बिना टिकट यात्रा करने के कारण उनके बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नसबंदी तो हो गई थी लेकिन मुझे नहीं पता था कि इससे क्या होगा। मुझे लगा कि उसके अंग खराब हो जाएंगे और पेशाब में कुछ दिक्कत होगी। बाद में किसी ने कहा कि अब उसके बच्चे नहीं होंगे। तब मैं समझ नहीं पाया और मैंने 5 साल की उम्र में विनाश का दर्दनाक मंजर सुना।

बाद में कुछ ऐसा हुआ कि मैं भी समझ नहीं पाया नसबंदी से क्या होगा। सुनते हैं भगवान राम स्वयं संत के वेश में अत्याचारों का बदला लेने आए हैं क्योंकि लोगों ने बताया कि जिस संत की नसबंदी की गई थी और ऑपरेशन के लिए जिसके शरीर के बाल छीले गए थे, वह यह कहकर गायब हो गए कि संजय तुम यह सब क्रूरता कर रहे हो, तुम्हारी मृत्यु निकट है और मेरे यह सभी बाल रामायण में चले गए ताकि लोगों को पता चले कि भगवान राम भारत के दिल में बसते हैं और जब दादाजी ने रामायण खोली तो उन्हें उसमें बाल दिखाई दिए और मैंने भी लगभग सभी के घर में रामायण के अंदर छोटे-छोटे बाल देखे जो पन्नों के अंदर थे, बाद में वे गायब हो गए और जब आपातकाल खत्म हुआ तो उनकी खुद मृत्यु हो गई। जब संजय गांधी पटना के मंगल तालाब में भाषण देने आए तो मैंने कहा संजय गांधी बदमाश है, तुम उसका भाषण क्यों सुन रहे हो बाद में जब चुनाव का समय आया तो सरकार का इतना विरोध हुआ कि हल से घिरे किसान वाला कागज जनता दल को वोट देने के लिए बनाया गया और लोग चुनाव के लिए चंदा दे रहे थे और उस समय मेरे पिताजी ने 20 रुपए का दान दिया जो उस समय के हिसाब से बहुत बड़ी रकम थी क्योंकि उस समय 1 पैसे में भी एक चॉकलेट मिल जाती थी।

बाद में जब इंदिरा गांधी की कांग्रेस पार्टी का चुनाव चिन्ह पंजा निशान था, बाद में जनता पार्टी की जीत हुई तो लोगों में उत्साह देखा गया और शायद स्वर्गीय मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने जो एक भारतीय राजनीतिज्ञ और स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने 1977 से 1979 के बीच भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया और जनता पार्टी द्वारा बनाई गई सरकार का नेतृत्व किया। कुछ वर्षों के बाद सुनने में आया कि इंदिरा गांधी फिर से प्रधानमंत्री बन गई हैं तो लोगों ने बताया कि साहूकारों की दाल, चावल और सोने के दाम बढ़ गए हैं और जनता महंगाई से त्रस्त है। इसी बीच लोगों ने यह भी कहा कि कुछ भी हो जाए सरकार तो कांग्रेस ही चला सकती है। फिर भी मेरे घर में लोग उन्हें पसंद नहीं करते थे। लेकिन रेडियो पर उनके भाषण ने मुझे इस तरह बदल दिया कि जब इंदिरा गांधी पटना के गांधी मैदान में भाषण देने आईं तो मेरा घर पटना शहर से करीब 10 किलोमीटर दूर था और मैंने अपने पिता से जिद की कि मुझे ले चलें, जिस पर मेरे पिता ने मुझे थप्पड़ मार दिया, जिस पर मेरी मां ने मेरे पिता को डांटा और कहा कि मुझे ले चलें. मां के दिल में ऐसा प्यार है जो अमर है. उसका स्नेह और सहानुभूति बहुत अधिक है. इसलिए एक बात जान लीजिए कि मां आपको दिल से प्यार करती है और जितना आप सेवा करेंगे, उतना ही आपको फल मिलेगा. मैंने भाषण सुना. वहां काफी भीड़ थी. उसके बाद मैं छठ पूजा के लिए अपने नानी के घर नयागांव गया. उस समय गांव में क्या हो रहा था? गाने सुनना, लोग ताश खेल रहे थे, खेतों में क्रिकेट खेल रहे थे, गंगा में नहाना और फिल्में देखना. वो अनमोल पल थे. उस साधु ने पहले ही बता दिया था और लोगों में कोई दुःख नहीं देखा गया था। इसलिए जैसा बोओगे वैसा काटोगे। यही भगवान ने सिखाया है।

अत्याचार मत करो और जब भी धर्म यानी मानवता खतरे में आएगा, मैं तुम्हें बचाने आऊंगा। बाद में जब मैं आठवीं कक्षा में गया तो मुझे कक्षा में नसबंदी के बारे में पता चला। कि पुरुष के शुक्राणु और महिला के अंडाणु के मिलन से बच्चा पैदा होता है। यह भी शिक्षक ने कक्षा में नहीं बल्कि अकेले में बताया था। वे जीव विज्ञान के शिक्षक थे। खैर, यह दुनिया को चलाने के लिए भगवान द्वारा बनाई गई एक प्रक्रिया है, जिसका अपना महत्व है। इसलिए, आपको खुद में सुधार करना चाहिए। आप कितने बच्चे चाहते हैं, इसकी कोई बाध्यता नहीं होनी चाहिए। भगवान महान हैं और बुराई का परिणाम भी बुरा होता है। यहां आप आपातकाल के 50 साल पुराने इतिहास को याद करके कांग्रेस की आलोचना कर रहे हैं, जबकि ईरान और इजरायल युद्ध विराम के बाद जश्न मना रहे हैं। अब कौन जीता और कौन हारा, यही भारत-पाकिस्तान वाला नजारा देखने को मिला और अब ठीक उसी तरह युद्ध विराम करके ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार के दावेदार हैं। माना जा रहा है कि ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों को बी2 बम से नष्ट करने के बाद वे इतिहास बदलने की बात कर रहे हैं। भविष्य में कुछ चौंकाने वाली घटना देखने के लिए समय का इंतजार करें।

धार्मिक स्वतंत्रता की अनदेखी और 'एकात्म मानववाद' को बढ़ावा

राम पुनियानी

पिछले चार दशकों के दौरान भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने और डराने-धमकाने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती गई है। बाबरी मस्जिद के ढ़हाए जाने के बाद मुंबई में अभूतपूर्व हिंसा हुई जिसमें करीब एक हजार लोगों को जान खोनी पड़ी। सन् 1999 में पॉस्टर ग्राहम स्टेन्स को जिंदा जलाने की भयावह घटना हुई जिसे भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ। के। आर। नारायणन ने 'कलुषित घटनाओं की श्रृंखला में सबसे वीभत्स घटना' निरूपित किया था। गुजरात का नरसंहार गोधरा में ट्रेन जलाने के बहाने किया गया, जिसका नतीजा हुआ जबरदस्त धार्मिक ध्रुवीकरण और इसके बाद हुए चुनावों में भाजपा की जीत। इसके कुछ वर्षों बाद, 2008 में माओवादियों द्वारा स्वामी असीमानंद की हत्या के बाद कंधमाल में बहुत हिंसा हुई। चर्च जलाये गए और हत्याएं हुईं। सन् 2013 में मुजफ्फरनगर और 2019 में दिल्ली में हुई घटनाएं भी भीषण हिंसा की श्रेणी में आती हैं जिन्होंने देश को दुखी किया। यही नहीं गौहत्या और लवजिहाद के मुद्दों के कारण अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत और बढ़ी। सीएए से मुस्लिम समुदाय की तकलीफों में और वृद्धि हुई। विभिन्न स्थानों पर ईसाईयों की प्रार्थना सभाओं पर यह आरोप लगाकर हमले किए गए कि इनका उद्धेश्य धर्मपरिवर्तन करवाना है। इन सब घटनाओं के कारण पिछले चार दशकों में अल्पसंख्यकों के प्रति घृणा लगातार बढ़ती गई।

दुनिया धीरे-धीरे एक वैश्विक गांव का रूप लेती जा रही है और दुनिया में कई ऐसी संस्थाएं स्थापित हो गई हैं जो सारे विश्व में चल रहे घटनाक्रम पर नजर रखती हैं। ऐसी ही एक संस्था संयुक्त राज्य अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) है। 'जस्टिस फॉर ऑल' एक अन्य संस्था, जिसे संयुक्त राष्ट्र संघ में सलाहकार का दर्जा हासिल है, ने ''यूएससीआईआरएफ की मंगलवार, 25 मार्च 2025 को जारी की गई उस रपट की सराहना की जिसमें यह कहा गया है कि भारत में धार्मिक स्वतंत्रता कम होती जा

फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट बनें

तेजी से बदलते फैशन के इस दौर में फैशन कम्युनिकेशन के क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएं हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट का काम अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है।जब भी फैशन इंडस्टी की बात होती है तो लोग फैशन डिजाइनर या मॉडल बनने की ही चाहत रखते हैं। लेकिन यह एक ऐसी इंडस्टी है, जिसमें पिछले काफी सालों में बदलाव आया है और इसी कारण अब इस क्षेत्र में करियर की नई संभावनाओं ने जन्म दिया है। फैशन इंडस्टी में एक ऐसा ही करियर है फैशन कम्युनिकेशन है। यह तेजी से उभरता क्षेत्र है और अब युवाओं का आकर्षण इस ओर बढ़ने लगा है।

संभावनाएं

फैशन कम्युनिकेशन का कोर्स करने के बाद आप फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, फैशन पत्रकार, प्रोफेसर, डिजाइन सहायक, फैशन सहायक, फैशन मार्केटिंग मैनेजर, फैशन एडिटर, फैशन फोटोग्राफर, कला निर्देश आदि भूमिकाएं अदा कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के बाद कई इंडियन व इंटरनेशनल ब्रांड के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

योग्यात

इसके लिए डिप्लोमा या बैचलर डिग्री की जरुरत रहती है। इसके बाद आप फैशन कम्युनिकेशन में ही मास्टर और डॉक्टरेट भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके काम पर निर्भर करती है और अनुभव के साथ आमदनी भी बढ़ती है। वैसे शुरूआती दौर में आप सालाना 2 से 3 लाख रूपए आसानी से कमा सकते हैं।

क्या होता है काम

एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट को कई काम करने होते हैं। वह अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। अपने क्लाइंट व बिजनेस हाउस की तरफ से मीडिया के साथ कम्युनिकेट व डील करते हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट डिजाइन लेआउट, वेब पेज और मल्टीमीडिया डिजाइन डेवलप करता है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में आपकी मार्केटिंग स्टेटजी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही आपमें कम्युनिकेशन व नेटवर्किंग स्किल्स भी बेहतरीन होने चाहिए, इसके बिना आपको अपने क्षेत्र में कठिन संघर्ष करना पड़ सकता है। वहीं इस क्षेत्र में डेडलाइन पर काम करना होता है, इसलिए आपको कई-कई घंटे लगातार काम करना पड़ता है। इसलिए अगर आपमें धैर्य व कठिन परिश्रम करने की क्षमता नहीं है तो आप इस क्षेत्र में नहीं टिक पाएंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मौखिक व लिखित दोनों ही रूपों में अलग-अलग भाषा पर पकड़ अच्छी होनी चाहिए।

फिटनेस ट्रेनर की मांग बढ़ी

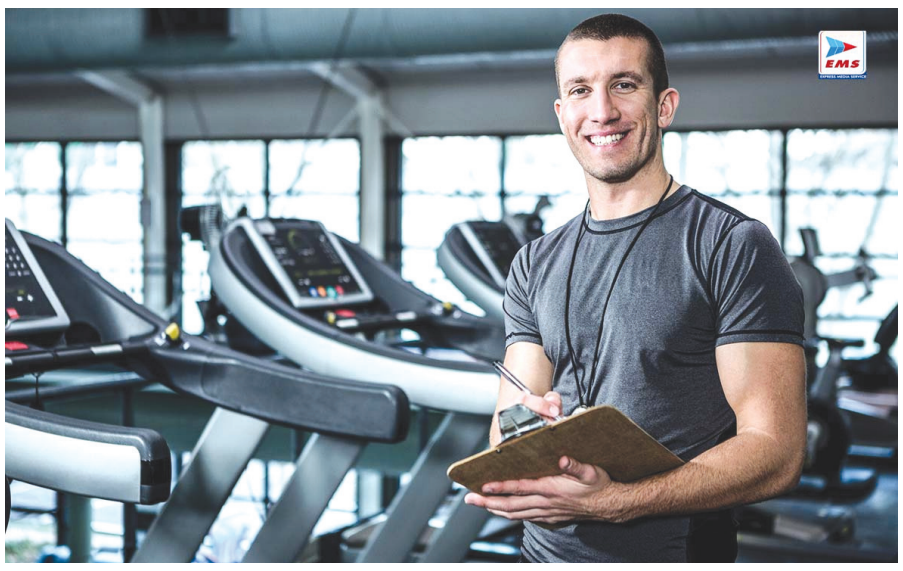

आज फिटनेस ट्रेनर की जरुरत जिम, बड़े होटल, हेल्थ क्लब, फिटनेस सेंटर, स्पा, टूरिस्ट रिसोर्ट आदि सभी जगहों पर है। कुछ अनुभव लेकर आप स्वयं का फिटनेस सेंटर भी शुरू कर सकते हैं। यहाँ तक कि बड़ी-बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियाँ भी अपने कर्मचारियों के लिए समय-समय पर वर्कप्लेस वेलनैस तथा फिटनेस प्रोग्राम का आयोजन करती हैं, जहाँ फिटनेस ट्रेनर की जबर्दस्त माँग होती है। है।भारत में फिटनेस उद्योग 2,000 करोड़ रुपए से भी अधिक पर हिस्सा रखता है। हाई टेक जिम और हेल्थ क्लब ने इसको युवाओं के बीच और अधिक प्रचलित बनाया है। कोर्स के बाद आप इसमें से किसी भी करियर का चुनाव कर सकते हैं। एथलीट ट्रेनर, डाइटिशियन, स्पोर्ट्स कोच, फिजिकल थेरेपिस्ट, कार्य का दायरा।एक फिटनेस ट्रेनर के तौर पर आपको शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ एरोबिक्स, फैलेक्सीबिल्टी ट्रेनिंग, बीएमआई, पोषण तथा ट्रेनिंग से जुड़े समस्त उपकरणों आदि का ज्ञान होना अनिवार्य है। इससे लोगों को सही सलाह देने में आसानी होती है। यदि आपको ये समस्त जानकारी है तो आप उनके शरीर के ढांचे और वजन को देखते हुए उनके लिए एक अच्छी डाइट निर्धारित कर सकते हैं और फिट रहने के लिए उपकरणों के सही प्रयोग के बारे में ज्ञान दे सकते हैं। एक फिटनेस ट्रेनर को मूलतः फिटनेस, न्यूट्रिशियन, वेट मैनेजमेंट, स्ट्रैस रिडियूशन, हेल्थ रिस्क मैनेजमेंट आदि जैसे विषयों पर ध्यान देना होता है। एरोबिक्स इंस्ट्रक्टर के तौर पर आप वर्कआउट सत्र में एरोबिक्स, स्टेचिंग तथा मसल्स एक्सरसाइस पर ध्यान देते हैं। खेल जगत में एथलीट का स्टेमिना बढ़ाने के लिए आप जॉगिंग, वेट लिफ्टिंग, पुशअप जैसे विशेष व्यायामों पर जोर देते हैं। यदि आप योग व नैचुरोपैथी एक्सपर्ट हैं तो व्यायाम से रोग-मुक्त रहने के गुर भी सीखाते हैं। फिटनेस ट्रेनर के रूप में आपको अच्छी बातचीत और व्यावहारिक कला भी आनी चाहिए क्योंकि आप कई प्रकार के लोगों के संपर्क में आते हैं। हालाँकि कोर्स के तुरंत बाद मासिक आय कुछ कम होती है पर अनुभव के साथ-साथ आप हाइट एंड फिटनेस सेंटर, स्पा और रिसोर्ट से जुड़कर अच्छी कमाई कर सकते हैं।

अगर करने जा रहें है अपना करोबार

अगर आप अपना कारोबार करने की योजना बना रहे हैं और चाहते हैं कि आपका काम सफल हो, तो हम आपके लिए ऐसे टिप्स लेकर आए हैं जिन्हें अपना कर आप आगे बढ़ सकते हैं। इसमें आपको अच्छा फायदा भी होगा। बिजनेस की शुरुआत करने से पहले इन नियमों का पालन करें।

पॉजिटिव सोचें

आपको ऐसे लोग मिल जाएंगेजो कहेंगे फलां बिजनेस में नुकसान है, कोई फायदा नहीं है। इसलिए बिजनेस में सफलता चाहते हैं तो उसे दिन-प्रतिदिन एक बड़े स्तर पर ले जाने की कोशिश करें और सकारात्मक सोचें।

दृढ़ता के साथ काम करें

अपने लक्ष्य के लिए कितने गंभीर है, ये आपके दृढ़ लक्ष्य पर निर्भर करता हैं। एक बिजनेस में लाभ और हानि

दोनों हो सकती है, लेकिन इन सब के बारे में ना सोचकर आप एक दृढ़ विश्वास के साथ आगे बढ़ते रहें। ऐसे में सफलता जरुर मिलेगी।

मजबूत योजना के साथ उतरें मैदान में

कोई भी कारोबार एक योजना के बिना अधूरा है। कब क्या करना है, कैसे करना है, आप कितने पैसे कहां लगाना चाहते हैं। ये सब कुछ आप की योजना में शामिल होना आवश्यक है।

एक स्किल सेट करें

आप एक बिजनेस शुरू करने जा रहे हैं तो जरूरी नहीं है कि आप सब कुछ स्वयं कर लेंगे। जिस चीज में आपका अच्छा स्किल है, सिर्फ वही करें सभी कामों में हाथ ना डालें।

सेहत का रखें ख्याल

जितना काम जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी आपकी सेहत है। अगर किसी वजह से आपके कारोबार में नुकसान हो जाता है, तो उसका असर सेहत पर ना पड़ने दें।

सलमान ने किया अपनी बीमारी का खुलासा

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान अपनी फिटनेस और शानदार पर्सनैलिटी के लिए मशहूर हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने एक ऐसा खुलासा किया जिससे उनके लाखों फैंस चौंक गए। 'द कपिल शर्मा शो' में बातचीत के दौरान सलमान ने बताया कि वह एक गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया से पीड़ित हैं, जिसे "सुसाइड डिजीज" भी कहा जाता है। सलमान ने कहा कि इस बीमारी में चेहरे की नसों में असहनीय दर्द होता है, और कई बार यह इतना तीव्र होता है कि लोग आत्महत्या तक कर लेते हैं। सलमान ने बताया कि उन्हें इस बीमारी के लक्षण सालों पहले महसूस हुए थे और वह लंबे समय तक इसका इलाज करवाते रहे। इलाज के लिए वह अमेरिका तक गए थे, जहां उनका एवीएम (आर्टियोवीनस मालफॉर्मेशन) नामक प्रक्रिया के ज़रिए इलाज हुआ। इतना ही नहीं, सलमान ने यह भी बताया कि जब वे टाइगर ज़िंदा है और बजरंगी भाईजान जैसी एक्शन फिल्मों की शूटिंग कर रहे थे, उस समय भी वह इस बीमारी से जूझ रहे थे, लेकिन उन्होंने कभी भी काम से ब्रेक नहीं लिया। यह सुनकर दर्शक और कपिल खुद भी हैरान रह गए।

दीपिका कक्कड़ का इमोशनल पोस्ट

टेलीविजन एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ इन दिनों स्वास्थ्य और निजी जीवन को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने एक बड़ी सर्जरी करवाई, जिससे वह धीरे-धीरे उबर रही हैं। एक दिन पहले उन्होंने अपने पति शोएब इब्राहिम के लिए एक खास नोट लिखा था, अब उन्होंने अपने बेटे के नाम भी एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। दीपिका ने इंस्टाग्राम पर बेटे का एक प्यारा वीडियो साझा करते हुए लिखा, "मेरी हर दुआ तेरे लिए है।" यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और फैंस ने उनके जज़्बातों की सराहना की है। दीपिका और शोएब की जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक मानी जाती है। बेटे के जन्म के बाद से दीपिका का ध्यान पूरी तरह से परिवार पर केंद्रित है। उनका यह भावुक पोस्ट बताता है कि वह अपनी मां की भूमिका को कितनी गंभीरता से निभा रही हैं।

शिवांगी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस शिवांगी जोशी इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। उनके और अभिनेता कुशाल टंडन के ब्रेकअप की खबरों ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। हाल ही में कुशाल ने एक पोस्ट शेयर कर इस बात का खुलासा किया कि उनका और शिवांगी का पांच महीने पहले ही रिश्ता खत्म हो चुका है। हालांकि उन्होंने यह पोस्ट कुछ ही मिनटों में डिलीट कर दिया, लेकिन तब तक फैन्स इसका स्क्रीनशॉट ले चुके थे। अब शिवांगी जोशी ने भी एक पोस्ट साझा की है, जिसमें उन्होंने खुद से प्यार करने और खुद को सहारा देने की बात कही है। उन्होंने लिखा, बेबीगर्ल, अभी अपने आप से थोड़ा ज्यादा प्यार करो। तुम बहुत कुछ संतुलित कर रही हो और अपना बेस्ट दे रही हो। अपना पूरा ग्रेस दो। बता दें कि दोनों की मुलाकात जुलाई 2023 में शुरू

हुए शो बरसातें- मौसम प्यार का के दौरान हुई थी और अक्टूबर 2023 में कुशाल ने रिश्ते की पुष्टि की थी। उस समय उन्होंने कहा था कि वह प्यार में हैं लेकिन शादी की कोई जल्दी नहीं है। अब पांच महीने पहले ही उनके रास्ते अलग हो चुके हैं।

शादी के बाद मुंबई लौटीं लॉरेन गॉटलिब

'एबीसीडी' फेम एक्ट्रेस लॉरेन गॉटलिब इन दिनों अपनी शादी को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने 11 जून को अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड टोबियास जोन्स संग बेहद निजी तरीके से शादी रचाई थी। शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर कपल ने फैंस को चौंका दिया था। अब शादी के कुछ ही दिनों बाद लॉरेन मुंबई लौट आई हैं। हाल ही में उन्हें पहली बार शादी के बाद पब्लिक प्लेस पर स्पॉट किया गया। मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आईं लॉरेन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस दौरान वह बेहद खुश नजर आईं और पैपराजी के सामने झूमती और मुस्कुराती दिखीं। एक्ट्रेस ने फ्लोरल टॉप और नैवी पैंट में कैजुअल लेकिन स्टाइलिश लुक कैरी किया था। खास बात ये रही कि उन्होंने कैमरों के सामने अपनी खूबसूरत डायमंड रिंग भी फ्लॉन्ट की और फैंस के साथ पोज दिए। शादी के बाद उनका ये पहला पब्लिक अपीयरेंस फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

गार्डन डिजाइनिंग में भी बना सकते हैं करियर

अगर आप प्रकृति के करीब हैं और आपकी रुचि पेड़ पौधों को लगाने और बगीचों को संवारने में है तो आप गार्डन डिजाइनिंग में भी अपना करियर बना सकते हैं। आज के दौर में युवाओं के सामने करियर बनाने के काफी विकल्प मौजूद हैं। अगर आपको प्रकृति से बेहद प्रेम हैं, तो यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें करियर बनाकर अच्छी खासी कमाई हो सकती हैं। गार्डन डिजाइनिंग की मांग लगातार बढ़ रही है। गार्डन डिजाइनिंग में करियर के लिए होनी चाहिये ये योग्यताएं।

क्रिएटिव होना जरुरी

गार्डन डिजाइनर बनने के लिए क्रिएटिव होना बेहद जरूरी है। इसके लिए आपको प्रकृति से प्रेम तथा लगाव होना आवश्यक है, क्योंकि इसमें ज्यादा समय प्रकृति के बीच ही बीतता है। साथ ही गार्डन डिजाइनिंग में धैर्य की बहुत जरूरत होती है।
अधिकांश वे लोग इस पेशे में आते हैं, जिनके पास जिनके पास लैंडस्केप आर्किटेक्चर, हॉर्टीकल्चर, गार्डनिंग आदि में डिग्री होती है। भारत में कुछ इंस्टीट्यूट्स गार्डनिंग और लैंडस्केपिंग में शॉर्ट ऑर लॉन्ग टर्म कोर्स करवाते हैं। वहीं अगर आप कुछ एडवांस करना चाहते हैं, तो फ्लोरीकल्चर और लैंडस्केप गार्डनिंग में सर्टिफिकेट कोर्स करने के अलावा लैंडस्केपिंग में मास्टर्स कर सकते हैं। सर्टिफिकेट कोर्स लिए स्टूडेंट्स का हायर सेकंडरी, जबकि मास्टर्स के लिए आर्किटेक्चर में ग्रेजुएट होना जरूरी है।किसी भी गार्डन या लैंडस्केप की आर्ट डिजाइनिंग को गार्डन डिजाइनिंग कहते हैं। इस क्षेत्र में धैर्य की बहुत जरूरत होती है। इसमें आपको शारीरिक रूप से भी सक्षम होना होगा, क्योंकि आठ से दस घंटे मैदान में काम करना पड़ सकता है। इसके अलावा, अपने कस्टमर्स से अच्छे संबंध होने चाहिए, ताकि वे बार-बार आपकी सेवा लेने आएं।

विदेश में अच्छी संभावनाएं

भारत में एक गार्डन डिजाइनर 1.5 से 4 लाख रुपए के बीच आसानी से कमा सकता है। वहीं अनुभव होने पर तो और भी अधिक कमाई होती है। वैसे ऑस्ट्रेलिया या ब्रिटेन जैसे देशों में इससे ज्यादा पैकेज पर काम करने के विकल्प होते हैं। वहीं धीरे-धीरे भारत में इसका मार्केट अभी विकसित हो रहा है। कॉर्पोरेट कंपनीज भी वर्किंग प्लेस को एनवायर्नमेंट फ्रैंडली बनाने पर जोर देनी लगी हैं। गार्डन डिजाइनर्स लैंडस्केप कॉन्ट्रैक्टिंग, गार्डन कंसल्टेंसी, गार्डन राइटिंग और रिटेल नर्सरी जैसे सेक्टर्स में काम कर सकते हैं। अगर गार्डन डिजाइनर्स बनकर बाग -बगीचों की दुनिया में छाना चाहते हैं तो आप सिर्फ अपनी किएटिविटी पर ध्यान दें। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें क्रिएटिविटी ही सबसे अहम होती है।

अक्षय के साथ रिश्ता गहरी दोस्ती में बदल चुका हैः चित्रांगदा सिंह

मुंबई (ईएमएस)। हालिया रिलीज फिल्म 'हाउसफुल 5' की सफलता के बीच चित्रांगदा ने अक्षय कुमार के साथ दोबारा काम करने के अनुभव को लेकर अपनी भावनाएं साझा की हैं। चित्रांगदा ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार अक्षय के साथ काम किया था, तब दोनों के बीच एक औपचारिक रिश्ता था। लेकिन अब वह रिश्ता एक गहरी दोस्ती में बदल चुका है। उन्होंने कहा कि अक्षय सेट पर अक्सर शरारतें करते हैं, शायद खुद को बोरियत से बचाने के लिए।

सीवी में न करें ये गलतियां

अगर आज कहीं नौकरी के लिए जा रहे हैं तो अपने सीवी पर ध्यान दें क्योंकि इसी को देखकर नियोक्ता आपके बारे में अपनी एक राय बनाता है। इसलिए नौकरी चाहिए तो सीवी को गंभीरता से लें। एक नियोक्ता के लिए सीवी आवेदनकर्ता की पूरी पहचान होता है और उसी के आधार पर वो नियुक्ति की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाता है, पर लोग अकसर सीवी में कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिसकी वजह से योग्य होने के बावजूद उन्हें कई बार नौकरी नहीं मिलती है। इसलिए जब भी सीवी बनाए इन इस प्रकार की भूल न करें।

अलग रंगों का न करें प्रयोग

ध्यान रहे जितना अहम सीवी होता है, उतना ही जरूरी उसका फॉन्ट और कलर सेलेक्शन भी होता है। सीवी में अलग-अलग तरह के फॉन्ट का इस्तेमाल करने से नियोक्ता को उसे पढ़ने में दिक्कत हो सकती है। इसके अलावा सीवी में कभी-कभी अलग-अलग तरह के रंगों का इस्तेमाल भी नहीं करना चाहिए। इससे नियोक्ता पर आपका प्रभाव खराब पड़ता है.

ज्यादा फोन नंबर न दें

सीवी में एक से ज्यादा फोन नंबर देना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। आप जितने ज्यादा फोन नंबर देंगे आपके अहम मैसेज को मिस करने के अवसर भी उतने ज्यादा होंगे। इसलिए सीवी में हमेशा एक ही नंबर दें और इस संशय को दूर ही रखें। सीवी में अपना मोबाइल नंबर देना सबसे ठीक रहता है, ताकि आपकी जॉब को लेकर जो भी लेटेस्ट अपडेट हो जल्द से जल्द मिल सके.

स्पेलिंग मिस्टेक न करें

सीवी में अगर आप स्पैलिंग मिस्टेक करते हैं तो जॉब मिलना संभव नहीं है। इससे नियोक्ता पर आपकी छवि एक गैरजिम्मेदार व्यक्ति की बनती है। साथ ही ये आपके लिखने की क्षमता पर भी सवाल खड़े करता है। इसलिए जब भी सीवी बनाए तो उसमें स्पैलिंग मिस्टेक्स को कई बार चेक करें.

कितना बड़ा होना चाहिए सीवी

सीवी बनाने की प्रक्रिया में उसकी लंबाई एक सबसे अहम फैक्टर होता है। जहां एक तरफ आपको सीवी में अपने हर एक अनुभव के बारे में बताना जरूरी होता है। वहीं दूसरी ओर उसकी लंबाई भी छोटी रखनी अतिआवश्यक होती है। जो सीवी ज्यादा क्रिस्पी होते हैं उनके अवसर भी ज्यादा होते हैं, लेकिन सीवी को छोटा करने के चक्कर में कभी भी अपनी किसी अहम बात को मिस न करें।

जॉब से जुड़ी उपलब्धियों के बारे में ही बतायें

नियोक्ता उन उपलब्धियों के बारे में कभी भी जानना नहीं चाहेंगे, जिनका आपकी जॉब से दूर-दूर तक कोई नाता न हो। इसलिए सीवी में हमेशा अपने जॉब से जुड़ी उपलब्धियों के बारे में बताएं।

संक्षिप्त खबरें

एक्मे सोलर को मिली आंध्र प्रदेश में 275/550 मेगावाट घंटे की बीईएसएस परियोजनाएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक्मे सोलर होल्डिंग्स को आंध्र प्रदेश में 275/550 मेगावाट घंटे की संचयी क्षमता वाली एकल बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) परियोजनाएं मिली हैं। कंपनी के अनुसार एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड आंध्र प्रदेश में कुप्पम और घनी में दो परियोजनाओं में 275/550 मेगावाट घंटा की संचयी क्षमता वाली बीईएसएस परियोजनाओं के लिए एनएचपीसी की निविदा में विजेता बोलीदाता के रूप में सामने आई है। बयान में कहा गया कि कुप्पम परियोजना के लिए उसने 50/100 मेगावाट घंटा की क्षमता के साथ 2,10,000 रुपये प्रति मेगावाट प्रति माह की दर पर और घनी परियोजना के लिए 225/450 मेगावाट घंटा की क्षमता के साथ 2,22,000 रुपये प्रति मेगावाट प्रति माह की दर पर बोली हासिल की। परियोजना के तहत एक्मे सोलर को 27 लाख रुपये प्रति मेगावाट या कुल परियोजना लागत का 30 प्रतिशत (जो भी कम हो) की दर से व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण प्राप्त होगा।यह नीलामी आंध्र प्रदेश में ऊर्जा भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए एनएचपीसी द्वारा फरवरी 2025 में जारी निविदा का हिस्सा थी। एक्मे सोलर होल्डिंग्स एक अग्रणी एकीकृत अक्षय ऊर्जा कंपनी है। इसके पास सौर, पवन, भंडारण, एफडीआरई और हाइब्रिड समाधानों सहित 6,970 मेगावाट और 550 मेगावाट घंटे का विविध खंड है।

नेस्ले इंडिया अपने शेयर धारकों को 1:1 बोनस शेयर जारी करेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। रोजमर्रा के उपयोग में आने वाली घरेलू वस्तुएं बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया के निदेशक मंडल ने अपने मौजूदा शेयरधारकों को 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव गुरुचसा कसे मंजूर कर लिया है। नेस्ले इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एक रुपये अंकित मूल्य का बोनस शेयर कंपनी के सदस्यों द्वारा धारित एक रुपये अंकित मूल्य के शेयर को पूर्ण रूप से जारी किया जाएगा। बोनस शेयर प्राप्त करने के लिए कंपनी के सदस्यों के अधिकार का निर्धारण करने की रिकॉर्ड तिथि की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। नेस्ले ने 19 जून को घोषणा की थी कि कंपनी का निदेशक मंडल बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगा। कंपनी के निवर्तमान चेयरमैन ने कहा कि नेस्ले इंडिया के निदेशक मंडल की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में 1:1 बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है जो 24 जुलाई को नेस्ले इंडिया द्वारा आयोजित असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में अंतिम मंजूरी के अधीन है। वर्ष 1996 के बाद यह पहला बोनस जारी किया गया है। इस घोषणा के बाद नेस्ले इंडिया के शेयर में तेजी देखने को मिली।

सिग्नेचर ग्लोबल एनसीडी के जरिये 875 करोड़ जुटाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने कहा कि अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए निजी निर्गम के आधार पर गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र के जरिये 875 करोड़ रुपये तक जुटाने की तैयारी है। सिग्नेचर ग्लोबल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल ने एक या एक से अधिक किश्तों में निजी निर्गम के आधार पर 875 करोड़ रुपये से अधिक राशि के लिए सुरक्षित सूचीबद्ध गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) जारी करके धन जुटाने को मंजूरी दे दी है। इन एनसीडी को निश्चित अवधि के बाद या एक विशिष्ट तिथि पर जारीकर्ता कंपनी द्वारा निवेशकों को उनकी मूल राशि वापस करके भुनाए जा सकता है। निदेशक मंडल ने एनसीडी जारी करने, उधार सीमा में वृद्धि, प्रतिभूति सृजन की सीमा में वृद्धि तथा कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में परिवर्तन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी हासिल करने के लिए डाक मतपत्र के जरिये नोटिस भेजने को भी मंजूरी दी।गुरुग्राम स्थित सिग्नेचर ग्लोबल देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

अब बाइक चालकों को भी देना पड़ेगा टोल टैक्स!

जुलाई से लागू होगा नियम, उल्लंघन करने पर लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली (ईएमएस)। अब राष्ट्रीय राजमार्ग के टोल पर अब दोपहिया वाहनों को भी टैक्स का भुगतान करना होगा। ये नियम 15 जुलाई से लागू होगा। दरअसल, आप जब भी दोपहिया वाहन खरीदते हैं तो उसी दौरान टोल टैक्स को वसूल लिया जाता है। ऐसे में जब भी वे नेशनल हाइवे पर टोल प्लाजा से गुजरते हैं तो टोल नहीं देना पड़ता। राष्ट्रीय राजमार्ग पर केवल चार पहिया या उससे ऊपर के वाहन से टोल टैक्स को वसूला जाता है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। नए नियम के मुताबिक दोपहिया वाहनों को फास्टेग के माध्यम से टोल का भुगतान करना होगा। इतना ही नहीं जो भी इस नियम का उल्लंघन करेगा उसे 2 हजार रुपये जुर्माने के तौर पर देना होगा।

देश के प्रमुख सात शहरों में अप्रैल-जून में आवास की कीमतें 11 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सात महानगरों में अप्रैल-जून तिमाही में आवास की कीमते सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ गई हैं जिससे बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक रियल एस्टेट सलाहकार ने भारत के सात प्रमुख आवासीय बाजारों के आंकड़े गुरुवार को जारी किए। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में मकानों की बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई। अप्रैल-जून तिमाही में इस साल 96,285 मकान बेचे गए जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 1,20,335 इकइयों की बिक्री की गई थी। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता में मकानों की बिक्री में गिरावट आई। चेन्नई में मांग में वृद्धि दर्ज की गई। एक रियल एस्टेट के अधिकारी ने कहा, 2025 की दूसरी (अप्रैल-जून) तिमाही भारतीय आवास बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरी रही।
देश और विदेश में सैन्य कार्रवाइयां भी इसकी मुख्य वजह रही। युद्ध जैसे माहौल ने मकान खरीदने वालों को स्थिति आंकने और फिर फैसले करने की स्थिति में धकेल दिया, जिससे पिछले दो वर्ष में संपत्ति की कीमतों में उछाल का असर और बढ़ गया। उन्होंने कहा कि अब घरेलू तनाव कम होने और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतिगत दर में कटौती से नए सिरे से उम्मीदें जगी हैं जिससे खरीदारों की धारणा में सुधार हो रहा है। इस साल अप्रैल-जून में शीर्ष सात शहरों में औसत आवासीय कीमतों में सालाना 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एनसीआर में सबसे अधिक 27 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी गई। इसके बाद बेंगलुरु में 12 प्रतिशत और हैदराबाद में 11 प्रतिशत की औसत मूल्य वृद्धि दर्ज की गई।

अमेरिका में अभी मंदी का खतरा टला नहीं, खतरनाक संकेत दे रहे हैं इकनॉमिक इंडिकेटर्स

वाशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश अमेरिका में अभी मंदी का खतरा टला नहीं है। देश के बड़े आर्थिक सूचकांक अब भी मंदी का संकेत दे रहे हैं। लीडिंग इकनॉमिक इंडेक्स (एलआईई) में मई में लगातार छठे महीने गिरावट आई है। पिछले 39 महीनों में 37 बार इसमें गिरावट आई है जो देश के इतिहास में सबसे लंबे दौर में से एक है। पिछले छह महीने में 5 फीसदी की सालाना दर से गिरावट आई है जो इस बात का संकेत है कि देश में अब भी मंदी का खतरा बना हुआ है। एलआईई अपने उच्चतम स्तर से 16 फीसदी गिर चुका है और यह नौ साल के अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है। इतिहास पर नजर डालें तो 1960 के बाद हर बार मंदी से पहले एलईआई में लंबे समय तक गिरावट आई है। इससे आशंका बढ़ गई है कि अमेरिका का इकॉनमी मंदी में जा सकती है। अमेरिका की इकॉनमी मंदी में फंसी तो इसका असर पूरी दुनिया पर देखने को मिलेगा। तकनीकी रूप से लगातार दो तिमाहियों में जीडीपी में गिरावट को मंदी कहा जाता है। इस बीच अमेरिका के सेंट्रल बैंक फेड रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल का कहना है कि ब्याज दरों में कटौती की फिलहाल कोई उम्मीद नहीं है। पॉलिसी बदलावों का दौर अभी चल रहा है और इकॉनमी पर उनके प्रभाव के बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। अभी तो हम इंतजार कर रहे हैं।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रही : आरबीआई

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक आर्थिक बुलेटिन के मुताबिक मई 2025 के लिए वैश्विक अनिश्चितता के बीच अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर्स भारत में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि की ओर इशारा करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि ने 2024-25 में प्रमुख फसलों के उत्पादन में व्यापक आधार पर वृद्धि हुई। घरेलू कीमतों की स्थिति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे है।
रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती के ट्रांसमिशन की सुविधा के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर स्थिति में है, जो व्यापार नीति अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों में वृद्धि के दोहरे झटकों से जूझ रही है।

घरेलू मोर्चे पर मई में जारी अनंतिम अनुमानों ने 2024-25 में भारत की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने की पुष्टि की है, जिसमें चौथी तिमाही में महत्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि होगी।
मई के लिए अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि के संकेत देते हैं। पीएमआई के लिए सर्वे किए गए देशों में भारत में गतिविधि में समग्र विस्तार सबसे अधिक रहा, जिसमें मई में देखे गए नए निर्यात ऑर्डर में विस्तार अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में देखे गए कॉन्ट्रैक्शन के बीच एक अपवाद था। मई के लिए कुल मांग के हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स ने भी ग्रामीण मांग में वृद्धि का सुझाव दिया। कंज्यूमर सेंटीमेंट के दूरदर्शी सर्वेक्षण वर्तमान अवधि के लिए स्थिर उपभोक्ता विश्वास और भविष्य के बारे में बेहतर आशावाद दिखाते हैं।
आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक, व्यापार और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद ये सभी भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती दिखाई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अस्थिर और ऊंचे सोने और चांदी की कीमतों के प्रभाव को छोड़कर कुछ नरमी के संकेतों के साथ स्थिर कोर मुद्रास्फीति यह दर्शाती है कि अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबाव शांत बना हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इकोनॉमिक आउटलुक, टैरिफ संबंधी समाचार और विकसित होते घरेलू परिदृश्य पर वैश्विक संकेतों के कारण उतार-चढ़ाव के बावजूद मई-जून के दौरान इक्विटी बाजारों में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के साथ ही इक्विटी बाजार में कुछ समय के लिए तेज गिरावट दर्ज की गई, लेकिन 20 जून को इसमें उछाल देखने को मिला।
आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि हालांकि अप्रैल में ऋण वृद्धि में कमी आई, खास तौर पर कृषि और सेवा क्षेत्रों में लेकिन गैर-बैंक ऋण स्रोतों, जिसमें बाहरी वाणिज्यिक उधार शामिल है इसमें लगातार अच्छी वृद्धि जारी रही, हालांकि मार्च से इसमें नरमी आई। कुल मिलाकर, वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती को प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए अनुकूल बनी रहीं।

भारत का ऑनलाइन कॉमर्स सेक्टर 2030 में 300 बिलियन डॉलर पर पहुंचेगा

बेंगलुरु। भारत का ऑनलाइन कॉमर्स सेक्टर 2030 में 300 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो देश में एक ट्रिलियन डॉलर के डिजिटल अवसर में अहम योगदान देगा। यह जानकारी ताजा रिपोर्ट में सामने आई। रिपोर्ट में कहा कि आबादी के एक महत्वपूर्ण और बढ़ते हिस्से के लिए भारतीय खुदरा परिदृश्य के भीतर एक प्रमुख शक्ति के रूप में खुद को मजबूती से स्थापित कर चुका है। भारत 1 ट्रिलियन डॉलर का डिजिटल अवसर प्रस्तुत करता है। पिछले दशक में कई उपभोक्ता बाजारों, प्लेटफॉर्म और न्यू-एज ब्रांडों का उदय उभरते भारत की बढ़ती आकांक्षाओं का प्रमाण है।
इंटरनेट की पहुंच, जनसांख्यिकी में बदलाव और नीतिगत बदलावों का एक साथ आना उन रुझानों में से

हैं, जिन्होंने नए युग की उपभोक्ता कंपनियों को आगे बढ़ाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे चलकर यह कॉमर्स मार्केटप्लेस, कंटेंट प्लेटफॉर्म और बदलती उपभोक्ता आकांक्षाओं का विकास है, जो नई कंपनियों को भारतीय संदर्भ में जीतने में मदद करता है। भारत के उभरते ऑनलाइन कॉमर्स सेक्टर ने हाल के वर्षों में असाधारण विस्तार देखा है। इसके अलावा, क्विक कॉमर्स के हालिया उदय ने ऑनलाइन रिटेल इकोसिस्टम में एक नया आयाम पेश किया है, जिससे उपभोक्ताओं के सामान तक पहुंचने के तरीके में और क्रांति आई है। बिगबास्केट, ब्लिंकिट, स्विगी और जेप्टो जैसे प्लेटफॉर्म ने इस मूवमेंट की अगुआई की है, जो रैपिड डिलीवरी सेवाओं की व्यवहार्यता और उपभोक्ता अपील को प्रदर्शित करते हैं। इस सेगमेंट में वर्टिकलाइज्ड क्यू-कॉमर्स के उभरने का रुझान देखा जा रहा है, जिसमें स्नैबिट, स्विश और स्लिक जैसे स्टार्टअप खास जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। डीटूसी ब्रांड तेजी से महत्वाकांक्षी मास-प्रीमियम ऑडियंस की सेवा कर रहे हैं, एक ऐसा वर्ग जो नए, बेहतर कीमत वाले उत्पादों की मांग करता है। रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य-केंद्रित खाद्य और पेय कैटेगरी में एफ एंड बी खर्च का प्रतिशत 11 फीसदी से बढ़कर 16 फीसदी हो गया है और उम्मीद है कि इसमें वृद्धि जारी रहेगी क्योंकि ब्रांड इस ट्रेंड को अपनाने में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट का आयोजन होगा न्यूयॉर्क में

नई दिल्ली (ईएमएस)। सैमसंग अगले महीने न्यूयॉर्क में अपने बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट का आयोजन करेगा, जिसमें एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अल्ट्रा-स्लिम फोल्डेबल डिजाइन वाले नए गैलेक्सी जेड सीरीज स्मार्टफोन पेश किए जाएंगे।
सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने घोषणा की है कि वह इस इवेंट में कंपनी गैलेक्सी जेड फोल्ड 7 और गैलेक्सी जेड फ्लिप 7 जैसे लेटेस्ट मॉडल लॉन्च कर सकती है, जिनमें बड़ी स्क्रीन, बेहतर कैमरे और उन्नत एआई फीचर्स शामिल होंगे। कंपनी का कहना है कि अगली पीढ़ी के गैलेक्सी डिवाइस पूरी तरह से एआई-पावर्ड इंटरफेस पर आधारित होंगे, जिन्हें खासतौर पर उच्च स्तरीय हार्डवेयर के साथ तैयार किया गया है। सैमसंग ने कहा कि गैलेक्सी एआई और उनकी टेक्नोलॉजिकल क्राफ्टमैनशिप का यह अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन होगा। कंपनी का दावा है कि स्मार्टफोन अब केवल ऐप्स और टूल का संग्रह नहीं रह गया है, बल्कि यह एक इंटेलिजेंट साथी में तब्दील हो रहा है, जो यूजर की मंशा को समझने और तत्काल प्रतिक्रिया देने में सक्षम है। गौरतलब है कि सैमसंग हर साल दो बार, सर्दियों और गर्मियों में, गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट आयोजित करता है। पिछला इवेंट इस साल जनवरी में कैलिफोर्निया के सैन जोस में हुआ था, जहां कंपनी ने गैलेक्सी एस25 सीरीज को लॉन्च किया था। अब गर्मियों के इस इवेंट में फोल्डेबल स्मार्टफोन की नई रेंज से पर्दा हटेगा, जो भविष्य की मोबाइल तकनीक की झलक पेश करेगी। सैमसंग का मानना है कि जैसे-जैसे एआई तकनीक स्मार्टफोन यूजर इंटरफेस का मूल आधार बन रही है, यह हमारे तकनीक के साथ संबंधों को नया रूप दे रही है।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1000 अंक ऊपर आया निफ्टी 25,549 पर पहुंचा

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1000 अंक उछलकर 83,755.87 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 304 अंक बढ़कर 25,549.00 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर श्रीराम फाइनेंस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, जियो फाइनेंशियल, अडाणी पोर्ट्स के शेयरों को सबसे अधिक लाभ हुआ ओर ये हरे निशान पर बंद हुए। वहीं डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, हीरो मोटोकॉर्प, मारुति सुजुकी, एसबीआई के शेयर सबसे

अधिक नुकसान में रहे और लाल निशान पर बंद हुए।
कारोबार के दौरान निजी बैंक, तेल एवं गैस के अलावा धातु सूचकांकों में 1 से 2 फीसदी की बढ़त रही जबकि रियल्टी, मीडिया सूचकांकों में 1-1 फीसदी की गिरावट रही। बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.5 फीसदी की तेजी आई जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में कोई बदलाव नहीं हुआ। भारतीय रुपया गत दिवस के 86.09 के मुकाबले गुरुवार को 39 पैसे बढ़कर 85.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

सोने के भाव 97,600 के पार चांदी भी लगभग 1.06 लाख रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में गुरुवार को भी तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ खुले। सोने के भाव 97,500 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 243 रुपये की तेजी के साथ 97,600 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,357 रुपये था। इस समय यह 123 रुपये की तेजी के साथ 97,480 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 425 रुपये की

तेजी के साथ 1,06,405 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,05,980 रुपये था। इस समय यह 422 रुपये की तेजी के साथ 1,06,402 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,347.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,343.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 12.80 डॉलर की तेजी के साथ 3,355.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.22 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.11 डॉलर था।

नया स्मार्टफोन ओप्पो के 13एक्स 5जी लॉन्च

नईदिल्ली (ईएमएस)। भारत में चाइनीज कंपनी ओप्पो ने अपना नया स्मार्टफोन ओप्पो के 13एक्स 5जी लॉन्च कर दिया है। ओप्पो ने इस फोन को तीन वेरिएंट्स में पेश किया है। 4जीबी+128जीबी, 6जीबी+128जीबी और 8जीबी+256जीबी। इनकी कीमत क्रमशः रुपए 11,999, रुपए 12,999 और रुपए 14,999 रखी गई है। फोन की बिक्री 27 जून दोपहर 12 बजे से फ्लिपकार्ट और ओप्पो इंडिया के ऑनलाइन स्टोर पर शुरू होगी। लॉन्च ऑफर के तहत ग्राहक इस पर रुपए 1,000 का डिस्काउंट भी पा सकते हैं। ओप्पो के13एक्स 5जी में 6.67 इंच का एचडी+ डिस्प्ले दिया गया है, जो 1604गुणा720 पिक्सल रेजोलूशन, 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और 1000 निट्स पीक ब्राइटनेस के साथ आता है। स्क्रीन की सुरक्षा के लिए इसमें पांडा ग्लास का इस्तेमाल किया गया है। फोन में मीडियाटेक का डाइमेंसिटी 6300 प्रोसेसर दिया गया है, जो 8जीबी तक एलपीडीडीआर4 एक्स रैम और 256जीबी इंटरनल स्टोरेज को सपोर्ट करता है।

नियामकीय नियमों के उल्लंघन पर सेबी ने बीएसई पर लगाया 25 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली : बाजार नियामक सेबी ने सभी हितधारकों को कॉर्पोरेट खुलासे तक समान पहुंच उपलब्ध कराने में विफल रहने और कारोबार के दौरान बार-बार सौदों में संशोधन करने वाले दलालों के खिलाफ कार्रवाई करने के आरोपों में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कार्रवाई की है। शेयर बाजार पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जिसके बाद गुरुवार की सुबह बीएसई के शेयरों में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। कारोबार की सपाट शुरुआत के बाद एनएसई पर शेयर का भाव 1.47 प्रतिशत गिरकर 2,748 रुपये पर आ गया।
बाजार नियामक ने फरवरी 2021 और सितंबर 2022 के बीच किए गए निरीक्षण के बाद यह आदेश पारित किया।

सेबी ने 45 पृष्ठों के आदेश में बीएसई की खामियां बताई

बुधवार को 45 पृष्ठों के आदेश में सेबी ने पाया कि बीएसई की प्रणाली संरचना ने उसके भुगतान करने वाले ग्राहकों और आंतरिक लिस्टिंग अनुपालन निगरानी (एलसीएम) टीम को कॉरपोरेट घोषणाओं तक पहुंचने की अनुमति दी। ऐसा इन जानकारियों को वेबसाइट के माध्यम से सार्वजनिक किए जाने के पहले ही किया गया। इससे मानदंडों का उल्लंघन हुआ।
नियामक ने यह भी पाया कि डेटा प्रसार प्रक्रिया में सभी हितधारकों तक एक साथ और समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों का अभाव है।
ऐसा बाजार की अखंडता को बनाए रखने और अनुचित सूचना से होने वाले लाभ को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है।
सेबी ने निष्कर्ष निकाला कि बीएसई प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) एसईसीसी (स्टॉक एक्सचेंज और क्लियरिंग कॉर्पोरेशन) विनियम, 2018 के विनियमन 39 (3) का अनुपालन करने में विफल रहा, जो स्टॉक एक्सचेंजों को सभी उपयोगकर्ताओं के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी पहुंच सुनिश्चित करने का आदेश देता है।

चीन-पाकिस्तान ने आतंकवाद पर कड़े रुख को कमजोर करने की कोशिश की

एससीओ बैठक में भारत ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से किया इनकार

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन के किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस दस्तावेज को खारिज कर दिया, क्योंकि इसमें पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र नहीं था। इसके बजाय दस्तावेज में बलूचिस्तान का उल्लेख था, जिसे भारत ने पाकिस्तान की ओर से भारत पर आधारहीन आरोप के रूप में देखा। सूत्रों के मुताबिक चीन और पाकिस्तान ने आतंकवाद पर कड़े रुख को कमजोर करने की कोशिश की, जिसे भारत ने अस्वीकार्य कर दिया।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजनाथ सिंह ने बैठक में आतंकवाद पर भारत के जीरो-टॉलरेंस रुख को दोहराया। उन्होंने कहा कि कुछ देश सीमा-पार आतंकवाद को नीति के रूप में इस्तेमाल करते हैं और आतंकवादियों को पनाह देते हैं। ऐसे दोहरे मापदंडों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। एससीओ को ऐसे देशों की निंदा में संकोच नहीं करना चाहिए। उन्होंने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि यह लश्कर-ए-तैयबा की शाखा द रेसिस्टेंस फ्रंट ने किया। इसके लिए भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर उसका जवाब दिया।बता दें चीन एससीओ-2025 की अध्यक्षता कर रहा है। पाकिस्तान ने दस्तावेज में आतंकवाद पर सख्त भाषा को हल्का करने की कोशिश की। भारत ने इसे स्वीकार नहीं किया, क्योंकि यह उसकी आतंकवाद विरोधी नीति और पहलगाम हमले के पीड़ितों के प्रति जवाबदेही को कमजोर करता है। दस्तावेज में बलूचिस्तान का उल्लेख पाकिस्तान के इस दावे को दर्शाता है कि भारत वहां अशांति भड़का रहा है, जिसे भारत ने खारिज किया है। संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर न करके भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी अटल नीति को रेखांकित कियादस्तावेज में बलूचिस्तान का उल्लेख को भारत ने खारिज किया। यह इनकार पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर अलग-थलग करने और उसके आधारहीन आरोपों को बेनकाब करने की भारत की रणनीति को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने आतंकवाद पर सख्त भाषा को हल्का करने की कोशिश की, जो भारत के लिए अस्वीकार्य था। भारत का यह कदम एससीओ में चीन की अध्यक्षता के तहत उसकी पक्षपातपूर्ण भूमिका को चुनौती देता है। भारत का दस्तावेज पर हस्ताक्षर न करना उसकी रणनीतिक स्वायत्तता को दर्शाता है. यह 2022 और 2023 में आतंकवाद पर अस्पष्ट भाषा के खिलाफ भारत की आपत्तियों की निरंतरता है, जो वैश्विक मंचों पर उसकी सैद्धांतिक दृढ़ता को रेखांकित करता है।राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं। यह कदम भारत की उस नीति को मजबूत करता है, जिसमें वह आतंकवाद के प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और क्षेत्रीय शांति के लिए निर्णायक कार्रवाई की वकालत करता है। भारत के दस्तावेज पर हस्ताक्षर न करने से संगठन की यह बैठक पूर्ण सफल नहीं हुई और इस विफलता का पूरा श्रेय चीन को जाता है क्योंकि चीन इसकी अध्यक्षता कर रहा था।

एयरपोर्ट पर शख्स ने मासूम को उठाया और सिर के बल पटक दिया

बच्चा कोमा में, पुलिस ने बेलारुसी आरोपी को किया गिरफ्तार

मास्को,(ईएमएस) रूस में मॉस्को इंटरनेशनल एयरपोर्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स बच्चे के साथ क्रूरता करता नजर आ रहा है। कथित वीडियो में देखा जा सकता है कि शख्स ने बच्चे को पकड़कर फर्श पर पटक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। 18 महीने का पीड़ित बच्चा ईरान का मूल निवासी बताया जा रहा है।कथित तौर पर इस घटना के बाद बच्चा कोमा में चला गया और जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहा है। आरोपी शख्स बेलारुस का बताया जा रहा है। पीड़ित बच्चा और उसकी मां गर्भवती मां इज़राइल-ईरान जंग से बचने के लिए रूस आ गए थे, जिस वक्त यह हादसा हुआ, लड़का अपनी मां के साथ नहीं था। वीडियो में देखा जा सकता है कि आरोपी शख्स एयरपोर्ट पर बच्चे के करीब जाता है। इधर-उधर देखता है और लड़के को पकड़कर उठाता है और उसे कंक्रीट के फर्श पर सिर के बल पटक देता है। शख्स की हरकत बेहद खतरनाक है। बच्चा आरोपी का शिकार होने के बाद गंभीर रूप से घायल हो जाता है। बच्चे के सिर में गंभीर फ्रैक्चर और रीढ़ की हड्डी में चोट आई है वह कोमा में चला गया है।मीडिया रिपोर्ट में जानकारी के मुताबिक अपराध को अंजाम देने वाला संदिग्ध व्लादिमीर विटकोव (31) बेलारूस का रहने वाला है। घटना के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वायरल वीडियो में रूसी पुलिस आरोपी शख्स को बाहर ले जाते हुए दिख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक इस भयावह घटना के बाद जांच में खुलासा किया कि आरोपी नशा करता था उसके खून में गांजा मिला। उसके शरीर में अतिरिक्त ड्रग्स भी पाए गए।बता दें मॉस्को में फ्लाइट के पहुंचने के बाद बच्चे की मां उसकी पुश-चेयर लेने गई थी। पुलिस ने अभी तक अपराध के पीछे के मकसद का खुलासा नहीं किया है। हालांकि, उनका मानना है कि इस घटना में नशे की बड़ी भूमिका रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

ईरान को जंग के बाद नुकसान से उबरने के लिए तेल बेचने की इजाजत : ट्रंप

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नीदरलैंड्स में नाटो समिट के दौरान कहा कि ईरान ने जंग में बहादुरी दिखाई। वे ऑयल का कारोबार करते हैं। मैं चाहूं तब इस रोक सकता हूं, लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता।उन्होंने कहा कि ईरान को जंग के बाद नुकसान से उबरने के लिए तेल बेचने की जरूरत है। अगर चीन, ईरान से ऑयल खरीदना चाहते हैं, तब हमें कोई दिक्कत नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच अगले हफ्ते बातचीत होगी। इससे पहले नाटो समिट के लिए जाते वक्त ट्रम्प ने कहा था कि चीन अब ईरान से ऑयल खरीद सकता है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि चीन अमेरिका से भी ऑयल खरीदेगा। हालांकि व्हाइट हाउस अधिकारी ने साफ किया था कि यह ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत का ऐलान नहीं था।अमेरिकी सीनेट में ईरान को लेकर गुरुवार दोपहर 2 बजे (भारतीय समय के मुताबिक रात 11 बजकर 30 मिनट) पर एक सीक्रेट ब्रीफिंग होगी। यह बैठक सोमवार को होनी थी लेकिन कि अब इसमें बदलाव किया गया है।इस ब्रीफिंग का मकसद सीनेटरों को ईरान में मौजूदा हालात, खासकर हाल के अमेरिकी सैन्य हमलों और उसके असर के बारे में बताया जाएगा है। अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन को इस मामले में आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स और सीनेट की खुफिया समितियों के डेमोक्रेट नेताओं ने ईरान पर अमेरिकी कार्रवाई से पहले पर्याप्त जानकारी न देने पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने प्रशासन को आगाह किया है कि ब्रीफिंग से पहले किसी भी तरह की गलत जानकारी या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने की कोशिश न की जाए।

कैलिफोर्निया के स्कूल में छात्र पानी पर चलते आए नजर, वीडियो वायरल

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के कैलिफोर्निया के एक स्कूल में छात्रों ने पानी पर पैदल चलने का अनोखा कारनामा किया। इस प्रतियोगिता को स्कूल के फिजिक्स टीचर ने आयोजित किया था, जिन्होंने छात्रों को एक चैलेंज दिया ऐसा क्राफ्ट बनाएं जिससे पानी की सतह पर चल सकें। छात्रों ने इस प्रोजेक्ट के तहत लकड़ी, पाइप, प्लास्टिक और अन्य तैरने वाली सामग्रियों का इस्तेमाल कर पानी पर चलने के लिए रचनात्मक जुगाड़ लगाई। प्रतियोगिता के दौरान छात्र अपने-अपने आविष्कारों को पकड़कर तालाब जैसी जगह पर पानी पर चलने की कोशिश करते नजर आए।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अनोखे प्रयोग की वीडियो सोशल मीडिया वायरल हो रही है। वीडियो में बच्चों की उत्सुकता, गिरते-पड़ते लेकिन हार न मानने की कोशिश को देखकर लोग उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। इंटरनेट यूजर्स इसे फिजिक्स को फन बनाना बता रहे हैं।इस पहल को लेकर स्कूल प्रशासन ने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चे किताबों से बाहर निकलकर विज्ञान को व्यवहारिक रूप से समझें और प्रयोग करें। यह प्रोजेक्ट उसी दिशा में एक प्रयास था। शिक्षकों का मानना है कि इस तरह के एक्सपेरिमेंट छात्रों में साइंटिफिक थिंकिंग और इनोवेशन की भावना को बढ़ावा देते हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग होगा आतंकवादी संगठन घोषित, कनाडा पीएम लेंगे एक्शन!

ओटावा,(ईएमएस)। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया के सुरे शहर की मेयर ब्रेंडा लॉक ने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की सरकार से मांग की है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग और अन्य हिंसक ट्रांसनेशनल नेटवर्क को आतंकवादी संगठन घोषित किया जाए। भारत ने इस कदम का स्वागत किया है। ये वही गैंग है, जिससे जुड़ा कुख्यात अपराधी गोल्डी बराड़ पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी ले चुका है। गोल्डी कनाडा में इस गैंग का मुख्य एजेंट है। यह न सिर्फ गैंगस्टर गतिविधियों में बल्कि ड्रग तस्करी और राजनीतिक हिंसा में भी लिप्त है।सुरे शहर में बड़ी तादाद में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। ब्रेंडा लॉक का कहना है कि लॉरेंस बिश्नोई का गिरोह भारत से संचालित होता है, लेकिन कनाडा में इसके स्थानीय एजेंट एक्टिव हैं। सुरे, ब्रैम्पटन और कैलगरी जैसे शहरों में दक्षिण एशियाई बिजनेस कम्युनिटी को निशाना बनाकर हत्या, धमकी और फिरौती वसूली जैसे मामलों को अंजाम दिया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट में भारतीय खुफिया सूत्रों ने इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि बिश्नोई गैंग का ग्लोबल नेटवर्क 700 से ज्यादा ऑपरेटिव्स पर फैला हुआ है। ये लोग एनक्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स, क्रिप्टो करेंसी और सोशल मीडिया के जरिए धमकियों और पैसों की मांग को अंजाम देते हैं।सुरे शहर में पिछले छह महीनों में 10 बड़े फिरौती के मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें ज्यादातर दक्षिण एशियाई व्यापारियों को निशाना बनाया गया। भारतीय एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि कई और गैंग हैं जो भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। खालिस्तान टाइगर फोर्स, बब्बर खालसा इंटरनेशनल जैसे खालिस्तान समर्थक आतंकी संगठन भी कनाडा में सक्रिय हैं। माना जाता है कि ये संगठन फंडिंग, रिक्रूटमेंट और भारत में हिंसा की प्लानिंग में शामिल हैं। अपनी इन गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वह राजनीति का सहारा लेते हैं। इन संगठनों का संबंध अमेरिका बेस्ड ग्रुप 'सिख्स फॉर जस्टिस' से है, जिसे भारत सरकार पहले ही गैरकानूनी घोषित कर चुकी है।

मॉस्को में रुसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मिले शशि थरूर

मास्को,(ईएमएस)। कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर ने मॉस्को में एक कार्यक्रम के दौरान रुसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। रूस की यात्रा पर आए थरूर ने पोस्ट में कहा, मॉस्को में 'प्रिमाकोव रीडिंग्स' के दौरान पुराने मित्र रूसी विदेश मंत्री लावरोव से मिलकर अच्छा लगा।''विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति के प्रमुख थरूर ने संयुक्त राष्ट्र में रूस के पूर्व राजदूत आंद्रेई डेनिसोव से भी मुलाकात की, जो अब रूसी संघ परिषद की अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के प्रथम उपाध्यक्ष हैं।वार्षिक प्रिमाकोव रीडिंग्स भारत सहित 40 देशों के अंतरराष्ट्रीय संबंधों और विश्व अर्थव्यवस्था के विशेषज्ञों की एक बैठक है। हाल में एक बहुपक्षीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए थरूर ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले और उसके बाद की सैन्य कार्रवाई के संबंध में भारत का रुख बताने के लिए अमेरिका और चार अन्य देशों का दौरा किया था।

80 साल बाद जापान ने की मिसाइल टेस्टिंग चीन-उत्तर कोरिया की बढ़ी चिंता

टोक्यो (ईएमएस)। जब पूरी दुनिया का ध्यान ईरान-इजराइल पर तब जापान में कुछ और ही चल रहा था। जापान ने 24 जून को अपनी सेना को मजबूत करने 80 साल बाद मिसाइल की टेस्टिंग की। होक्काइडो द्वीप के शिजुनाई एंटी-एयर फायरिंग रेंज में हुई इस शॉर्ट डिस्टेंस मिसाइल के टेस्ट से चीन की चिंताए बढ़ गई हैं। इस वक्त अगर जापान का कोई दुश्मन है, तो वे चीन और उत्तर कोरिया हैं। दोनों ही उसके खिलाफ मोर्चेबंदी करते रहते हैं। ऐसे में जापान अमेरिका के सहारे बैठने के बजाय खुद अपने हथियार बना रहा है। हाल के इजराइल-ईरान युद्ध में जिस तरह ईरान के साथ उसके भरोसेमंद साथी भी नहीं आए, उसे देखते हुए जापान ने उससे सबक ले लिया है।जापान की टाइप-88 सरफेस टू शिप मार करने वाली इस मिसाइल की रेंज 40 किलोमीटर की है ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स की पहली आर्टिलरी ब्रिगेड ने इस टेस्टिंग एक्सरसाइज में हिस्सा लिया, जिसमें करीब 300 सैनिक शामिल थे। जापान ने जो मिसाइल टेस्ट की है, वो टाइप-88 सतह से जहाज तक मार करने वाली मिसाइल है। ये एक ट्रक पर लगाई जाने वाली एंटी शिप मिसाइल है। इसे साल 1980 के दशक के अंत में जापान की मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्रीज ने बनाया था। पहले ये मिसाइल सिर्फ हवा में लॉन्च होती थी लेकिन बाद में इसे जहाज से लांच करने वाली टाइप 90 (एसएसएम-1बी) मिसाइल के तौर पर विकसित किया। इसकी खासियत रीलिंग का कम समय, कम लाइफ-साइकल कोस्ट और 200 किमी की सीमा भी है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन के पास वॉयजे-83 (सी-802) एंटी शिप मिसाइल है, जो एक सबसोनिक एंटी-शिप मिसाइल है, जिसकी रेंज 120-180 किमी है। दूसरी मिसाइल वॉयजे-18 है, ये सुपरसोनिक टर्मिनल फेज के साथ 540 किमी तक की रेंज रखती है। चीन के पास मौजूद डॉन्ग फेन्ग 21डी (डीएफ-21डी) मिसाइल, दुनिया की पहली एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइल है इसकी रेंज 1500-1800 किमी है और इसे कैरियर किलर के रूप में जाना जाता है।कालिब्र क्रूज मिसाइल सतह और पनडुब्बी से लॉन्च होती है, इसकी रेंज 2000+ किमी है। यह एंटी-शिप और लैंड-अटैक दोनों के लिए उपयोगी है। रूस के पास जिरकोन नाम की हाइपरसोनिक एंटी शिप मिसाइल है, जिसकी रेंज 1000 किलोमीटर और गति मैक 8-9 है। इसके अलावा पी-800 ऑनिक्स सुपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल है, जिसकी रेंज 600 किमी तक है। ये बात इसलिए अहम है क्योंकि रूस और चीन की नज़दीकी पूरी दुनिया देख रही है, ऐसे में जापान की चिंता जाहिर है।अमेरिका की हॉइपोन प्रमुख एंटीशिप मिसाइल है, जबकि लंबी रेंज एंटीशिप मिसाइल भी है, जो 500 किलोमीटर से ज्यादा की रेंज की है। हमारे देश के पास भी ब्राहमोस मिसाइल है, जिसकी रेंज 800 से ज्यादा है। वहीं निर्भय नाम की लॉन्ग रेंज और एनएएसएम-एसआर शॉर्ट रेंज मिसाइल भी है। ताइवान के पास भी एंटीशिप मिसाइल है। वहीं ईरान, तुर्की, पाकिस्तान, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, नॉर्वे, दक्षिण कोरिया और इजराइल के पास भी ये मिसाइलें मौजूद हैं।

कई नाटो देशों ने अपनी जीडीपी का पांच प्रतिशत रक्षा पर खर्च करने से सहमत नहीं

हेग,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उनके नेतृत्व में ईरान में युद्ध खत्म हुआ और नाटो सहयोगियों को उन्होंने 2035 तक अपने-अपने जीडीपी का 5 प्रतिशत रक्षा पर खर्च करने के लिए मना लिया। यहां से रूस को सीधी चेतावनी दी गई।नई घोषणा के अनुसार, अब नाटो सदस्य देश अपनी जीडीपी का कम से कम 3.5 प्रतिशत हथियार और सैन्य उपकरणों पर खर्च करेंगे। शेष 1.5 प्रतिशत साइबर सुरक्षा, सैन्य ढांचे और आपसी तालमेल बढ़ाने जैसे क्षेत्रों में लगाया जाएगा। इस योजना की प्रगति 4 साल में एक बार समीक्षा की जाएगी। लेकिन सभी देश इस ऐलान से खुश नहीं हैं। पोलैंड जैसे देश बेहद उत्साहित हैं, वहीं स्पेन, स्लोवाकिया और बेल्जियम जैसे देश इससे दूरी बनाते दिखे।ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुलकर कहा कि स्पेन अगर खर्च नहीं बढ़ाता, तो अमेरिका उसे व्यापार के जरिए 'कीमत चुकाने' पर मजबूर करेगा।

मैक्सिको में सड़क पर जश्न मना रहे थे लोग अज्ञात हमलावरों ने बरसाई गोलियां

हमले में 12 लोगों की मौत, 20 से ज्यादा घायल, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

मैक्सिको सिटी,(ईएमएस)। मैक्सिको के ईरापुआतो शहर में सेंट जॉन द बैपटिस्ट के पर्व पर जश्न मना रहे लोगों पर अज्ञात हमलावरों ने हमला कर दिया। इस हमले में 12 लोगों की मौत् हो गई और 20 से ज्यादा घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक त्योहार पर नाच-गाना और जश्न का माहौल था, लेकिन अगले ही पल गोलियों की बौछार और चीख-पुकार से पूरे इलाके में चीख पुकार मच गई। घटना के वक्त लोग सड़कों पर खुले आसमान के नीचे नाच रहे थे, गा रहे थे और सेंट जॉन के सम्मान में परंपरा निभा रहे थे। तभी कुछ हथियारबंद हमलावर वहां पहुंचे और भीड़ पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने शुरु कर दी।सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में ईरापुआतो के एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों की संख्या बुधवार तक 12 हो चुकी थी और 20 अन्य लोग घायल हैं। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाउम ने इस घटना पर दुख जताते हुए इसे 'मानवता के खिलाफ हमला' बताया और कहा कि इसकी गहन जांच की जा रही है। गुआनाहुआटो, जो मेक्सिको सिटी के उत्तर-पश्चिम में स्थित है, लंबे समय से अपराधियों के लिए युद्ध का मैदान बना हुआ है।रिपोर्ट में बताया गया है यहां संगठित अपराध गिरोह एक-दूसरे से इलाके और ड्रग व्यापार पर कब्जे करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस साल के पहले पांच महीनों में यहां 1,435 हत्याएं हो चुकी हैं, जो देश के किसी भी अन्य राज्य से दोगुनी हैं। यह पहली बार नहीं है जब धार्मिक कार्यक्रमों पर इस तरह के हमले हुए हैं। एक महीने पहले भी इसी गुआनाहुआटो के सैन बार्तोलो दे बेरियोज शहर में चर्च की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में फायरिंग की गई थी, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस हाल ही में हुए हमले की जांच कर रही है और हमलावरों को पकड़ने शहर की नाकेबंदी कर दी है।

व्हाइट हाउस में पहले मुनीर और अब तुर्की के एर्दोगन की मेहमाननवाजी

वॉशिंगटन(ईएमएस)। वैसे डोनाल्ड ट्रंप को भारत का समर्थक माना जाता है। लेकिन इस बार वो जिस नीति पर चल रहे हैं वो भारत से सोच से अलग है। राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने कई ऐसे फैसले लिए हैं, जो भारत को पसंद नहीं आए। बात चाहे हाई टैरिफ की हो या फिर भारत के खिलाफ आक्रामक बयानबाजी की, उनका रुख भारत विरोधी लगने लगा। हद तो तब हो गई, जब उन्होंने पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर को अपने बगल में बिठाकर लंच कराया, और अब तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तय्यप एर्दोगन की मेहनमाननवाजी करते नजर आए। आखिर डोनाल्ड ट्रंप भारत के दुश्मनों से क्यों मिल रहे?ट्रंप का तुर्की को भाव देना कोई संयोग नहीं, बल्कि सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। ट्रंप एक बार फिर तुर्की को स्ट्रेटजिक पार्टनर के रूप में देख रहे हैं। यह मुलाकात ऐसे वक्त हुई जब रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान-इसराइल टकराव और नाटो की एकजुटता पर सवाल खड़े हैं। ट्रंप तुर्की के जरिए मिडिल ईस्ट में अमेरिकी प्रभाव बनाए रखना चाहते हैं, और वह भी बिना सीधे सैन्य हस्तक्षेप के। साथ ही, एर्दोआन रूस और नाटो दोनों से संतुलन बना रहे हैं। यह ट्रंप की स्टाइल से मेल खाता है। व्यक्तिगत स्तर पर भी दोनों नेताओं के बीच मजबूत केमिस्ट्री है, जिसे ट्रंप फिर से भुनाना चाह रहे हैं। तुर्की के राष्ट्रपति भवन की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, एर्दोगन ने ट्रंप के साथ मीटिंग में वादा किया कि रूस-यूक्रेन जंग में अगर उन्हें कुछ मदद करने का मौका मिला तो वे कोशिश जरूर करेंगे। इस मामले पर तुर्की और अमेरिका मिलकर काम कर सकते हैं। तुर्की के राष्ट्रपति ने गाजा में मानवीय त्रासदी को तुरंत खत्म करने के लिए भी मिलकर काम करने का वादा किया । एर्दोगन चाहते हैं कि अमेरिका के साथ डिफेंस डील हो और ट्रेड को बढ़ावा मिले।सबसे बड़ी बात, तुर्की का रूस और यूक्रेन से घनिष्ठ रिश्ता है। गैस, तेल और डिफेंस सेक्टर में वह दोनों देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

न्यूयॉर्क के मेयर ने की पीएम मोदी की नेतन्याहू से तुलना, भारतीय समुदाय नाराज

ममदानी ने होलोकॉस्ट की निंदा करने वाले प्रस्ताव पर नहीं किए हस्ताक्षर

न्यूयॉर्क,(ईएमएस)। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए जीत हासिल करने वाले भारतीय मूल के जोहरान ममदानी विवादास्पद बयानों के कारण सुर्खियों में हैं। 33 साल के ममदानी मशहूर फिल्मकार मीरा नायर और गुजराती मूल के युगांडाई विद्वान महमूद ममदानी के बेटे हैं। ममदानी कई बार पीएम मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल कर चुके हैं। वह अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के विरोध में प्रदर्शन का नेतृत्व कर चुके हैं। इससे अमेरिकी के भारतीय समुदाय में गुस्सा है। इतना ही नहीं उनके बयानों ने न्यूयॉर्क की सियासत को गरमा दिया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जोहरान ममदानी ने मई में एक कार्यक्रम में पीएम मोदी की तुलना इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से की थी। नेतन्याहू को वह युद्ध अपराधी बता चुके हैं। उन्होंने 2002 के गुजरात दंगों की चर्चा की। आरोप लगाया कि इसमें मुसलमानों का नरसंहार किया गया।2020 में ममदानी ने राम मंदिर के भूमि पूजन के खिलाफ न्यूयार्क के टाइम्स स्क्वायर में प्रदर्शन का नेतृत्व किया था, जहां भीड़ ने हिंदुओं के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। ममदानी ने कहा कि वह भारत में बीजेपी सरकार और बाबरी मस्जिद के विध्वंस के खिलाफ हैं। यह प्रदर्शन खालिस्तानी तत्वों द्वारा आयोजित किया गया था और ममदानी ने अपमानजनक नारों पर चुप्पी साध रखी थी। इसे हिंदू-विरोधी भावना के समर्थन के रूप में देखा गया।भारतीय-अमेरिकी नेताओं ने ममदानी की आलोचना की है। मानवाधिकार वकील जसप्रीत सिंह ने कहा कि ममदानी ने हिंदुओं को फासीवादी कहकर और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर समुदाय को बांटने का काम किया है। न्यूयॉर्क में नफरत की कोई जगह नहीं है। न्यूयॉर्क की विधायक जेनिफर राजकुमार ने भी ममदानी के बयानों को विभाजनकारी बताया, जो न्यूयॉर्क के स्थानीय मुद्दों जैसे अपराध और आवास संकट से ध्यान भटकाते हैं।ममदानी के इजराइल-विरोधी रुख ने भी विवाद खड़ा किया है। उन्होंने ग्लोबलाइज द इंतिफादा नारे का बचाव किया, जिसे कई यहूदी संगठनों ने यहूदी-विरोधी माना। न्यूयॉर्क के यहूदी डेमोक्रेट डैन गोल्डमैन ने कहा कि ममदानी का इस नारे को न नकारना उन्हें 13 लाख यहूदियों वाले शहर का नेतृत्व करने के लिए अयोग्य बनाता है। ममदानी ने होलोकॉस्ट की निंदा करने वाली प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से भी इनकार कर दिया।बता दें जोहरान ममदानी की प्रोग्रेसिव नीतियां जैसे मुफ्त बसें, किराया नियंत्रण और न्यूनतम वेतन 30 डॉलर तक बढ़ाने का प्रस्ताव, युवा और आप्रवासी मतदाताओं में लोकप्रिय हैं। उन्होंने 16,000 से ज्यादा दानदाताओं से 70 लाख डॉलर की राशि जुटाई है। ममदानी के समर्थक जैसे सीनेटर बर्नी सैंडर्स और सांसद एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कॉर्टेज उनकी नीतियों को न्यूयॉर्क के लिए 'क्रांतिकारी' मानते हैं, लेकिन उनके विवादास्पद बयानों ने भारतीय-अमेरिकी और यहूदी समुदायों में गहरी नाराजगी पैदा की है, जिससे न्यूयॉर्क की सियासत में तनाव पैदा हो गया है।

शुभ यात्रा पर शुभांशु अपरान्ह 4.30 बजे पहुंचेंगे ड्रैगन फाल्कन 9 के दूसरे चरण से हुआ अलग

वॉशिंगटन(ईएमएस)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला आज यानी 26 जून 2025 को शाम 4:30 बजे (भारतीय समयानुसार) अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचेंगे। वह एक्सिओम-4 मिशन के तहत स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान में 25 जून 2025 को दोपहर 12:01 बजे नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से रवाना हुए थे। लगभग 28 घंटे की यात्रा के बाद ड्रैगन अंतरिक्ष यान आईएसएस के साथ डॉक करेगा।इस मिशन में शामिल स्पेसएक्स ने जानकारी दी कि ड्रैगन फाल्कन 9 के दूसरे चरण से अलग हो गया है। नासा ने अंतरिक्ष यान के अलग होने की पुष्टि की। नासा ने लिखा, 'अपने स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में स्वतंत्र रूप से उड़ान भरते हुए एएक्स-4 के चालक दल स्पेस स्टेशन की अपनी यात्रा के एक कदम और करीब आ गए हैं।भारत का लाल अब अंतरिक्ष में तिरंगा लहराने को तैयार है। शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष की उड़ान भर चुके हैं। वह इंटनरेशन स्पेस स्टेशन की ओर अग्रसर हैं। एक्सिओम-4 मिशन के तहत स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल में सवार होकर शुभांशु शुक्ला अन्य तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ बुधवार को आईएसएस के लिए रवाना हुआ। शुभांशु शुक्ला भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन हैं और इस मिशन के पायलट भी हैं। फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर में कॉम्प्लेक्स 39ए से एक्सिओम-4 मिशन को बुधवार 12 बजे लॉन्च किया गया। शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री 14 दिनों तक मिशन के लिए स्पेस स्टेशन पर रहेंगे। एक्सिओम स्पेस ने लेटेस्ट अपडेट दिया कि एक्सिओम-4 मिशन के तहत एएक्स-4 का चालक दल स्पेस स्टेशन की ओर बढ़ रहा है। फाल्कन 9 रॉकेट पर लॉन्च होने के बाद क्रू नए स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट पर ऑर्बिटिंग प्रयोगशाला की यात्रा करेगा। ये 14 दिन का मिशन है। शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और नासा के संयुक्त सहयोग से विकसित उन्नत खाद्य और पोषण संबंधी प्रयोगों का संचालन करेंगे।

आईसीसी ने क्रिकेट में बदले ये नियम

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (आईसीसी) ने क्रिकेट में कई बदलाव करते हुए नये नियम लागू कर दिये हैं। इसमें स्टॉप क्लॉक से डीआरएस और नो बॉल से शॉर्ट रन तक के नियम हैं। आईसीसीस ने ये बदलाव इसलिए किये हैं जिससे कि खेल का रोमांच लौटे। वहीं बाउंड्री लॉ और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 35वें ओवर के बाद एक ही गेंद से गेंदबाजी करना शामिल है। कुछ नियम 17 जून से शुरू हुई नई डब्ल्यूटीसी साइकल में लागू हो गए हैं। वहीं इसके अलावा 2 जुलाई से कुछ और नियम लागू होने वाले हैं, जिनमें टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक, लार पर प्रतिबंद रहेगा और गेंद नहीं बदली जाएगी। इसके अलावा डीआरएस से जुड़े कुछ नियम बदलने वाले हैं। नई खेल नियमों का खाका भी आईसीसी ने हाल ही में अपने सदस्य देशों को भेजा है।

लार पर प्रतिबंध

गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध जारी है, लेकिन आईसीसी ने कहा है कि अब अंपायरों के लिए गेंद पर लार पाए जाने पर गेंद को बदलना अनिवार्य नहीं है। यह बदलाव ऐसी स्थिति से बचने के लिए किया गया है, जहां गेंद को बदलने की कोशिश करने वाली टीमें जानबूझकर उस पर लार लगाती हैं। इसलिए आगे चलकर, अंपायर केवल तभी गेंद को बदलेंगे, जब उसकी कंडीशन में बहुत ज्यादा बदलाव हुआ हो - जैसे कि अगर वह बहुत गीली दिखाई दे या उसमें ज्यादा चमक हो। यह पूरी तरह से अंपायरों के विवेक पर छोड़ दिया गया है। साथ ही, अगर अंपायरों के यह कहने के बाद भी कि लार के इस्तेमाल से गेंद की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है, गेंद में कुछ बदलाव होने लगे, तो उसे बदला नहीं जा सकता। हालांकि, बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच रन दिए जाएंगे।

डीआरएस प्रोटोकॉल

उदाहरण के तौर पर - एक बल्लेबाज को कैच आउट करार दिया गया है और वह रिव्यू के लिए कहता है। अल्ट्राएज दिखाता है कि गेंद वास्तव में बल्ले से नहीं लगी और सीधी पैड से टकराई है। इस केस में बल्लेबाज कैच आउट नहीं है तो टीवी अंपायर अब तक आउट होने के दूसरे तरीके की जांच करता है और बॉल-ट्रैकिंग के माध्यम से यह सत्यापित करने की कोशिश करता है कि बल्लेबाज एलबीडब्ल्यू है या नहीं। अब तक इस तरह के रिव्यू के दौरान प्रोटोकॉल यह था कि एक बार यह निर्धारित हो जाने के बाद कि बल्लेबाज कैच आउट नहीं है तो आउट होने के दूसरे तरीके यानी एलबीडब्ल्यू के लिए डिफॉल्ट निर्णय नॉट आउट होता था। इसका मतलब है कि अगर बॉल-ट्रैकिंग से अंपायर्स कॉल आता है, तो बल्लेबाज नॉट आउट ही रहेगा, लेकिन अपडेट किए गए नियमों के तहत जब एलबीडब्ल्यू के लिए बॉल-ट्रैकिंग ग्राफिक प्रदर्शित किया जाता है, तो उस पर ऑरिजनल डिसिजन लेबल आउट लिखा होगा और अगर समीक्षा में अंपायर का फैसला आता है, तो बल्लेबाज आउट हो जाएगा।

टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक रूल

सफेद गेंद प्रारुप में स्टॉप क्लॉक शुरू हुए एक साल का समय हो चुका है। आईसीसी ने इस नियम को टेस्ट क्रिकेट में भी शुरू करने का फैसला किया है, क्योंकि इस फॉर्मेट में धीमी ओवर गति लंबे समय से एक समस्या बना हुआ है। नियम के अनुसार, गेंदबाजी करने वाली टीम को पिछले ओवर के खत्म होने के एक मिनट के भीतर ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए। ऐसा ना करने पर उन्हें अंपायरों से दो वॉर्निंग मिलेंगी। तीसरी बार मे अंपायर गेंदबाजी करने वाली टीम पर पांच रनों की पेनल्टी लगाएंगे। 80 ओवर के प्रत्येक ब्लॉक के बाद वॉर्निंग फिर से शुरू होगी। ओवर की आखिरी गेंद के प्ले से बाहर जाते ही स्कीन पर उल्टी गिनती 60,59,58...3,2,1 शुरू होगी। यह नियम 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनपशिप चक्र से लागू हो गया है ।

कंबाइंड रिव्यू

आइईसीसी ने अंपायर और खिलाड़ी दोनों के रेफरल को शामिल करते हुए कंबाइड रिव्यू के दौरान निर्णय की प्रक्रिया को संशोधित करने का भी निर्णय लिया है। आईसीसी ने फैसला किया है कि एक के बाद एक यानी क्रॉनोलॉजिकल ऑर्डर में रिव्यू होगा। अब तक, संयुक्त समीक्षा के दौरान टीवी अंपायर खिलाड़ी की समीक्षा पर जाने से पहले अंपायर रिव्यू लेता था। संशोधित आईसीसी खेल शर्तों में नियम 3.9 कहता है, यदि पहली घटना से यह निष्कर्ष निकलता है कि बल्लेबाज आउट हो गया है, तो उस समय गेंद को डेड माना जाएगा, जिससे दूसरी घटना की जांच अनावश्यक हो जाएगी। इसलिए यदि एलबीडब्लू के साथ-साथ रन आउट की अपील होती है, तो टीवी अंपायर अब पहले लेग-बिफोर का रिव्यू लेगा, क्योंकि वह पहले हुई थी। यदि बल्लेबाज आउट हो जाता है, तो गेंद को डेड घोषित कर दिया जाएगा।

नो बॉल पर फेयर कैच होगा रिव्यू

मान लीजिए कि ऐसा कोई मामला है, जिसमें दोनों ऑन-फील्ड अंपायर इस बात को लेकर निश्चित नहीं हैं कि कैच क्लीन पकड़ा गया है या नहीं, लेकिन जब वे विचार-विमर्श कर रहे होते हैं, तो टीवी अंपायर उन्हें बताता है कि यह नो-बॉल थी। प्लेइंग कंडीशन्स के पिछले संस्करण में, नो-बॉल का संकेत दिए जाने के बाद टीवी अंपायर को कैच की निष्पक्षता पर निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती थी, लेकिन अपडेट की गई प्लेइंग कंडीशन्स में, तीसरा अंपायर अब कैच की समीक्षा करेगा और अगर यह एक फेयर कैच है तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को नो-बॉल के लिए केवल एक अतिरिक्त रन मिलेगा। हालांकि, अगर कैच फेयर नहीं है, तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को बल्लेबाजों द्वारा लिए गए रन भी मिलेंगे।

जानबूझकर शॉर्ट रन

अभी तक, अगर कोई बल्लेबाज जानबूझकर शॉर्ट रन लेते हुए पकड़ा जाता था, तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच रन की पेनल्टी भुगतनी पड़ती थी, लेकिन अपडेट किए गए नियमों में अगर कोई बल्लेबाज अतिरिक्त रन चुराने के लिए जानबूझकर मैदान पर नहीं जाता है, तो अंपायर फील्डिंग टीम से पूछेंगे कि वे किस बल्लेबाज को स्ट्राइक पर रखना चाहते हैं। साथ ही, पांच रन की पेनल्टी भी सजा का हिस्सा बनी रहेगी। खेल की शर्तों के नियम 18.5.1 में कहा गया है, जानबूझकर लिया गया शॉर्ट रन बल्लेबाजों द्वारा एक से अधिक रन बनाने का प्रयास है, जबकि कम से कम एक बल्लेबाज जानबूझकर एक छोर पर दूर तक ना जाए। बल्लेबाज रन ना लेने का विकल्प चुन सकते हैं, बशर्ते अंपायर को लगे कि संबंधित बल्लेबाज का अंपायरों को धोखा देने या ऐसा रन बनाने का कोई इरादा नहीं था, जिसमें उन्होंने क्रीज को नहीं बदला।

घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पूर्णकालिक स्थानापन्न खिलाड़ी

गंभीर बाहरी चोट से पीड़ित खिलाड़ी के नुकसान की भरपाई के लिए आईसीसी ने बोर्ड से अपने घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक पूर्णकालिक स्थानापन्न खिलाड़ी को मैदान में उतारने का परीक्षण करने के लिए कहा है, जो आकर टीम के प्रतिभागी की भूमिका निभा सकता है। रिप्लेसमेंट प्लेयर को एक जैसा होना होगा, जैसा कि एक कनकशन सब के मामले में होता है। चोट स्पष्ट होनी चाहिए और मैच अधिकारियों को दिखाई देनी चाहिए, तभी वे फुलटाइम रिप्लेसमेंट की अनुमति देंगे। यह उन खिलाड़ियों पर लागू नहीं होगा जो हैमस्ट्रिंग खिंचाव या छोटी-मोटी चोटों से पीड़ित हैं। यह नियम परीक्षण के आधार पर होगा और इसे पूरी तरह से सदस्य देशों पर निर्भर करता है कि वे अपने घरेलू प्रथम श्रेणी सर्किट में इसे लागू करें।

कोलंबो में श्रीलंका और बांग्लादेश मुकाबले में इबादत हुसैन का विकेट मिलने पर उत्साहित आसिता फर्नांडिज और अन्य खिलाड़ी।

अब टेस्ट मैचों में भी धीमी ओवर गति के लिए लगेगा जुर्माना

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) खेल में रोचकता बनाये रखने के लिए समय-समय पर नियमों में बदलाव करती रहती है। इसी के तहत ही अब आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी स्टॉप क्लॉक को लेकर नया नियम लेकर आई है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में ये नियम पहले से ही है। इसमें धीमी ओवर गति के लिए 5 रनों का जुर्माना लगाया जाएगा। मैच समय पर समाप्त करने और धीमी ओवर गति से बचने के लिए इस नियम का इस्तेमाल होता है। पिछले कुछ समय में देखा गया है कि एक दिन में टीमें पूरे 90 ओवर नहीं कर पा रही है। जिसकी वजह से आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी यह नियम लेकर आई है। टेस्ट क्रिकेट में धीमें ओवर रेट को कम करने के लिए आईसीसी यह नियम लेकर आया है। इस नियम के अनुसार, फील्डिंग करने वाली टीम को एक ओवर के समाप्त होने के एक मिनट के अंदर ही दूसरा अगला ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए। वहीं ऐसा न करने पर उन्हें अंपायरों से दो बार चेतावनी मिलेंगी। भारत-इंग्लैंड टेस्ट के दौरान अंपायरों ने बेन स्टोक्स और शुभमन गिल को भी ऐसी ही चेतावनी दी थी। इसके बाद भी अगर टीम नहीं मानती तो अंपायर गेंदबाजी करने वाली टीम पर पांच रन का जुर्माना लगाएंगे। 80 ओवर तक यह दो वॉर्निंग चलेगी, इसके बाद इसे बदल दिया दिया जाएगा। यह नियम 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत से ही लागू हो गया है।

2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा दूसरा टेस्ट

लीड्स (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच अब अगले माह 2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा। लीड्स में पहला टेस्ट जीतने के साथ ही मेजबान इंग्लैंड टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। ऐसे में अब बराबरी के लिए भारतीय टीम को दूसरा मैच जीतना होगा। अभी इस मैच में एक सप्ताह का समय है। इससे टीमों को तरोताजा होने के लिए भी पर्याप्त समय मिल जाएगा। भारतीय समय के अनुसार दूसरा टेस्ट दोपहर 3:30 बजे से खेला जाएगा। वहीं तीसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर 10-14 जुलाई के बीच खेला जाएगा। चौथा टेस्ट मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर 23-27 जुलाई के बीच खेला जाएगा जबकि सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच लंदन के केनिंग्टन ओवल में 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच खेला जाएगा। दूसरे टेस्ट में उतरते ही दोनो टीमें अपना 138वां टेस्ट खेलेंगी। दोनों टीमों के बीच अब तक 137 टेस्ट हुए हैं। इसमें भारतीय टीम 35 में जीत मिली है जबकि इंग्लैंड को 52 टेस्ट में जीत मिली है जकि 50 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम को अगर दूसरा टेस्ट जीतना है तो उसे गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में सुधार करना होगा। भारतीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, ऋषभ पंत, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ ढ़ही ऑस्ट्रेलियाई टीम, पहली पारी में 180 रनों पर आउट हुई

ब्रिजटाउन (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही है ओर वह पहली पारी में 56.5 ओवर में ही 180 रन पर आउट हो गयी। ऑस्ट्रेलिया को केवल एक ही बल्लेबाज इस मैच में 50 रन से अधिक बना पाया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की पर उसे इसका लाभ नहीं हुआ। इस मैच में वेस्टइंडीज के युवा गेंदबाजों के सामने ऑस्ट्रेलयाई बल्लेबाज टिक नहीं पाये। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास 3 रन ही बना पाये। वहीं तीसरे नंबर पर उतरे ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन 3 और चौथे नंबर के बल्लेबाज जोश इंग्लिस 5 रन बनाकर आउट हुए। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और ट्रैविस हेड ने 89 रन की साझेदारी बनाकर पारी संभालने का प्रयास किया पर सफल नहीं हुए। हेड 59 आउट होने वाले पांचवें बल्लेबाज रहे। टीम ने 143 रन पर ही 8 विकेट खो दिये। इसके बाद कप्तान पैट कमिंस ने 28 रन बनाकर टीम को 150 रन तक पहुंचाया। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से सबसे अधिक 5 विकेट जायडन सील्स ने लिए जबकि शमार जोसेफ को 4 विकेट मिले। वहीं एक विकेट जस्टिन ग्रीव्स को मिला।

शास्त्री बोले, बुमराह को दूसरे टेस्ट के लिए आराम देना सही नहीं

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम नहीं दिया जाना चाहिये। शास्त्री के अनुसार भारतीय टीम पहला टेस्ट मैच हारने से सीरीज में पिछड़ गयी है। पहले टेस्ट में बुमराह को छोड़कर अन्य गेंदबाज विरोधी टीम पर दबाव बनाने में विफल रहे। ऐसे में अगर वह नहीं उतरे तो दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत पहला मैच हार चुका है और इस सीरीज से पहले ही तय हो गया था कि बुमराह को केवल तीन मैचों में ही उतारा जाएगा ताकि उनपर अधिक बोझ नहीं पड़े। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का भी कहना है कि बुमारह को वह अधिक मैच खेलने को नहीं करेंगे। वह पहले की तरह ही पांच में से तीन मैच खेलेंगे। ऐसे में दूसरे टेस्ट से बुमराह बाहर बैठ सकते हैं पर शास्त्री इस रणनीति को सही नहीं मानते। उनका कहना है कि ऐसे में टीम 2-0 से पीछे हो जाएगी। शास्त्री ने कहा, बुमराह ने कहा कि वह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे। अब, वह तीनों में से कौन सा खेलेंगे, यह एक और सवाल है जिसे पूछा जाना चाहिए। मुझे लगता है कि अगर वह दूसरे मैच में आराम करते हैं तो वह निश्चित रूप से लॉर्ड्स में उतरेंगे। इसके बाद वह अगले मैच में आराम करेंगे और फिर मैनचेस्टर में उतरेंगे। इसी दौरान टीम के 2-0 से पीछे होने का खतरा है। इसी को देखते हुए उन्हें खेलना होगा। शास्त्री ने यह भी कहा कि भारतीय टीम को दूसरा टेस्ट जीतकर वापसी करनी होगी क्योंकि इससे पहले टीम न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पिछली दो टेस्ट सीरीज हारी है। स्त्री ने कहा, यह काम कठिन होगा क्योंकि मैं अभी कमेंट्री बॉक्स में उसे बता रहा था कि हम न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से हारे थे, ऑस्ट्रेलिया में भी सीरीज हार गए और ऐसे में अब यह एक कठिन सीरीज रहेगी। इसमें आपके पास एक कदम आगे जाने का अवसर था क्योंकि अनुभवी खिलाड़ियों के बाहर होने से मेजबानों की गेंदबाजी कमजोर है इस अवसर का भारतीय टीम को लाभ उठाना चाहिये।

टी20 विश्वकप फाइनल में विराट नहीं अक्षर की पारी से पलटा मैच : रोहित

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि विश्वकप फाइनल में विराट कोहली ने काफी अच्छी पारी खेली थी पर मैच को पलटने में अक्षर पटेल की अहम भूमिका रही है। भारतीय टीम ने पिछले साल हुए टी20 विश्वकप खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराकर 11 साल के बाद खिताब जीता था। रोहित ने विश्वकप फाइनल को लेकर, 'बहुत से लोग अक्षर पटेल की पारी के बारे में बात नहीं करते पर मेरा मानना है कि अक्षर की 31 गेंदों पर 47 रनों की पारी से ही मैच भारतीय टीम के पाले में आया। ' रोहित ने इस मैच में एक छोर संभाले रखने के लिए विराट की भी प्रशंसा की। रोहित ने कहा, हमें एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत थी जो विकेट पर टिका रहे। विराट ने उस काम को काफी अच्छे से निभाया। विराट की ठोस बल्लेबाजी के कारण ही शिवम, अक्षर, हार्दिक को तेजी से खेलने का अवसर मिलाइस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 176 रन बनाए थे। इसमें विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 76 रन बनाये। वहीं अक्षर पटेल ने 31 गेंद में 47 और शिवम दूबे ने 16 गेंद में 27 रन बनाए थे।

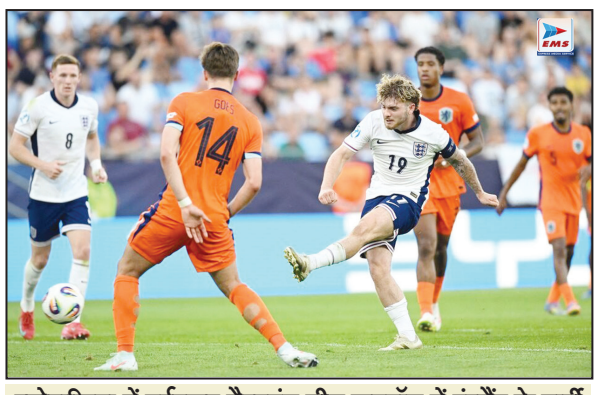

स्लोवाकिया में यूईएफए चैम्पयंस लीग फुटबॉल में इंग्लैंड के हार्वी इलियोट ने अपना दूसरा गोल किया।

राजस्थान रॉयल्स के मालिक ने राज कुंद्रा पर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया

लंदन हाई कोर्ट में शुरु की कानूनी कार्रवाई

मुम्बई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कुंद्रा पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के मालिक मनोज बडाले ने ब्लैकमेलिंग के आरोप लगाए हैं। बडाले ने इस मामले को लेकर कुंद्रा के खिलाफ लंदन के हाई कोर्ट में कानूनी कार्रवाई शुरु कर दी है। वहीं दूसरी ओर कुंद्रा ने अपने पर लगे सभी आरोपों को गलत बताया है। रॉयल्स के मालिक बडाले वेंचर कैपिटलिस्ट हैं और लंदन में रहते है। उनकी राजस्थान रॉयल्स में 65 फीसदी हिस्सेदारी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बडाले और उनकी कंपनी इमर्जिंग मीडिया वेंचर्स ने कुंद्रा के खिलाफ कोर्ट में आरोप लगाया है कि उन्होंने 2019 में हुए एक समझौते का उल्लंघन किया है। ये पूरा मामला कुंद्रा के राजस्थान रॉयल्स में पहले की हिस्सेदारी को लेकर है। कोर्ट में मनोज बडाले का पक्ष रखने वाले एडम स्पेकर ने कहा है कि कुंद्रा ने धमकी दी थी कि वह उनके खिलाफ गंभीर आरोपों का खुलासा करेंगे। स्पेकर ने इसे ब्लैकमेलिंग का प्रयास बताया है। स्पेकर ने कहा कि साल 2015 में जब कुंद्रा आईपीएल में सट्टेबाजी के दोषी पाए गए तब मजबूरी में उन्हें राजस्थान रॉयल्स में अपनी 11.7 फीसदी हिस्सेदारी छोड़नी पड़ी थी। उस स्कैंडल के कारण ही उन्हें आईपीएल से 2 साल के लिए बाहर कर दिया गया था। स्पेकर ने यह भी कहा कि पिछले महीने कुंद्रा ने बडाले को एक ई-मेल भेजा था जिसमें आरोप लगाया कि उन्हें अपने 11.7 फीसदी हिस्से की सही कीमत नहीं दी गयीं और ये घोटाला है। साथ ही कहा था कि उन्होंने इस मामले को भारत में संबंधित अधिकारियों के सामने रखा था। स्पेकर ने यह भी दावा किया है कि इस महीने कुंद्रा ने ललित मोदी से भी संपर्क किया था।

ऋषभ 800 रेटिंग अंक हासिल करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने

दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने लीड्स टेस्ट की दोनो पारियों में शतक लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इससे ऋषभ अपने करियर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के 800 रेटिंग अंक हासिल करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गये हैं। आईसीसी की ताजा रैंकिंग के अनुसार ऋषभ 800 रेटिंग अंक के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस आक्रामक बल्लेबाज ने पहली पारी में 178 गेंदों पर 12 चौकों और 6 छक्कों की सहायता से 134 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 118 रन बनाए। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में इस बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट 75.28 था जबकि दूसरी पारी में यह बढ़कर 84.29 पहुंच गया। वहीं पहले टेस्ट में एक शतक और अर्धशतक लगाने वाले इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को भी रैंकिंग में लाभ हुआ है। वह पांच स्थान ऊपर आकर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग भी बेहतर हुई। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट 889 रेटिंग अंक हासिल कर नंबर एक पर हैं। वहीं हैरी ब्रूक 874 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए है। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन तीसरे और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जासवाल 851 रेटिंग अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं। इंग्लैंड के ओली पोप तीन स्थान ऊपर आकर 19वें स्थान पर और जेमी स्मिथ 27वें स्थान पर है, दोनों की रैंकिंग बेहतर हुई है। शुभमन मैच की पहली पारी में शतक लगाने के बाद पांच स्थान के लाभ के साथ ही 20वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं श्रीलंका और बंगलादेश के बीच ड्रॉ हुए पहले टेस्ट में कई खिलाड़ियों की बल्लेबाजी रैंकिंग बेहतर हुई है। वहीं गाले में 163 रन की पारी खेलने वाले बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम बल्लेबाजों की सूची में 11 पायदान ऊपर आकर 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि बांग्लादेश के ही नजमुल हुसैन शांतो इसी मैच में दो शतक लगाने के बाद 21 स्थान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। खेली। रहीम टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हेडिंग्ले टेस्ट में एक बार फिर पांच विकेट लेने के कारण नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में तीन स्थान के लाभ से पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं स्कॉटलैंड, नेपाल और नीदरलैंड के बीच त्रिकोणीय सीरीज में प्रदर्शन के बाद नीदरलैंड के तेज गेंदबाज माइकल लेविट 16 स्थान ऊपर आकर 14वें स्थान पर और स्कॉटलैंड के ऑलराउंडर ब्रैंडन मैकमुलेन 20 पायदान ऊपर 38वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

हेड के कैच को लेकर उठे सवाल , अंपायर ने नॉट आउट दिया

ब्रिजटाउन (ईएमएस)। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में ट्रेविस हैड के कैच को लेकर विवाद हो गया। वेस्टइंडीज टीम ने हेड के आउट होने की अपील की पर तीसरे अंपायर ने उन्हें नॉटआउट करार दिया। हेड ने कहा कि वह आउट नहीं थे। इस मामले में मैदानी अंपायर ने फैसला टीवी अंपायर पर छोड़ दिया, टीवी अंपायर ने हेड को नॉटआउट करार दिया जबकि इसके वीडियों में वह आउट लग रहे थे। हेड ने इस मैच में शमर जोसेफ की गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास किया पर गेंद सीधे ही विकेटकीपर बल्लेबाज शाई होप के हाथों में चली गई। गेंदबाज की अपील पर मैदानी अंपायर नितिन मेनन ने मामला तीसरे अंपायर को सौंप दिया। तीसरे अंपायर ने पाया कि गेंद बल्ले पर आई थी। पहली तस्वीर में जब गेंद नीचे जा रही थी तो विकेटकीपर के दस्ताने उसके नीचे थे। यहां तक कि जब जूम करके देखा गया गेंद के नीचे ग्लव्स नहीं है। वहीं तीसेर अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक ने कहा कि गेंद बल्ले से लगकर सीधे विकेटकीपर के पास गयी है। तीसरे अंपायर ने संदेह का लाभ देते हुए बल्लेबाज को नाटआउट करार दिया। इस कैच का सिर्फ एक ही एंगल ब्रॉडकास्टर्स के पास था। दूसरा ये कि विकेटकीपर ने कैच को लेकर अपील नहीं की जिससे हेड बचे गये।

अमेरिका में फीफा क्लब विश्वकप में खेलते हुए उरावा रेड डायमंड व सीएफ मोंटेरी क्लब के खिलाड़ी।

कमिंस से खराब व्यवहार के लिए सील्स को सजा दे सकती है आईसीसी

ब्रिजटाउन (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पैट कमिंस से खराब व्यवहार करना महंग पड़ा सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) सील्स को इसके लिए सजा दे सकती है। इस मैच में सील्स ने पांच विकेट लिए थे। सील्स ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस का विकेट लेने के बाद उन्हें ड्रेसिंग रुम की ओर जाने का इशारा किया। कमिंस ने 18 गेंदों पर 28 रन बनाए। पर वह इसके बाद क्रैग ब्रैथवेट के हाथों में कैच हो गये। जब वह कमिंस ड्रेसिंग रूम लौट रहे थे तो

सील्स ने उन्हें ड्रेसिंग रूम की ओर जाने का इशारा किया। इसे सही नहीं माना जाता है। बल्लेबाज को आउट करने के बाद सेंडऑफ देना अब पुरानी बात हो गई है। आईसीसी के नये कानूनों के तहत इस पर पाबंदी है। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के तहत ऐसी भाषा, हरकत या हाव-भाव का इस्तेमाल करने पर रोक है जिससे बल्लेबाज को आउट होने पर अपमान का अनुभव हो और वह आक्रामक प्रतिक्रिया देने को भड़े। सील्स को इस मामले में आईसीसी फटकार लगाने के साथ ही उनकी मैच फीस भी काट सकती है। इसके साथ ही एक नकारात्मक अंक भी उनके खाते में जुड़ेगा

वॉन ने बदली अपने भविष्यवाणी बोले इंग्लैंड 4-0 से जीतेगी

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कमेंटेटर माइकल वॉन भारतीय टीम के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मिली जीत के बाद बेहद उत्साहित हैं। वॉन का कहना है कि इंग्लैंड टीम इस सीरीज में 4-0 से जीतेगी जबकि सीरीज से पहले उन्होंने कहा था कि उनकी टीम सीरीज 3-1 से जीत रही है। पहले टेस्ट में जीत से वॉन की भविष्यवाणी भी बदल गयी। वॉन की आम तौर परः सोशल मीडिया में पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर से बहस होती रहती है। ये दोनों दिग्गज कई बार एक दूसरे पर निशाना साधते रहे हैं। भारतीय टीम को पहले टेस्ट में 471 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इस हार से वॉन को जाफर पर कटाक्ष करने का अवसर मिल गया। वॉन ने सोशल मीडिया में लिखा , हम सीरीज जीत रहे हैं। उम्मीद है जाफर आप ठीक होंगेजाफर ने इसके जवाब में वॉन की एक तस्वीर शेयर करते हुए लखा, "खुशी है कि एक युवा भारतीय टीम ने आपको इस तरह से चिंतित कर दिया। जीत का आनंद लें, माइकल, हम वापस आएंगे।" वॉन यहीं नहीं रुके, जाफर के इस पोस्ट का जवाब देते हुए उन्होंने इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज की भविष्यवाणी कर दी। सीरीज शुरु होने से पहले वॉन ने कहा था कि इंग्लैंड 5 मैच की इस सीरीज को 3-1 से जीतेगा, मगर हेडिंग्ले में पहला टेस्ट जीतने के बाद उन्होंने कहा कि इंग्लैंड अब यह सीरीज 4-0 से जीतने वाला है। दोनो टीमों के बीच दूसरी टेस्ट दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा।

सिदो-कान्हू विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय हुल दिवस समारोह की भव्य शुरुआत, शहीद ग्राम भोगनाडीह जा रहे पदयात्रियों का हुआ गरिमामय स्वागत

दुमका। संथाल हुल के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु शहीद ग्राम भोगनाडीह की ओर पदयात्रा कर रहे सैकड़ों पदयात्रियों का गुरुवार को सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर पारंपरिक और गरिमामय स्वागत किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर ने स्वयं किया। इसी कार्यक्रम के साथ विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय हुल दिवस समारोह की औपचारिक शुरुआत भी हो गई। गुरुवार को दोपहर 11 बजे के करीब सैकड़ों की संख्या में पदयात्री विश्वविद्यालय के आमंत्रण पर पहुंचे। विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उनका स्वागत पारंपरिक लोटा-पानी की रस्म से किया गया, जो सम्मान और पवित्रता का प्रतीक है। इसके बाद परिसर में स्थापित वीर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं धूपबत्ती लगाई गई। पदयात्रियों को सम्मानपूर्वक मंचस्थ किया गया एवं उन्हें संथाल गौरव और बलिदान के प्रतीक पगड़ी, टोपी और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ विश्वविद्यालय कुलगीत और कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुआ। जामा की विधायक डॉ. लोईस मरांडी इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने हुल आंदोलन के शहीदों को स्मरण करते हुए विश्वविद्यालय को प्रतिवर्ष पदयात्रियों का स्वागत करने हेतु आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि गोटा भारत संगठन लगातार समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहा है, जो सराहनीय है। उन्होंने कहा, "हुल क्रांति हमें आज भी प्रेरणा देती है। ऐसे आयोजन हमें अपने इतिहास से जोड़ते हैं और युवाओं को अपने गौरवशाली अतीत से परिचित कराते हैं।" उन्होंने विश्वविद्यालय को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया और कहा कि "मैं इस क्षेत्र की बेटी रही हूँ और इसका विकास मेरी सदैव प्राथमिकता रही है।"गोटा भारत संगठन के प्रतिनिधि गमालियाल हसदा ने विश्वविद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "105 किलोमीटर की यह पदयात्रा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से की जाती है। यह यात्रा समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने, सरकार की योजनाओं को प्रचारित करने और शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता लाने का माध्यम है।" उन्होंने कहा कि "हम आपके भाव को अपने साथ भोगनाडीह तक ले जाएंगे।"विवि के वितीय सलाहकार ब्रजनंदन ठाकुर ने कहा कि यह आयोजन 1855 के ऐतिहासिक हुल विद्रोह की स्मृति में किया गया है और सभी को शहीदों के बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर ने सभी पदयात्रियों और अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि "आपके आगमन से विश्वविद्यालय की गरिमा और संकल्प दोनों में वृद्धि हुई है। संथाल हुल केवल एक विद्रोह नहीं था, बल्कि यह ब्रिटिश शासकों और महाजनों के अत्याचार के खिलाफ एक संगठित क्रांति थी।" उन्होंने कहा कि "आज हमारी ज़मीन, जंगल और जल अगर सुरक्षित हैं, तो वह हमारे पूर्वजों के बलिदान का ही परिणाम है।" उन्होंने कहा, "यदि आज भी हमारे समाज में कोई अन्याय हो रहा है, तो हमें फिर से हुल की भावना से संगठित होकर खड़ा होना होगा।" कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. जैनेन्द्र यादव ने किया।इस आयोजन को सफल बनाने में डॉ. सुजीत सोरेन, डॉ. पूनम हेम्ब्रम, डॉ. सुशील टुडू, डॉ. बिनोद मुर्मू, डॉ. अमित मुर्मू, मनीष जे. सोरेन, डॉ. चंपावती सोरेन, स्वेता मरांडी, सभी स्नातकोत्तर विभागाध्यक्ष एवं संथाल अकादमी के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर गोटा भारत सिदो कान्हू हुल संगठन के सैकड़ों पदयात्री, विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।इस गरिमामय आयोजन के साथ विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय हुल दिवस समारोह की शुरुआत हो चुकी है। 28 जून को विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें अंगीभूत कॉलेजों से चयनित छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। हुल दिवस का मुख्य कार्यक्रम 30 जून को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन-2 के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित किया जाएगा, जिसमें जनप्रतिनिधि, विद्वान वक्ता, छात्र और समुदाय के अन्य सदस्य हिस्सा लेंगे।

बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के कार्यकर्ता सम्मेलन में लाल सलाम के नारों के साथ विधायक अरूप चटर्जी का किया गया भव्य स्वागत

पूंजीवादी तानाशाही के खिलाफ आंदोलन बी सी के यू की पहचान है, अरूप चटर्जी

धनबाद, बाघमारा प्रखंड के तेतुलमारी नगरी कला दक्षिण पंचायत सचिवालय में बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के बैनर तले कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अरुप चटर्जी कामरेड विधायक अरूप चटर्जी को लाल सलाम के साथ स्वागत किया गया। कार्यकर्ता सम्मेलन में स्वर्गीय कामरेड ए के राय के तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की l उक्त सम्मेलन में बिहार कोलियरी कामगार यूनियन की पुरानी कमिटी को भंग कर नई कमिटी की घोषणा की गई। कामरेड अरूप चटर्जी ने नये साथियों का फूल माला पहनाकर स्वागत व सम्मानित किया। इस अवसर पर अरूप चटर्जी ने कहा कि बिहार कोलियरी कामगार यूनियन की पहचान रही है, पूंजीवादी तानाशाही के खिलाफ आंदोलन करना। तेतुलमारी क्षेत्र में बिहार कोलियरी कामगार यूनियन काफी मजबूत रही है l साथ ही मजदूरों के हक के लिए आंदोलन किया है। विद्यायक अरूप चटर्जी ने 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आंदोलन को सफल बनाने की अपील करते हुए कहा कि यह आंदोलन मजदूर किसान के हक के लिए है। अतिपूंजीवाद ने निजीकरण का जो बीज बोया जा रहा है। उसने रोजगार को लील लिया है। इस आंदोलन को सफल बनाने की जरूरत है l सम्मेलन की अध्यक्षता हलधर महतो ने किया।

झारखंड ई-रिक्शा -टोटो संघ के प्रधान कार्यालय का उद्घाटन संघ के संरक्षक वैभव सिन्हा ने किया

धनबाद, गुरुवार को झारखंड ई-रिक्शा, टोटो संघ के प्रधान कार्यालय का भव्य उद्घाटन संरक्षक वैभव सिन्हा के कर-कमलों द्वारा किया गया। यह आयोजन संघ के प्रधान कार्यालय, भगीरथी पैलेस, गांधी रोड, धनबाद में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष, अनिल यादव, संस्थापक मुन्ना कुशवाहा, महासचिव शैलेश कुमार, रवि साव तथा राजेश राम की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी एवं सदस्यगण भी उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए। प्रमुख उपस्थितजनों पवन साव, राजा साव, संजय कुमार, सोनू पासवान, सनोज पासवान, राजेश सिंह, सुधांशु झा, बिरेंद्र यादव, अनुप केशरी, धर्मेंद्र भगत, प्रदीप मोदी, विष्णु दास, राजू कर्मकार एवं अन्य सम्मानित सदस्य शामिल रहे।

कार्यक्रम अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने संगठन की मजबूती, एकजुटता तथा सेवा भावना को और सुदृढ़ करने का भी संकल्प लिया।

ग्रामीण सेवा ट्रस्ट व जेएलकेएम धनबाद जिला मीडिया प्रभारी रंजीत महतो के प्रयास से चौबीस घंटे के दौरान राजगंज बरवाडीह गांव में लगा नया ट्रांसफार्मर

धनबाद, टुंडी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत राजगंज बागदाहा पंचायत बरवाडीह गांव में ग्रामीण सेवा ट्रस्ट धनबाद सह झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो के अथक प्रयास से चौबीस घंटे के दौरान गांव में नया ट्रांसफार्मर लगवा कर वार्ड प्रतिनिधि के उपस्थिति में विधिवत उदघाटन किया गया l ज्ञात हो कि धनबाद जिले अंतर्गत टुंडी विधानसभा राजगंज बागदाहा पंचायत के बरवाडीह गांव में ट्रांसफार्मर ख़राब हो जाने के कारण विगत पंद्रह दिनों से गांव के ग्रामीण अंधेरे में जीने के लिए मजबुर थें l स्थानीय ग्रामीण झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सक्रिय कार्यकर्ता विकास महतो और ग्रामीणों के द्वारा सूचना मिलते ही ग्रामीण सेवा ट्रस्ट धनबाद सह झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो के द्वारा बिजली विभाग के राजगंज पावर हाउस कतरास सब डिविजन के जेई एसडीओ धनबाद जिला महाप्रबंधक और उर्जा विभाग के राज्य स्तरीय संबंधित विभागीय अधिकारियों से संपर्क करके त्वरित संज्ञान में लेकर राजगंज बरवाडीह गांव में नया ट्रांसफार्मर लगवा कर गांव में प्रकाश लाने का सेवा कार्य किया l

मौके पर उपस्थित ग्रामीण सेवा ट्रस्ट धनबाद सह झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो जेएलकेएम राजगंज ज़ोन अध्यक्ष, मानिक चंद्र महतो उपाध्यक्ष, नंदू मोदक पार्टी के राजगंज ज़ोन महामंत्री सह वार्ड प्रतिनिधि विनोद रविदास, जमुना प्रसाद महतो, सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता विकास महतो, टेकलाल महतो, गौतम महतो, परशुराम महतो, मनोज महतो के द्वारा बिजली विभाग के सभी पदाधिकारियों को हृदय से आभार प्रकट किया l

कृषकों को धान की श्री विधि से खेती के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई

दुमकाःआत्मा दुमका द्वारा राष्ट्रीय खाद्य एवं पोषण सुरक्षा मिशन योजनान्तर्गत ग्राम-चांदोपानी, पंचायत-दिग्धी प्रखंड-दुमका में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कृषक गोष्ठी के माध्यम से उप परियोजना निदेशक संजय कुमार मंडल द्वारा कृषकों को धान की श्री विधि से खेती के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि धान की श्री विधि को धान की सघनीकृत प्रणाली भी कहा जाता है।उन्होने बताया कि श्री विधि से खेती करने में कम बीज 2 किलो प्रति एकड़ बीज की आवश्यकता होती है। इस विधि में 8-14 दिनों का बिचडा का प्रयोग करना चाहिये। इस विधि से खेती करने में कम पानी खेत की मिट्टी को नमीयुक्त रखना है।इसमें कम उर्वरक की आवश्यकता होती है। श्री विधि में रोपाई के समय खेत गीला होना चाहिये या खेत में एक इंच से कम पानी की आवश्यकता होती है। इस विधि में पौधों से पौधों की दूरी 25 सेमी एवं कतार से कतार की दूरी 25 सेमी रखनी चाहिये।उन्होने बताया की बीज बोने से पूर्व बीज का बीजोपचार अवश्य कर लेना चाहिये।सबसे पहले प्रति एकड़ की दर से 2 किलो बीज ले लें।उसके बाद आधा बाल्टी पानी में नमक का घोल बनाये।उक्त घोल में बीजों को डाल दें जो खराब बीज होगा वह उपर आ जायेगा एवं स्वस्थ बीज पानी के नीचे बैठ जायेगा। इस तरह खराब बीज को अलग कर ले।अच्छे बीज को निकालकर उसे साफ पानी से 2-3 बार धो लें।जिससे नमक का अंश हट जायेगा।साफ बीज को फफूंदनाशक दवा (वैभिस्टीन) से उपचारित करना है। वैभिस्टीन की 2 ग्राम प्रति किलो बीज से उपचारित करना है।उपचारित करने के बाद बीज को नम बोरे से ढक कर 24 घंटे के लिये अंकुरण हेतु छोड़ दें।अंकुरित बीज का नर्सरी में डाला जाता है एवं नर्सरी के उपर पुआल से ढंक देना है।इस विधि में प्रति पौधे कल्ले की संख्या 30-70 तक होती है।जिससे धान का उत्पादन अच्छा होता है।इस दौरान कृषकों को धान, मक्का एवं रागी का बीज का वितरण भी किया गया।कृषक गोष्ठी में आत्मा के उप परियोजना निदेशक संजय कुमार मंडल, दुमका प्रखंड के प्रखंड तकनीकी प्रबंधक दीपक चन्द्र साह, सहायक तकनीकी प्रबंधक भारती देवी, सीफा सदस्य सुष्मिता सोरेन एवं कृषकगण उपस्थित थे।

ड्यूटी के दौरान करंट लगने से राजगंज निवासी युवक की हुई मौत

राजगंज, (धनबाद), राजगंज क्षेत्र में अत्यंत दुखद व मार्मिक घटना सामने आई हैं । राजगंज निवासी नित्यानंद के द्वितीय पुत्र विद्युत दे , उम्र लगभग 25 वर्ष, जो पश्चिम बंगाल के अंडाल में रेलवे विभाग में टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत थे, ड्यूटी के दौरान इलेक्ट्रिक शॉर्ट लगने से उनकी दर्दनाक मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही राजगंज स्थित उनके परिवार में कोहराम मच गया। शोकसंतप्त परिजन तत्काल अंडाल, पश्चिम बंगाल के लिए रवाना हो गए।इस दुर्घटना से पूरे परिवार और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई । मृतक विद्युत दे एक होनहार और जिम्मेदार युवक के रूप में जाने जाते थे। उनका इस तरह असमय चले जाना परिवार के लिए अपूरणीय क्षति लोग बतला रहे हैं l

देशवासी आपातकाल की विभीषिका को कभी नहीं भूल सकते, लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमेशा सजग रहेंगे : अशोक तिवारी

वाराणसी, आपातकाल के काले अध्याय की 50वीं बरसी पर भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय" तथा "अनैतिक संशोधन से संविधान पर हमला" पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का आयोजन सूचना विभाग द्वारा नगर निगम के सामने स्थित शहीद पार्क में किया गया। जिसका जिला पंचायत अध्यक्ष, पूनम मौर्या एवं महापौर अशोक तिवारी ने फीता काटकर विधिवत् उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में कुल 50 चित्र किट्स का प्रदर्शन किया गया । आपातकाल को देश के इतिहास के लिए एक काला अध्याय बताया गया । महापौर अशोक तिवारी ने पिछली सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आपातकाल में संविधान की आत्मा को कुचला गया, संसद की आवाज को दबाया गया और न्यायपालिका पर नियंत्रण की कोशिश की गई। इस चित्र प्रदर्शनी के माध्यम लोग पिछली सरकार द्वारा आपात काल में किए गए अनैतिक कार्यवाही से रुबरु होगे। 42वां संशोधन कांग्रेस की इसी सोच का प्रतीक है। गरीबों, वंचितों और दलितों को खास तौर पर निशाना बनाया गया।' उन्होंने कहा कि सरकार की प्रतिज्ञा-लोकतंत्र को मजबूत करने का संकल्प हैं। सरकार संविधान के मूल्यों को और मजबूत करने और विकसित भारत का सपना साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि देशवासी आपातकाल की विभीषिका को कभी नहीं भूल सकते और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमेशा सजग रहेंगे।उद्घाटन अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर आलोक कुमार वर्मा, सहायक निदेशक सूचना, सुरेन्द्र पाल सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे ।

दुमका में भव्य मैराथन दौड़ के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश

दुमकाःझारखंड सरकार द्वारा राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को दुमका जिला प्रशासन द्वारा डीसी चौक से पोखरा चौक तक एक भव्य मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया।इस आयोजन में सैकड़ों उत्साही युवाओं ने भाग लिया और निषिद्ध मादक पदार्थों के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए नशा मुक्ति का सशक्त संदेश समाज को दिया। दौड़ के माध्यम से युवाओं ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं भी नशा से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। इस दौरान स्वास्थ्य सेविकाएं भी बैनर पकड़ रैली में शामिल हुईं।

हूल दिवस पदयात्रा का शुभारंभ ,पदयात्रियों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दुमकाःः170 वाँ हूल दिवस के अवसर पर गोटा भारोत सिदो कान्हू हूल बैसी , जोहार मानव संसाधन विकास केन्द्र, प्रेम संस्था , अनूसूचित जाति जनजाति रक्षा समिति, होली फेथ चंदरपुरा के संयुक्त तत्वाधान में हूल दिवस पदयात्रा का शुभारंभ सिदो कान्हू चौक (पोखरा चौक) से सुबह 9 बजे मुख्य आतिथि जामा विधायक डॉ लुईस मरांडी, विशिष्ट अतिथि मे प्रो डॉ कुनूल कांदरी कुलपति सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय ,पुलिस कप्तान दुमका पीतांबर सिंह खेरवार, पश्चिम बंगाल से आए मार्शल हेम्ब्रम के द्वारा पदयात्रियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य लोगों को अमर शहीद सिदो - कान्हू, चांद - भैरव, फूलो झानो एवं हजार संतालों के बलिदान को स्मरण करते हुए उन सभी वीरों को श्रद्धांजलि देना है। साथ ही सरकार के कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना उनके आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु जागरूकता पैदा करना है। इसके अलावे आदिवास समाज के कुरीतियों जैसे नशापान आदि से छुटकारा देने के लिए जागरूकता पैदा करना है। साथ ही बदलते हुए परिवेश में वाश्विक समस्या प्रयवरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेवारी को याद करना है जैसे वन रोपण, जल संरक्षण ,मृदा संरक्षण आदि को बढ़ावा देना है।यह पदयात्रा वर्ष 2005 से लगातार अयोजन किया जाता रहा है।इस कार्यक्रम में आकर्षक संतालों के पारम्परिक पैकाहा नृत्य जो होली फेथ स्कूल हेट कोरोया के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। मौके पर सुर्जुडीह फूलो झानो कोचिंग सेंटर के किशोर हांसदा ने हूल गीत प्रस्तुत कर उपस्थित सभी को अमर शहिदों के बलिदानों को याद दिलाया। इस कार्यक्रम में बैसी के कार्यकारी अध्यक्ष गमालिएल हांसदा, संयुक्त सचिव नायकी सोरेन, डॉ अमरेंद्र यादव सचिव रेड क्रॉस सोसायटी,डा सुशील मरांडी सदस्य अल्पसंख्यक आयोग,कोषधयक्ष सनातन मुर्मू, एपीपी एलिजाबेथ हेम्ब्रम, वीना रानी मरांडी, प्रदीप मुर्मू, डा लुसू हेम्ब्रम , फा सोलोमन, फा जॉन फेलिक्स, मेरीला मुर्मू, इ जे सोरेन, मखोदी सोरेन, मनीष किस्कू उपस्थित थे। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन बैसी के पुर्व सचिव सुलेमान मराण्डी द्वारा किया गया।

कार्यालय, चास नगर निगमचास (बोकारो)

E-mail.Id:- chasmunicipalcouncil@gmail.com Phone No-06542-265416

ज्ञापांक : 1898 दिनांक : 25.06.2025

–: अति अल्पकालीन इच्छा की अभिव्यक्ति :–

EOI NO. – UDD/CMC/05/2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार एवं नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड, राँची के निदेशानुसार अमृत 2.0 के अन्तर्गत चास नगर निगम में वृक्षारोपण के विभिन्न पहलूओं यथा– Women for Tree Campaign – An AMRUT Mitra Initiative के तहत् वृक्षारोपण हेतु सात स्थलों का चयन किया गया है। उक्त स्थल पर वृक्षारोपण एवं रख–रखाव स्वयं सहायता समूह (SHG's) की महिलाओं के द्वारा एक (01) वर्ष के लिए किया जाना है, जो निम्नवत है :–

क्रं0	पौधा रोपण एवं संरक्षण हेतु स्थलों का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)
01	जामगोड़िया तालाब, वार्ड सं0–5 में 200 अदद् पौधारोपण एवं संरक्षण	Rs. 4,03,730/-
02	सुल्तान नगर तालाब, वार्ड सं0–09 में 100 अदद् पौधारोपण एवं संरक्षण	Rs. 2,07,365/-
03	सोलागिडीह तालाब, वार्ड सं0–06 में 100 अदद् पौधारोपण एवं संरक्षण	Rs. 2,07,365/-
04	भोलूर बाँध तालाब, वार्ड सं0–14 एवं 15 में 150 अदद् पौधारोपण एवं संरक्षण	Rs. 3,05,548/-
05	वैभव होटल, जलमीनार मैदान, वार्ड सं0–23 में 100 अदद् पौधारोपण एवं संरक्षण	Rs. 2,07,365/-
06	हनुमान मंदिर, जलमीनार, वार्ड सं0–33 में 100 अदद् पौधारोपण एवं संरक्षण	Rs. 2,07,365/-
07	ईदगाह पार्क, वार्ड सं0–01 में 150 अदद् पौधारोपण एवं संरक्षण	Rs. 3,05,548/-

जिसके अंतर्गत Maintain Cleanliness, Record Keeping, Tree Plantation & Maintenance का कार्य कराया जाना है। जिसकी अवधि एक (01) वर्ष की होगी। उक्त कार्य के लिए इच्छा की अभिव्यक्ति के तहत् चास नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत SHG महिला ग्रुप को बंद लिफाफे में आवेदन के साथ आव यक दस्तावेज संलग्न कर आमंत्रित किया जाता है। जिसकी तिथि एवं समय निम्न प्रकार है :–

क्रं0	विवरणी	दिनांक / समय
01	आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज जमा करने का समय	08.07.2025 / अपराह्न 02:00 बजे
02	इच्छा की अभिव्यक्ति खोलने का समय	08.07.2025 / अपराह्न 03:00 बजे

- नियम एवं शर्त्ते कार्यालय सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
- अधिक जानकारी के लिए दूरभाष संख्या–9905751376 एवं 7987858134 पर संपर्क किया जा सकता है।

ह0 / –
प्रशासक–सह–अपर नगर आयुक्त,
चास नगर निगम, चास।

PR.NO.355997 Urban Development (25-26):D

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेन्ट सूचना

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या – DHN-1/14/2025-26 दिनांक–25.06.2025

Name of Work	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (लाख में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
SUPPLYING AND LAYING OF DIFFERENT DIA D.I PIPE K-9 FROM WTP BHELATAND TO EXISTING SUMP AT IIT ISM DHANABD UNDER D.W. & S. DIVISION NO.1, DHANBAD	496.19932	4.97	10000.00	6 माह

2	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	28.06.2025 समय 04.00 बजे अपराह्न् तक
3	प्री बीड मीटिंग की तिथि एवं समय	03.07.2025, 11.30 बजे पूर्वाह्न क्षेत्रीय मुख्य अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, दुमका प्रक्षेत्र, दुमका
4	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	12.07.2025 समय 05.00 बजे अपराह्न् तक
5	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	12.07.2025 समय 05.00 बजे अपराह्न् तक
6	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	14.07.2025 समय 03.00 बजे अपराह्न्
7	तकनीकी बिड खोलने का स्थान	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल सं.1, धनबाद
8	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम / पदनाम	नीत कुमार ठाकुर, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल सं.1, धनबादं
9	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलिफोन नं0 :	03264848874
10	ई– प्रोक्यूरमेन्ट सेल का हेल्प लाईन सं0 : 0651.2480345	

नोट – (1) केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
(2) प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य भुगतेय होगी।
अधिक जानकारी के लिए वेवसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता
पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल सं.1, धनबाद

PR.NO.356031 Drinking Water and Sanitation(25-26):D

बीसीसीएल द्वारा 'साइबर स्वच्छता' कार्यक्रम का आयोजन

कोयला भवन मुख्यालय में फिशिंग से बचाव के उपायों पर दी गई महत्त्वपूर्ण जानकारी

धनबाद । कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देश तथा स्वच्छ भारत अभियान के तहत भारत कोकिंग कोल लिमिटेड द्वारा 16 जून से 30 जून तक 15 दिवसीय 'स्वच्छता पखवाड़ा' का आयोजन कंपनी स्तर पर मुख्यालय तथा सभी 13 क्षेत्रों में किया जा रहा है। इसके तहत पूरे बीसीसीएल क्षेत्र में स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही है। इसी कड़ी में स्वच्छता की व्यापक परिभाषा को अपनाते हुए आज बीसीसीएल द्वारा कोयला भवन, मुख्यालय में एक विशेष 'साइबर स्वच्छता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति कर्मचारियों को जागरूक करना तथा व्यक्तिगत एवं संस्थागत स्तर पर साइबर स्वच्छता सुनिश्चित करना था।संस्थान के सिस्टम विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में साइबर अपराधों पर केंद्रित पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से उपयोगी जानकारी साझा की गयी। ऑनलाइन धोखाधड़ी के सन्दर्भ में बताया गया कि इसका मुख्य माध्यम फिशिंग है, जोकि एक प्रकार की साइबर जालसाजी है, जिससे पहचान की चोरी (आइडेंटिटी थेफ़्ट), वित्तीय नुकसान, खातों तक अनधिकृत पहुंच, तथा संस्थागत डेटा उल्लंघन जैसी समस्याएँ हो सकती हैं।कार्यक्रम में ईमेल फिशिंग, एसएमएस आधारित स्मिशिंग, कॉल आधारित विशिंग तथा सोशल मीडिया फिशिंग जैसे विभिन्न प्रकार की जालसाजी तकनीकों पर जानकारी दी गई, साथ ही इनसे सुरक्षित रहने हेतु व्यावहारिक उपाय साझा किए गए। उपस्थित सभी प्रतिभागियों को सुझाव दिया गया कि वे अनजान लिंक या संलग्नकों से सतर्क रहें, प्रमाणीकरण सुरक्षा उपायों का प्रयोग करें और व्यक्तिगत जानकारी को साझा करने में सावधानी बरतें।अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री कुमार मनोज, मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन) श्री दिलीप कुमार भगत, वरीय प्रबंधक (सिस्टम) श्री सुदेश कुमार सहित मुख्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीसीसीएल द्वारा आयोजित यह साइबर स्वच्छता कार्यक्रम 'स्वच्छता पखवाड़ा' के दौरान आयोजित उन पहलों में से एक था, जो स्वच्छता की अवधारणा को केवल भौतिक परिवेश तक सीमित न रखकर व्यवधानों से मुक्त डिजिटल और आंतरिक प्रणाली की बेहतरी तक विस्तारित करने का सार्थक प्रयास रहा।

पहला कदम के छात्रों ने लिया सितारे जमीन पर मूवी का आनंद

नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट एवं लायंस क्लब गोविंदपुर के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम संपन्न

धनबाद, नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों की विशेष स्कूल पहला कदम के दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष फिल्म शो का आयोजन किया गया। जिसमें लायंस क्लब गोविंदपुर के सौजन्य से ओजोन गेलेरिया स्थित आईनॉक्स थिएटर में बच्चों को प्रसिद्ध प्रेरणादायक फिल्म सितारे ज़मीन पर दिखाई गई। जो उनके मनोवैज्ञानिक और रचनात्मक विकास को प्रोत्साहित करती है। कार्यक्रम में बच्चों के लिए कोल्ड ड्रिंक, स्नैक्स और टॉफी की भी विशेष व्यवस्था की गई थी। जिससे बच्चों का उत्साह दोगुना हो गया। इस कार्यक्रम में लायंस क्लब गोविंदपुर की टीम से रौशन अग्रवाल, राजेश जायसवाल, धनराज प्रसाद सिंह, नुपुर जायसवाल, आकाश गुप्ता एवं विजय संतोष शामिल हुए। विद्यालय की सचिव अनिता अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी विशेष बना दिया।धनबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को 'पहला कदम' विद्यालय परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद दिया गया। जिन्होंने बच्चों के लिए मूवी शो में आने-जाने हेतु बस की व्यवस्था करवाई। उनकी इस सहयोगपूर्ण पहल से बच्चों को न केवल आनंद की अनुभूति हुई, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सामाजिक जुड़ाव को भी मजबूती मिली।नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट एवं पहला कदम विद्यालय परिवार ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी सहयोगियों का आभार प्रकट किया। समय समय पर इस तरह के आयोजनों से दिव्यांग बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा का विस्तार होता है।

उपायुक्त के निर्देशानुसार पूर्वी टुंडी अंचल अधिकारी द्वारा सरकारी जमीन को कराया गया अतिक्रमण मुक्त

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन के निर्देशानुसार धनबाद जिले के पूर्वी टुंडी अंचल अधिकारी, सुरेश प्रसाद वर्णवाल द्वारा सरकारी जमीन पर हो रहे अतिक्रमण को बुलडोजर लगाकर अतिक्रमण मुक्त कराया जा रहा है। इस संबंध में अंचल अधिकारी ने बताया कि शंकरडीह के ग्रामीणों ने आवेदन दिया था की शंकरडीह मोजे के खाता नंबर 83 प्लॉट नंबर 764 रकवा 1.16 एकड़ पर किसी के द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। अंचल अधिकारी ने इसे तुरंत संज्ञान में लेते हुए प्रभारी अंचल निरीक्षक दिलीप कुमार सिंह राजस्व उप निरीक्षक विजय कुमार, अंचल अमीन राजकुमार आदि अपने पूरे दल बल के साथ प्लॉट पर पहुंचकर बुलडोजर लगाकर प्लॉट को मुक्त किया।

वही अंचल अधिकारी ने पूर्वी टुंडी अंचल वासियों को यह निर्देश दिया की कोई भी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण नहीं करे, नहीं तो उस पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिले के आर्थिक रूप से कमजोर शिक्षित युवाओं को आजीविका एवं कौशल विकास से जोड़ने के लिए

धनबाद उपायुक्त ने आइएसएम के प्रोफेसर के साथ की बैठक

इलेक्ट्रिक व्हीकल स्किल डेवलपमेंट, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, नवाचार और उद्यमिता विकास के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस,सीओई बनाने पर की गई चर्चा

बेलगड़िया में निवास कर रहे युवाओं को आईआईटी, आइएसएम में दिया जाएगा आवासीय कौशल

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जिले के आर्थिक रूप से कमजोर शिक्षित युवाओं को आजीविका एवं कौशल विकास से जोड़ने हेतु धनबाद में इलेक्ट्रिक व्हीकल स्किल डेवलपमेंट, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, नवाचार और उद्यमिता विकास के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सीओई बनाने के लिए आईआईटी, आइएसएम के प्रोफेसर एवं औद्योगिक भागीदार के साथ बैठक की गई। इस दौरान प्रोफेसर केसी जाना एवं प्रोफेसर सुकांत हलदर के द्वारा पीपीटी के माध्यम से कार्य योजना को लेकर प्रस्तुति दी। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं शिक्षित बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षित करना एवं उन्हें विकसित करना है। इसका लाभ बेलगड़िया में रह रहे विद्यार्थियों को भी मिलेगा। उपायुक्त, आदित्य रंजन ने कहा कि युवाओं को आईआईटी,आइएसएम में आवासीय कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिससे वह फोकस हो कर पढ़ेंगे एवं प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण के उपरांत विद्यार्थियों को आईआईटी-आइएसएम के द्वारा प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। साथ हीं उनके रोजगार को लेकर कहा कि औद्योगिक भागीदार के रूप में जो भी एजेंसी रहेगी उन्हें रोजगार उपलब्ध कराएंगे। इस कार्य को लेकर जल्द से जल्द कार्ययोजना बनाने हेतु उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

मौके पर प्रोफेसर केसी जाना, प्रोफेसर सुकांत हलदर, प्रोफेसर गौरी शंकर, कैमेलिया चौधरी और डॉ, आकांक्षा सिन्हा, संजीव मोदक ने भाग लिया। औद्योगिक भागीदार भी उपस्थित थे, जिनमें ईग्रीन क्वांटा, डॉ. कुमार गौतम, सीईओ और गहन एआई,उदलोक मजूमदार, सह-संस्थापक एवं अमर कुमार श्रीवास्तव, परियोजना प्रबंधक, आजीविका एवं कौशल विकास, डीएमएफटी, पीएमयू भी मौजूद थे।

धनबाद में पहली बार दिव्यांगजनों को 28,29 को निःशुल्क उन्नत तकनीकी के मॉड्यूलर पैर लगाए जाएंगे

धनबाद, गुरूवार को सेल सी सी एस ओ के द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। सेल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्ट, संजीव कुमार सिंह ने बताया कि आगामी 28, 29 एवं 30 जून को जीवन ज्योति संस्थान के साथ मिलकर हमलोग कॉर्पोरेट समाजिक उत्तरदायित्व, सी एस आर के तहत निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन जीवन ज्योति विशेष विद्यालय, बेकारबंध, धनबाद में किया जा रहा हैं। इसके अंतर्गत धनबाद में पहली बार दिव्यागजनों को निःशुल्क उन्नत तकनीक के मॉड्यूलर पैर लगाए जाएंगे, जो कि जयपुर फुट से कही ज्यादा आरामदायक और हल्के वजन का होगा। इस शिविर में जीवन ज्योति संस्थान रोटरी क्लब ऑफ धनबाद हमें तकनीक एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध करवाने में सहयोग प्रदान कर रही है। आगे उन्होंने हिंदी दैनिक अखबार कोयलांचल संवाद के वरिष्ठ पत्रकार, आर एन चौरसिया को बातचीत के क्रम में बतलाया की अभी तक कुल 130 दिव्यागजनों का पंजीकरण किया जा चुका है। जिनके पैर की मापी शनिवार एवं रविवार को की जाएगी। साथ ही ऑन स्पॉट भी पंजीकरण कर ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को इस योजना का लाभ पहुंचना हमारा उद्देश्य रहेगा। आगे उन्होंने बतलाया की हम सब के जीवन से स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया किसी न किसी रूप से जुड़ा रहता है। उसी क्रम में हमारी ओर से दिव्यागजनों के लिए ये एक छोटा सा सार्थक प्रयास उनके जीवन को सुग्मय बनाने का है। जिन लाभुकों को इस शिविर में कृत्रिम अंग प्रदान किए जाएंगे। उनके रख रखाव एवं उनके प्रशिक्षण की जिम्मेदारी जीवन ज्योति संस्थान उठाएगी। मौके पर कोलियरी डिविजन के एग्जीक्यूटी डायरेक्टर, संजीव कुमार सिंह, राजीव तिवारी, चीफ जनरल मैनेजर, योगेंद्र कुमार पासवान, निदेशक, मानव संसाधन, शशी धर प्रसाद, जनरल मैनेजर, विकास शर्मा, प्रोजेक्ट चेयरमैन, राजेश परकेरिया, जीवन ज्योति संस्थान, राजीव गोयल आदि उपस्थित थे।

दिलीप सिंह बने महाराणा प्रताप स्मारक समिति ट्रस्ट के सदस्य

धनबाद, गुरुवार को महाराणा प्रताप स्मारक समिति के द्वारा ट्रस्ट के सदस्य के रूप में युवा समाजसेवी दिलीप सिंह का चयन किया गया। महासचिव सुधीर कुमार सिंह ने पत्र निर्गत करते हुए दिलीप सिंह के संदर्भ में कहा कि आपके अनुभव एवं ट्रस्ट के प्रति निष्ठा आपकी निष्ठा को देखते हुए आपको महाराणा प्रताप स्मारक समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत किया जाता है। संगठन को मजबूत और गतिशीलता प्रदान करने के लिए आपकी सक्रिय भूमिका अपेक्षित है। समिति को पूर्ण आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आप अपने सार्थक भूमिका में समिति को नया आयाम देने की कोशिश करेंगे। महाराणा प्रताप स्मारक समिति के सदस्य चयनित होने के उपरांत दिलीप सिंह ने कहा कि मैं यथासंभव अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा कि समिति सफलता की नई ऊंचाइयों को छुए। दिलीप सिंह को समिति के सुधीर सिंह महामंत्री,राजेंद्र सिंह कोषाध्यक्ष, मुन्ना सिंह समेत अन्य सदस्यों ने बधाई देकर समिति में स्वागत किया।

हमें नशे के खिलाफ केवल बोलना नहीं है, बल्कि उदाहरण बनकर दिखाना है:न्यायाधीश

अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता अभियान

धनबाद, अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस एवं अवैध तस्करी के खिलाफ राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को झालसा एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश पर जिले के विभिन्न पंचायत , लीगल लिटरेसी स्कूल एवं कॉलेज में एलएडीसीएस, डालसा के अधिकार मित्र ,पैनल अधिवक्ता , द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस मौके पर मीडिया से बात करते जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता रैली, काउंसलिंग शिविर, और नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है । इस कड़ी में नालसा नई दिल्ली द्वारा जारी वीडियो क्लिप को छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीण को दिखाया गया। लोगों को संबोधित करते हुए न्यायाधीश मयंक ने कहा कि यह दिवस हमें नशे के खतरों के प्रति जागरूक करने और समाज में फैली इस बुराई के खिलाफ एकजुट होने की प्रेरणा देता है। नशा एक धीमा जहर है। यह न केवल शरीर को खोखला करता है, बल्कि मानसिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन को भी बर्बाद कर देता है। दुख की बात है कि आजकल युवाओं में नशे की लत तेजी से बढ़ रही है। यह लत उन्हें पढ़ाई से दूर कर रही है। अपराध की ओर धकेल रही है और उनके सपनों को चकनाचूर कर रही है। यदि समय रहते इन्हें रोका न गया, तो हमारे राष्ट्र का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। उन्होंने लोगों से आवाहन करते हुए कहा की हमें नशे के खिलाफ केवल बोलना नहीं है, बल्कि उदाहरण बनकर दिखाना है। समाज में जागरूकता अभियान चलाकर, नशे से दूर रहने का संदेश फैलाना चाहिए। अगर हमारा कोई साथी या पड़ोसी इस रास्ते पर चल रहा हो, तो प्यार और समझदारी से उसे सही रास्ता दिखाने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▮ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।